रांची, गुरुवार
21.05.2026
वर्ष : 11, अंक : 168, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री को रोम में मिला प्रतिष्ठित एग्रीकोला मेडल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आज रोम में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (ईफएओ) के मुख्यालय में संगठन की ओर से वर्ष 2026 का प्रतिष्ठित 'एग्रीकोला मेडल' प्रदान किया गया। यह पुरस्कार भारत और वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा, सतत कृषि और ग्रामीण विकास के मुद्दों को संबोधित करने में उनके असाधारण नेतृत्व की पहचान के रूप में दिया गया। प्रधानमंत्री ने यह पुरस्कार ईफएओ के महानिदेशक डॉ. क्यू डोंग्यू से प्राप्त किया। उन्होंने इस सम्मान को भारतीय किसानों और भारतीय कृषि वैज्ञानिक समुदाय को समर्पित किया, जो भारतीयों और दुनिया भर के लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा और पोषण सुनिश्चित करने हेतु अथक परिश्रम करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह सम्मान मानव कल्याण, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को एक श्रद्धांजलि है। भारत में कृषि-आधारित जीवन की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि कृषि 'धरती माँ' और भारतीय लोगों के बीच एक पवित्र बंधन है।

सुप्रीम कोर्ट ने जातिगत जनगणना के विरुद्ध याचिका खारिज की

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जातिगत जनगणना के विरूद्ध दायर याचिका खारिज कर दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह सरकार का नीतिगत फैसला है और इसमें हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है। याचिका में मांग की गई थी कि आगामी जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल न किया जाए, क्योंकि इसका दुरुपयोग हो सकता है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सरकार को यह जानना जरूरी है कि पिछड़ी जातियों में कितने लोग हैं, ताकि उनके कल्याण के लिए योजनाएं बनाई जा सकें। न्यायालय ने कहा कि जनगणना जाति आधारित हो या नहीं, यह पूरी तरह सरकार का नीतिगत मामला है। कोर्ट को इसमें दखल देने की जरूरत नहीं दिखती, इसलिए इस जनहित याचिका को खारिज किया जाता है। याचिका सुधाकर गुमुला ने दायर की थी।

विकेन्द्रित उत्पादन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलती है मजबूती: कल्पना सोरेन

संघे शक्ति कलियुगे : कल्पना सोरेन ने लिज्जत पापड़ मॉडल को बताया महिला सशक्तिकरण का प्रेरक उदाहरण

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के गांडेय विधानसभा क्षेत्र की विधायक कल्पना सोरेन ने महिलाओं की सामूहिक शक्ति, आत्मनिर्भरता और सहयोग की भावना को रेखांकित करते हुए बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक विचारोत्तेजक संदेश साझा किया। अपने पोस्ट में उन्होंने संघे शक्ति कलियुगे की अवधारणा का उल्लेख करते हुए प्रसिद्ध सहकारी संस्था श्री महिला गृह उद्योग लिज्जत पापड़ को महिला सशक्तिकरण का जीवंत और प्रेरणादायक उदाहरण बताया।

उन्होंने कहा कि लिज्जत पापड़ केवल एक व्यावसायिक संस्था नहीं, बल्कि महिलाओं के सामूहिक प्रयास, आत्मविश्वास और आर्थिक स्वावलंबन का सफल आंदोलन है, जिसने लाखों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है।

कल्पना सोरेन ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि झारखंड विधानसभा की महिला एवं बाल विकास समिति के महाराष्ट्र एक्सपोजर विजिट के दौरान उन्हें मुंबई स्थित डब्बावाला इंटरनेशनल एक्सपीरियंस सेंटर जाने का अवसर मिला। लगभग 135 वर्षों से अपनी मेहनत, अनुशासन, समयबद्धता और उत्कृष्ट सेवा के लिए विश्वभर में पहचान बना चुके मुंबई के डब्बावालों की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझना बेहद प्रेरणादायक अनुभव रहा।

उन्होंने लिखा कि सीमित संसाधनों के बावजूद जिस प्रकार डब्बावाले सामूहिक समन्वय और अनुशासन के बल पर प्रतिदिन लाखों लोगों

तक भोजन पहुंचाने का कार्य करते हैं, वह संगठन शक्ति और कार्य संस्कृति का अनूठा उदाहरण है।

अपने संदेश में विधायक ने कहा कि लिज्जत पापड़ केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त आंदोलन है, जिसने लाखों महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका, आत्मनिर्भरता और सामाजिक पहचान दिलाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सहकारी मॉडल समाज में आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन लाने की बड़ी क्षमता रखते हैं। सामूहिक भागीदारी और साझी जिम्मेदारी पर आधारित यह मॉडल महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास भी पैदा करता है।

कल्पना सोरेन ने विशेष रूप से डिस्ट्रिब्यूटेड प्रोडक्शन यानी विकेन्द्रित उत्पादन प्रणाली की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह मॉडल महिलाओं को अपने घर या स्थानीय स्तर पर रहकर काम करने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे वे पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी सशक्त बन पाती हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में इस प्रकार की व्यवस्था महिलाओं के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है, क्योंकि इससे उन्हें रोजगार के लिए घर छोड़कर दूर शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। साथ ही स्थानीय संसाधनों, पारंपरिक कौशल और घरेलू उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा।

विधायक ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए गृह एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना समय की बड़ी आवश्यकता है।

उन्होंने सुझाव दिया कि लिज्जत पापड़ जैसे सफल सहकारी मॉडल को हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण, वन उत्पाद, बांस उद्योग और अन्य लघु उद्योग क्षेत्रों में भी लागू किया जाना चाहिए।

उनके अनुसार यदि महिलाओं को प्रशिक्षण, बाजार और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए तो वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

कल्पना सोरेन ने सरकार, स्वयंसेवी संस्थाओं और निजी क्षेत्र से इस दिशा में समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी तरीके से लागू करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि सहकारी मॉडल और महिला समूह आधारित उत्पादन प्रणाली को व्यवस्थित तरीके से बढ़ावा दिया जाए, तो ग्रामीण परिवारों को स्थायी और सम्मानजनक आजीविका उपलब्ध कराई जा सकती है।

उल्लेखनीय है कि गांडेय से विधायक कल्पना सोरेन झारखंड विधानसभा की महिला एवं बाल विकास समिति की सभापति भी हैं। झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो द्वारा संसदीय समितियों के पुनर्गठन के दौरान उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी। समिति के माध्यम से महिलाओं, बच्चों और ग्रामीण समाज से जुड़े मुद्दों पर विभिन्न राज्यों के सफल मॉडलों का अध्ययन किया जा रहा है, ताकि झारखंड में भी उन्हें लागू करने की दिशा में पहल की जा सके।

भारत और इटली ने स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप की घोषणा की

रक्षा, व्यापार और तकनीक में सहयोग होगा मजबूत: मोदी

एजेंसी

रोम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भारत और इटली के संबंधों को स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप के स्तर तक उन्नत करने की घोषणा की। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले लगभग साढ़े तीन वर्षों में उन्हें प्रधानमंत्री मेलोनी से कई बार मिलने का अवसर मिला है, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते करीबी सहयोग और बेहतर सामंजस्य को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मेलोनी के नेतृत्व में भारत-इटली संबंधों को नई गति, नई दिशा और नया आत्मविश्वास मिला है।

उन्होंने कहा कि भारत-इटली संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना 2025-2029 दोनों देशों की साझेदारी को व्यावहारिक और भविष्य उन्मुख ढांचा प्रदान करती है

तथा इस पर समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इटली विश्वभर में डिजाइन और प्रिसीजन के लिए प्रसिद्ध है, जबकि भारत बड़े पैमाने, प्रतिभा और किफायती नवाचार की ताकत के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो तक पहुंचाने की दिशा में तेजी से प्रगति हो रही है। भारत में कार्यरत 800 से अधिक इतालवी कंपनियां भारत की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज आयोजित बिजनेस फोरम से यह स्पष्ट हुआ है कि दोनों देशों के उद्योग जगत में नया उत्साह, नया विश्वास और नई महत्वाकांक्षा दिखाई दे रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में करीबी सहयोग दोनों देशों के गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। यह सहयोग केवल सेनाओं तक सीमित नहीं है बल्कि दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच भी तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा औद्योगिक रोडमैप ने सह-विकास और सह-उत्पादन की दिशा में नया मार्ग प्रशस्त किया है।

उन्होंने कहा कि समुद्री शक्तियों के रूप में भारत और इटली के बीच कनेक्टिविटी के क्षेत्र में सहयोग स्वाभाविक है। दोनों देश मिलकर शिपिंग, बंदरगाह आधुनिकीकरण, लॉजिस्टिक्स और ब्लू इकॉनमी के क्षेत्रों में काम करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इटली इस बात पर एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए गंभीर खतरा है। आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ दोनों देशों की साझा पहल ने दुनिया के सामने एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोकतंत्र केवल आतंकवाद की निंदा ही नहीं करते बल्कि उसके आर्थिक नेटवर्क को तोड़ने के लिए ठोस कदम भी उठाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यूक्रेन, पश्चिम एशिया और अन्य वैश्विक तनावों को लेकर भारत और इटली लगातार संपर्क में रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि भारत का स्पष्ट मत है कि सभी विवादों और संघर्षों का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही होना चाहिए।

बंगाल के फलता विधानसभा पर पुनर्मतदान की तैयारियां पूरी, 285 बूथों पर वोटिंग आज

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की फलता विधानसभा सीट पर गुरुवार, 21 मई को होने वाले पुनर्मतदान के लिए चुनाव आयोग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में कथित छेड़छाड़ और मतदान प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं के आरोपों के बाद पूरे विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान कराया जा रहा है। आयोग ने इस बार सुरक्षा, निगरानी और प्रशासनिक सतर्कता को लेकर अभूतपूर्व व्यवस्था की है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार फलता विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,36,444 मतदाता हैं। इनमें 1,21,300 पुरुष, 1,15,135 महिला और 9 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा 93 सेवा मतदाता भी हैं। 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 4343 युवा मतदाता पहली बार मतदान करेंगे। क्षेत्र में 85 वर्ष से अधिक आयु के 1445 मतदाता तथा 100 वर्ष से अधिक आयु के 26 मतदाता भी दर्ज हैं। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 2109 है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, पुनर्मतदान के लिए कुल 285 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 261 मुख्य और 24 सहायक मतदान केंद्र शामिल हैं। चुनाव मैदान में कुल 6 उम्मीदवार हैं और सभी पुरुष उम्मीदवार हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस बार प्रत्येक मतदान केंद्र पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के 8 जवान तैनात किए जाएंगे, जो एक पूर्ण सेक्शन के बराबर होंगे। 29 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान प्रत्येक बूथ पर केवल चार जवान तैनात थे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना को खत्म करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को लगभग दोगुना किया गया है।

ऑनलाइन फार्मेसी और कॉरपोरेट नीति के विरोध में दवा दुकानें बंद, राज्यभर में दिखा असर

बिभा संवाददाता

रांची। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स और झारखंड केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन (जेसीडीए) के संयुक्त आह्वान पर बुधवार को राजधानी रांची सहित झारखंड के अधिकांश थोक और खुदरा दवा प्रतिष्ठान बंद रहे। राष्ट्रव्यापी बंद के समर्थन में राज्यभर के दवा दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद रखीं, जिसके कारण लोगों को जरूरत पड़ने पर अस्पतालों की फार्मेसी दुकानों से दवाएं खरीदनी पड़ीं। हालांकि सरकारी और निजी अस्पतालों में संचालित मेडिकल स्टोरों को इस बंद से अलग रखा गया था, ताकि मरीजों को जरूरी दवाओं की उपलब्धता बनी रहे।

झारखंड ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश कार्यालय सचिव संजीव बनर्जी ने बताया कि यह बंद मुख्य रूप से तीन प्रमुख मांगों को लेकर आयोजित किया गया है और झारखंड में इसका व्यापक असर देखने को मिला। उन्होंने कहा कि आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ऑनलाइन फार्मेसी के अनियंत्रित विस्तार तथा कॉरपोरेट कंपनियों की कथित शोषणकारी मूल्य निर्धारण नीति के खिलाफ आवाज उठाना है।

संजीव बनर्जी ने कहा कि कोरोना काल के दौरान केंद्र सरकार के निर्देश पर दवाओं की होम डिलीवरी की व्यवस्था शुरू की गई थी। उस समय परिस्थितियों को देखते हुए केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने सरकार के निर्णय का समर्थन किया था, लेकिन यह व्यवस्था अब भी जारी है और इसके तहत कई तरह की अनियमितताएं सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना पर्याप्त सत्यापन के दवाइयों की बिक्री कर रहे हैं, जिससे एक ही प्रिस्क्रिप्शन का बार-बार उपयोग हो रहा है। इसके अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित फर्जी प्रिस्क्रिप्शन के जरिए एंटीबायोटिक और नशीली दवाओं की उपलब्धता बढ़ रही है, जिससे एंटी माइक्रोबियल रेसिस्टेंस (एएमआर) का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

एसोसिएशन ने बड़े कॉरपोरेट घरानों पर डीप डिस्काउंटिंग के जरिए बाजार का संतुलन बिगाड़ने का भी आरोप लगाया। संजीव बनर्जी ने कहा कि आवश्यक दवाओं की कीमतें पहले से ही सरकार द्वारा नियंत्रित हैं, इसके बावजूद बड़ी कंपनियां अनुचित प्रतिस्पर्धा पैदा कर रही हैं। इसका सबसे अधिक असर छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के दवा विक्रेताओं पर पड़ रहा है, जिनका व्यवसाय संकट में आ गया है।

झारखंड में भीषण गर्मी का कहर : डाल्टनगंज सबसे गर्म, पाकुड़ का मौसम रहा सबसे सुहाना

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची समेत राज्य के अधिकांश हिस्सों में पिछले एक सप्ताह से तेज धूप, गर्म हवाओं और उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे दिन के समय सड़कों पर आवाजाही कम हो गई है और आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य के पलामू, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। इनमें डाल्टनगंज राज्य का सबसे गर्म इलाका रहा, जहां अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। लगातार बढ़ते तापमान और तीखी धूप के कारण लोगों को भारी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

जहां राज्य के अधिकांश जिले भीषण गर्मी से झुलसते रहे, वहीं पाकुड़ जिले का मौसम अपेक्षाकृत सुहाना बना रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान यहां अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच केवल चार डिग्री का अंतर दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे कम रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, पाकुड़ में अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 28.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

राज्य में जहां दिन के समय भीषण गर्मी बनी रही, वहीं कुछ इलाकों में रात के तापमान में अपेक्षाकृत गिरावट दर्ज की गई। रांची के नामकुम क्षेत्र में सबसे कम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इससे रात और सुबह के समय लोगों को कुछ राहत महसूस हुई।

भीषण गर्मी के बीच राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश भी दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों के दौरान पूर्वी सिंहभूम जिले के गुड़ाबांधा क्षेत्र में सबसे अधिक 14.4 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा सरायकेला, रामगढ़ और बहरागोड़ा क्षेत्रों में भी हल्की बारिश हुई। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर बनी मौसमी परिस्थितियों के कारण कुछ इलाकों में हल्की बारिश और बादल छाए रहने की स्थिति बनी हुई है, हालांकि इससे तापमान में व्यापक गिरावट नहीं आई है।

रांची एयरपोर्ट पर अब 10 रुपये में मिलेगा चाय-नाश्ता, केंद्रीय मंत्री ने शुरू की उड़ान कैफे

झारखंड अब भविष्य की भूमि के रूप में पहचान बना रहा है:नायडू

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर बुधवार को यात्री सुविधाओं की शुरूआत हुई। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने यहांभगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा सहित विशेषता दीवार, उड़ान यात्री कैफे, अवसर पटल, बाल मनोरंजन क्षेत्र और पुस्तकालय का उद्घाटन किया। इस मौके पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, नागरिक उड्डयन विभाग के संयुक्त सचिव असंगबा चूबा आओ, रांची महापौर रोशनी खलखो, राज्यसभा सांसद महुआ

माजी और विधायक नवीन जायसवाल उपस्थित रहे।

उड़ान भोजनालय में अब यात्रियों को 10 रुपए में चाय, 20 रुपए में कॉफी और 10 रुपए में स्नैक्स मिलेगा। इसकी शुरूआत एक साल पहले कोलकाता में हुई थी, जिसकी सफलता के बाद देश के अलग- अलग एयरपोर्ट पर इसकी शुरूआत की जा रही है। दुकान से स्वयं सहायता समूहों के कारीगर स्थानीय उत्पादों और सोहराय चित्रकला को बेच सकेंगे, जिसकी मांग यूरोप तक है। चलती पुस्तकालय से यात्री मुफ्त में किताबें लेकर सफर में पढ़ सकते हैं और उसे गंतव्य हवाई अड्डे पर छोड़ सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि झारखंड अब भविष्य की भूमि के रूप में पहचान बना रहा है। पिछले 10 वर्षों में देश में हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी होकर 165 हो गई है। नागरिक उड्डयन विभाग को पहली बार 29 हजार करोड़ रुपये का बजट मिला है। इसके तहत अगले 10 साल में देश में 100 नए हवाई अड्डे और 200 नए हेलीपैड बनाए जाएंगे।

मौके पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची से वाराणसी, गुवाहाटी और रायपुर के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू करने की मांग की। उन्होंने रांची हवाई अड्डे के विस्थापितों को रोजगार देने और उनकी समस्याओं के समाधान पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 से टर्मिनल-2 तक यात्रियों के लिए एक स्वचालित लिफ्ट बनाने की मांग भी केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखी।

रांची हवाई अड्डे को जल्द पूर्ण अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाया जाएगा और इसे देश की सभी राजधानियों से जोड़ा जाएगा। यहां सालाना यात्रियों की संख्या पिछले पांच साल में 17 लाख से बढ़कर 27 लाख हो गई है। इसे देखते हुए विमान खड़े करने के चबूतरों (एप्रन) की संख्या बढ़ेगी और प्रकाश व्यवस्था सुधारी जाएगी। जल्द ही हजारीबाग और चाईबासा में भी हवाई अड्डा सेवा शुरू होगी।

देश संकट में, प्रधानमंत्री विदेश में टॉफी बांटने और रील बनाने में व्यस्त : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली: लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इटली दौरे को लेकर उन पर जमकर निशाना साधा और कहा कि देश आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है, वहीं श्री मोदी विदेश में टॉफी बांटने और रील बनाने में व्यस्त हैं। श्री गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा, आर्थिक तूफान सर पर है, और हमारे प्रधानमंत्री इटली में टॉफी बांट रहे हैं। किसान, युवा, महिलाएँ, मजदूर और छोटे व्यापारी सब रो रहे हैं, प्रधानमंत्री हंसते हुए रील बना रहे हैं तथा भाजपा वाले ताली बजा रहे हैं। यह नेतृत्व नहीं, नौटंकी है।

गौरतलब है कि श्री मोदी अपने पांच देशों के दौरे के अंतिम चरण में रोम पहुंचे हैं, जहां उनकी मुलाकात इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने उन्हें भारतीय कंपनी पारले की 'मेलोडी' चॉकलेट गिफ्ट में दी। मेलोनी ने इस पल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिसे लेकर भारतीय राजनीति में भी प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री ने भी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि रोम पहुंचने के बाद उन्होंने सुश्री मेलोनी के साथ रात्रिभोज किया और ऐतिहासिक कोलोसियम का दौरा किया।

उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच कई वैश्विक एवं द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई तथा भारत-इटली संबंधों को और मजबूत करने पर बातचीत जारी रहेगी।

भ्रष्टाचार के खिलाफ लापुंग में भाजपा का धरना प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

लापुंग: झारखंड प्रदेश भाजपा के निदेर्शानुसार बुधवार को लापुंग प्रखंड मुख्यालय परिसर में भ्रष्टाचार, जनविरोधी नीतियों और प्रशासनिक अनियमितताओं के खिलाफ एक दिवसीय विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा के युवा नेता सन्नी टोप्पो ने किया। धरना में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण शामिल हुए और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं वरिष्ठ भाजपा नेता भानु प्रताप साही ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड में ब्लॉक से लेकर सचिवालय तक भ्रष्टाचार व्याप्त है और बिना सुविधा शुल्क के कोई काम नहीं हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में खनिज संपदा, बालू और जमीन की खुली लूट हो रही है तथा सत्ता संरक्षित बिचौलियों का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि स्थानीय नीति और रोजगार के नाम पर युवाओं को ठगा गया है, जबकि कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है।

भानु प्रताप साही ने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा का दावा करने वाली सरकार आज खुद भ्रष्टाचार के दलदल में डूबी हुई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी राज्य सरकार सही तरीके से जनता तक नहीं पहुंचा पा रही है।

धरना प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सन्नी टोप्पो ने प्रखंड कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार और दलाल संस्कृति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि गरीबों की फाइलें महीनों दबाकर रखी जाती हैं और बिचौलियों के माध्यम से काम कराया जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने अपनी कार्यशैली नहीं बदली तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा।

सभा में किसानों की फसल क्षति का मुआवजा, धान का एमएसपी 3200 करने, अंचल कार्यालयों में भ्रष्टाचार रोकने, भू-माफियाओं पर कार्रवाई, महिलाओं को मइया सम्मान योजना का लाभ, युवाओं को रोजगार तथा बिजली व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई गई। कार्यकर्ताओं ने महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर प्रखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार की जांच की मांग भी की। कार्यक्रम के अंत में लापुंग भाजपा मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार साहु ने सभी कार्यकताओं और ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कई भाजपा नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बीज-बिजली विधेयक, लेबर कोड और मनरेगा खात्मे के विरोध में सड़कों पर उतरेगा राष्ट्रीय संयुक्त किसान मोर्चा

राँची : राष्ट्रीय संयुक्त किसान मोर्चा की आनलाईन बैठक 19 मई देर रात उक्त फैसला किया गया, जिसमें झारखंड सहित देशभर से संयुक्त किसान मोर्चा के नेता उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम की तैयारी के लिए किसान मजदूर की एकता को सामने रखकर व्यापक तैयारियां की जाएगी। ट्रंप के दबाव में रूस व इरान ने पेट्रोलियम एवं गैस नहीं खरीदने पर भारत में व्यापक संकट पैदा हो गया है,साथ ही भारतीय रूपया की सबसे ज्यादा गिरावट,देश भर में नफरत की राजनीति, किसान विरोधी बीज और बिजली विधेयक,4 लेबर कोड,भारत अमेरिका व्यापार समझौता मनरेगा के खात्मे के खिलाफ संयुक्त किसान सड़कों पर उतर कर मोदी सरकार के बिफलता व देश की संप्रभुता की रक्षा व देश की रक्षा के लिए देशव्यापी आंदोलन तेज करेगी।

कांग्रेस पूर्वी मंडल की बैठक में एसआईआर एवं बीएलओ को लेकर बनी रणनीति

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के पूर्वी मंडल की ओर से पंचायत अध्यक्षों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्वी मंडल अध्यक्ष पंचु मिंज ने की। बैठक में मुख्य रूप से एसआईआर एवं बीएलओ के कार्यों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्वी मंडल अध्यक्ष पंचु मिंज ने कहा कि 20 मई से शुरू किए जा रहे ठफ्ह कार्यक्रम को लेकर बेड़ो प्रखंड क्षेत्र के आठ पंचायतों के पंचायत अध्यक्षों के साथ चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रत्येक पंचायत के बूथ स्तर पर बीएलओ का चयन किया गया है। पहले चरण में जिन क्षेत्रों में सर्वे किया गया है, वहां संबंधित कर्मियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया जाएगा।

उन्होंने पंचायत अध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी बीएलओ के साथ मिलकर घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी एकत्र करें, ताकि कोई भी वोटर सूची से वंचित न रहे। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर सभी कार्यकर्ता आम लोगों को सहयोग करने का काम करें।

बैठक में मुख्य रूप से पंचायत समिति पद महासचिव विशु उरांव, बुधराम बाड़ा, रवि तिर्की, पंचायत अध्यक्ष सहबान अंसारी, प्रेम चंद्र, विशेश्वर गोप, संजय कच्छप सहित कई पंचायत अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पंचु मिंज ने बताया कि अगली बैठक 25 मई को आयोजित की जाएगी, जिसमें बीएलओ एवं पंचायत अध्यक्षों के साथ आगे की रणनीति पर चर्चा होगी।

संक्षिप्त खबरें

ग्रामीणों ने रोजगार और स्थानीय भागीदारी को लेकर परियोजना पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

खलारी(बिभा)। झारखंड ग्रामीण संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में अशोका-पिपरवार परियोजना क्षेत्र के ग्रामीणों ने स्थानीय रोजगार और भागीदारी को लेकर जोरदार विरोध जताते हुए परियोजना पदाधिकारी (पीओ) को चेतावनी भरा ज्ञापन सौंपा ।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में संचालित रोड सेल, उत्पाद एवं ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों में स्थानीय लोगों की लगातार उपेक्षा की जा रही है, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है ।ग्रामीणों ने मांग की कि रोड सेल से गांव के लोगों को प्रत्यक्ष लाभ दिया जाए तथा कंपनियों में कम-से-कम 75 प्रतिशत रोजगार स्थानीय ग्रामीणों को सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर 5 अगस्त 2024 और 9 सितंबर 2024 को भी ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई ।ग्रामीणों ने प्रशासन और सीसीएल प्रबंधन को 30 मई 2026 तक कार्रवाई करने का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन और बंद किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी ।मौके पर मोर्चा के अध्यक्ष बालेश्वर गंझु, कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार, नरेश गंझु, अविनाश गांझू, विजय कुमार, मजनू कुमार, विकी भुईयां, करण प्रजापति, सुधीर पासवान, सुनील कुमार, मुकेश कुमार गंझु सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

क्लस्टर सिस्टम के विरोध में अभाविप का उग्र प्रदर्शन, राज्य सरकार का फूंका पुतला

बेड़ो(बिभा): अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) बेड़ो इकाई की ओर से करमचंद भगत महाविद्यालय परिसर में राज्य सरकार द्वारा उच्च शिक्षा में लागू किए जा रहे क्लस्टर सिस्टम के विरोध में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। सैकड़ों छात्र-छात्राओं की मौजूदगी में अभाविप कार्यकताओं ने राज्य सरकार का पुतला दहन करते हुए सरकार विरोधी नारे लगाए और नीति को छात्र विरोधी करार दिया। छात्रों ने कहा कि क्लस्टर सिस्टम लागू होने से विद्यार्थियों को अपनी पसंद के विषय चुनने की स्वतंत्रता नहीं मिलेगी तथा अलग-अलग विषयों की पढ़ाई के लिए विभिन्न कॉलेजों में जाना पड़ेगा, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ने के साथ ग्रामीण छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित होगी। अभाविप नेताओं ने आरोप लगाया कि यह व्यवस्था शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के बजाय छात्रों और शिक्षकों को परेशान करने वाली नीति साबित होगी। परिषद ने सरकार से अविलंब क्लस्टर सिस्टम वापस लेने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर पूरे राज्य में उग्र आंदोलन चलाया जाएगा। कार्यक्रम में सीनेट सदस्य शिवेंद्र सौरभ, आकाश रक्षित, नगर मंत्री विक्रम महतो, हेमंत कुमार, योगेश कुमार, संदेश कुमार, पिंटू कुमार, दिवाकर कुमार महतो, आदित्य कुमार, नीरज साहू, सतीश कुमार, मनीषा कुमारी, रूपाली कुमारी, काजल कुमारी, उन्नति कुमारी, लक्ष्मी कुमारी समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

टावर पर चढ़ युवक ने लगाई फांसी, इलाके में सनसनी

बेड़ो(बिभा): थाना क्षेत्र के कादोजोरा फोरलेन स्थित हाथी अंडरपास पुल के समीप मंगलवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। यहां एक युवक ने बिजली टावर पर चढ़कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। मिली जानकारी के अनुसार मृत युवक की पहचान विनोद उरांव, पिता जटा उरांव,थाना भरनो निवासी गुमला जिला के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक बिजली टावर के ऊपरी हिस्से पर चढ़ गया और वहीं फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तुरंत बेड़ो पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाने की प्रक्रिया शुरू की। काफी मशक्कत के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राँची रिम्स भेज दिया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार युवक का किसी युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद युवक ने यह खौफनाक कदम उठा लिया। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं इस घटना से इलाके में शोक और दहशत का माहौल बना हुआ है।

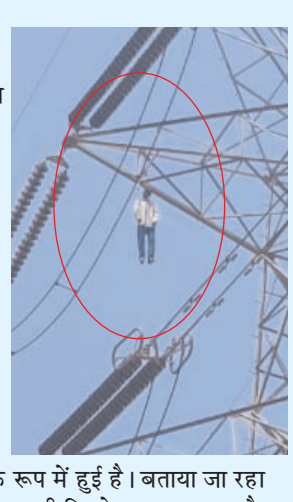

जुगसलाई में कपड़ा दुकान पर फायरिंग मामले का खुलासा, 6 अपराधी गिरफ्तार

बिभास वादद्दाता

जमशेदपुर : जुगसलाई थाना क्षेत्र के नगर परिषद बाजार स्थित यूनिक कलेक्शन कपड़ा दुकान पर रंगदारी नहीं देने पर की गई फायरिंग मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में मनीष सिंह गिरोह से जुड़े छह अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है।

घटना 15 मई को हुई थी, जब पांच अपराधी मैरून रंग की वैगनआर कार से दुकान पर पहुंचे थे। आरोपियों ने व्यवसायी से रंगदारी की मांग की थी और पैसे नहीं देने पर इलाके में अपना वर्चस्व कायम करने के लिए फायरिंग कर दी थी। घटना के बाद जुगसलाई थाना में मामला दर्ज किया गया था और जांच के लिए विशेष टीम बनाई गई थी।

वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान की। इसके बाद 19 मई को अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें अभिषेक श्रीवास्तव उर्फ आर्यन, राहुल सिंह उर्फ बडकू, हरप्रीत सिंह भामराह उर्फ हैप्पी, राहुल सिंह उर्फ गेटलु, अंकित सोनकर और बानेश्वर नामता शामिल हैं।

जांच में सामने आया है कि आरोपी शहर में दहशत फैलाकर व्यवसायियों से रंगदारी वसूलना चाहते थे। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में कई का आपराधिक इतिहास भी रहा है और विभिन्न थानों में इनके खिलाफ पहले से मामले दर्ज हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर में पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर एक संभावित बड़ी आपराधिक घटना को टाल दिया। वरीय पुलिस अधीक्षक को बुधवार देर रात गुप्त सूचना मिली थी कि ओलीडीह ओपी क्षेत्र के लक्ष्मण नगर छठ घाट के पास एक संदिग्ध युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा है और किसी गंभीर वारदात को अंजाम देने की फिराक में है।

सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक पटमदा बचनदेव कुजूर के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लक्ष्मण नगर छठ घाट इलाके की घेराबंदी कर एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान युवक के पास से एक देसी पिस्तौल और तीन जिंदा गोलियां बरामद की गईं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विश्वजीत सिंह उर्फ रॉकी (33 वर्ष) के रूप में हुई है, जो लक्ष्मण नगर सुभाष कॉलोनी डिमना रोड का निवासी है।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने यह हथियार बिहार के बक्सर से 30 हजार रुपये में खरीदा था। वह इस हथियार के सहारे इलाके में अपना दबदबा बनाना चाहता था। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ पहले से एमजीएम थाना में आर्म्स एक्ट और अन्य धाराओं के तहत दो मामले दर्ज हैं। इस मामले में ओलीडीह ओपी थाना में कांड संख्या 117/26 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25 (1-बी)ए/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी किसी गिरोह से जुड़ा है या अकेले इस वारदात की योजना बना रहा ।

22 साल से इंसाफ का इंतजार: रैयत परिवार की जमीन पर चल रही ट्रांसपोर्टिंग, न मुआवजा मिला न नौकरी

विशाल कुमार

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र स्थित राय मौजा में एक रैयत परिवार पिछले 22 वर्षों से मुआवजा और रोजगार की मांग को लेकर दर-दर भटकने को मजबूर है।आरोप है कि वर्ष 2004 से उनकी जमीन पर सीसीएल द्वारा आर सी एम साइडिंग और कोयला ट्रांसपोर्टिंग का कार्य कराया जा रहा है,लेकिन आज तक न तो जमीन का उचित मुआवजा मिला और न ही परिवार के किसी सदस्य को नौकरी।पीड़ित सुरज कुमार ने पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक को दिए आवेदन में बताया कि खाता संख्या 109,प्लॉट संख्या 425, 1054 और 1056 की लगभग 125 डिसमिल जमीन पर वर्तमान में सड़क निर्माण और भारी वाहनों से कोयला ढुलाई का कार्य जारी है।लगातार ट्रकों की आवाजाही से पूरे गांव में धूल

का गुबार फैल रहा है, जिससे ग्रामीणों का जीना मुश्किल हो गया है।ग्रामीणों का कहना है कि धूल प्रदूषण के कारण बच्चों,बुजुर्गों और महिलाओं को सांस एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं।वहीं, सड़क पर दिन-रात दौड़ते भारी वाहन ग्रामीणों के लिए दुर्घटना का खतरा भी बन चुके हैं।पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि सीसीएल प्रबंधन ने कई बार आश्वासन दिया कि जमीन के बदले उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को रोजगार दिया जाएगा,लेकिन दो दशक से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी केवल आश्वासन ही मिला। परिवार अब आर्थिक तंगी से जूझ रहा है और उनके सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

मामले की प्रतिलिपि सीसीएल हेडक्वार्टर दरभंगा हाउस, पिपरवार महाप्रबंधक, परियोजना पदाधिकारी और खलारी थाना को भी भेजी गई है। परिवार ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे ट्रांसपोर्टिंग कार्य ठप करने को बाध्य होंगे,जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित प्रबंधन और प्रशासन की होगी।इधर स्थानीय ग्रामीणों में भी भारी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

जर्जर हालत में आस्था का केंद्र: संकट मोचन हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार की उठी जोरदार मांग

बिभा संवाददाता

खलारी। पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के बचरा बिसुझप्पा कॉलोनी स्थित संकट मोचन भगवान हनुमान मंदिर की बदहाल स्थिति को लेकर अब श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। वर्षों से उपेक्षित पड़े इस मंदिर के जीर्णोद्धार और मरम्मत कार्य को लेकर सत्य सनातन सेवा ट्रस्ट ने पिपरवार के महाप्रबंधक को आवेदन पत्र सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अमित राज पाण्डेय, सचिव छोटन बनर्जी तथा वरिष्ठ सदस्य संजीव कुमार मिश्रा ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर कहा कि यह मंदिर हजारों श्रद्धालुओं की

आस्था का केंद्र है,लेकिन वर्तमान में मंदिर की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है। मंदिर परिसर और संरचना में लगातार गिरावट आने से श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा रहा है। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखने वाले इस मंदिर की अनदेखी क्षेत्र की आस्था के साथ अन्याय है। उन्होंने प्रबंधन से अविलंब मरम्मत कार्य शुरू कराने, मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण कराने तथा श्रद्धालुओं के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। ट्रस्ट के सदस्यों ने स्पष्ट कहा कि यदि जल्द सकारात्मक पहल नहीं की गई तो क्षेत्र के श्रद्धालु और सामाजिक संगठन व्यापक जनसमर्थन के साथ आंदोलन करने को मजबूर होंगे।श्रद्धालुओं ने भी प्रबंधन से अपील करते हुए कहा कि संकट मोचन भगवान हनुमान मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं,बल्कि पूरे क्षेत्र की धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है, इसलिए इसके जीर्णोद्धार को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

टांगरसाई में छऊ नृत्य की धूम, विधायक ने किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका पंचायत अंतर्गत टाँगरसाई गांव में भव्य छऊ नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पोटका विधायक संजीव सरदार ने फीता काटकर एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे। छऊ कलाकारों की पारंपरिक वेशभूषा और आकर्षक प्रस्तुति ने देर रात तक दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि छऊ नृत्य झारखंड की गौरवशाली सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को अपनी परंपरा, संस्कृति और लोक कला से जोड़ने का कार्य करते हैं। विधायक ने कलाकारों एवं आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि हेमंत सरकार राज्य की लोक संस्कृति और पारंपरिक कला के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं से अपनी संस्कृति और विरासत को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सतीश सरदार, आनंद दास, मुनिलाल सरदार, जयसिंह सरदार, हराधन मुंडा, दीपु मंडल, सालखन हांसदा, आलू दास, पोलटू सरदार, लेढा दास, दीपक मुंडा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। ग्रामीणों ने विधायक संजीव सरदार की सांस्कृतिक आयोजनों में सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र की लोक कला एवं परंपराओं को नई पहचान मिल रही है।

एनआईटी जमशेदपुर में संपन्न हुआ आरएएमपीसी शोध और नवाचार पर केंद्रित रहा समापन समारोह

बिभा संवाददाता

आदित्यपुर : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जमशेदपुर में आयोजित आरएएमपीसी 2026 का समापन समारोह 19 मई को गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों, संकाय सदस्यों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। पूरे आयोजन के दौरान अकादमिक ऊर्जा, नवाचार और शोध गतिविधियों को लेकर उत्साह का माहौल बना रहा। समारोह का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान समारोह के साथ हुआ। आयोजन सचिव ने स्वागत भाषण देते हुए आरएएमपीसी 2026 के उद्देश्यों, उपलब्धियों और इसकी अकादमिक उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन शोधार्थियों और विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच और तकनीकी नवाचार के लिए प्रेरित करने वाला महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एनआईटी जमशेदपुर के डॉ. एस. तरफदार ने विद्यार्थियों एवं युवा शोधार्थियों को शोध और नवाचार की दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकी युग में अनुसंधान ही विकास का सबसे बड़ा आधार है और युवाओं को नई चुनौतियों के

समाधान हेतु वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। संस्थान के निदेशक प्रो. गौतम सूत्रधार ने अपने संबोधन में शैक्षणिक उत्कृष्टता, अंतःविषयी अनुसंधान तथा सहयोगात्मक शोध की महत्ता पर बल दिया। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सम्मेलन विद्यार्थियों और शोधार्थियों को वैश्विक स्तर की अकादमिक सोच विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने युवाओं से समाज और राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सीएसआईआर नेशनल मेटालर्जिकल लेबोरेट्री के डॉ. एस. शिवप्रसाद ने वैज्ञानिक अनुसंधान, औद्योगिक विकास और तकनीकी नवाचार से जुड़ी संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में युवा अभियंताओं और शोधार्थियों के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपार अवसर मौजूद हैं। समारोह के दौरान आयोजन समिति के सदस्यों को आरएएमपीसी 2026 के सफल संचालन में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वहीं बीआईट मेसरा के अंकित साहू ने सम्मेलन में अपने अनुभव साझा करते हुए कार्यक्रम की सुव्यवस्थित व्यवस्था, शैक्षणिक माहौल और ज्ञान-विनिमय के अवसरों की सराहना की। अंत में संयोजक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया जिसमें सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके बाद सामूहिक छायाचित्र और हाई-टी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आरएएमपीसी 2026 का यह आयोजन प्रतिभागियों के लिए प्रेरणादायी एवं यादगार अनुभव बनकर संपन्न हुआ।

प्रभावित क्षेत्रों के विकास में खर्च हो सीएसआर फंड : उद्योग मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड का उपयोग उन क्षेत्रों के लोगों के विकास में किया जाना चाहिए, जो कारखाने और खदानों से प्रदूषण, भूमि अधिग्रहण और अन्य कारणों से प्रभावित होते हैं। उन्होंने कंपनियों से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि सीएसआर राशि का सीधा लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। वे बुधवार को रांची के एक स्थानीय होटल में आयोजित सीएसआर कॉनक्लेव-2026 को संबोधित कर रहे थे।

उद्योग मंत्री ने इस मौके पर कहा कि लोगों में यह विश्वास होना चाहिए कि सीएसआर फंड से उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की प्राथमिकता राज्य और यहां के लोगों का विकास है, इसलिए सीएसआर राशि का उपयोग पूरी पारदर्शिता के साथ जनहित में किया जाना चाहिए।

मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि राज्य सरकार और कॉर्पोरेट क्षेत्र मिलकर रोजगार सृजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और कुटीर उद्योगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि फैक्ट्री और खनन प्रभावित क्षेत्रों में विवाह भवन जैसी सुविधाओं का निर्माण सीएसआर फंड से कराया जा सकता है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मदद मिलेगी। उन्होंने कंपनियों से स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सीएसआर राशि खर्च करने की अपील की।

उद्योग मंत्री ने सीएसआर फंड की मॉनिटरिंग की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि सरकार को यह जानकारी होनी चाहिए कि किस क्षेत्र में कितना खर्च किया जा रहा है। इसके लिए जल्द ही मॉनिटरिंग सेल गठित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बड़ी कंपनियां बेहतर कार्य कर रही हैं और छोटी कंपनियों को भी उनका अनुसरण करना चाहिए। राज्य सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और निवेशकों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी।

इस अवसर पर उद्योग सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ सीएसआर विषय पर विस्तृत चर्चा के उद्देश्य से इस कॉनक्लेव का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि सीएसआर राशि का उपयोग स्थानीय जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए, ताकि इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएं।

उद्योग सचिव ने कहा कि इस तरह के आयोजन कंपनियों और स्थानीय लोगों के बीच की दूरी कम करने का कार्य करेंगे। साथ ही, इससे यह समझने में भी मदद मिलेगी कि कौन-कौन सी कंपनियां सीएसआर के दायरे में आती हैं और उन्हें कितनी राशि खर्च करनी है।

उद्योग निदेशक विशाल सागर ने इस मौके पर कहा कि मंत्री के प्रयास से आयोजित यह कॉनक्लेव राज्य में सीएसआर के प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान करने में सहायक होगा। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, मृदा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सीएसआर खर्च बढ़ाने पर जोर दिया।

विशाल सागर ने बताया कि वर्तमान में झारखंड में सीएसआर नियम-2014 के तहत कार्य हो रहा है, जिसमें समय-समय पर संशोधन भी किए गए हैं। इसके बावजूद कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अभी भी पर्याप्त राशि खर्च नहीं हो पा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि जिन कंपनियों की नेटवर्थ 500 करोड़ रुपये, टर्नओवर 1000 करोड़ रुपये या वार्षिक लाभ 5 करोड़ रुपये है, वे सीएसआर के दायरे में आती हैं।

विशाल सागर ने कंपनी एक्ट-2013 के शेड्यूल-7 के तहत सीएसआर गतिविधियों की जानकारी देते हुए स्किल ट्रेनिंग, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण, पारंपरिक कला, खेल प्रोत्साहन, ग्रामीण एवं स्लम विकास जैसे क्षेत्रों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने संथाल परगना सहित झारखंड के सभी क्षेत्रों पर विशेष फोकस करने और आकस्मिक सीएसआर फंड बनाने की जरूरत बताई, ताकि दुर्घटनाओं में घायल लोगों को त्वरित राहत मिल सके।

उद्योग निदेशक ने ब्लड बैंक, एम्बुलेंस और टेस्टिंग इक्विपमेंट्स जैसी सुविधाओं पर भी सीएसआर फंड खर्च करने का सुझाव दिया। विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव दिए। इस पर उद्योग मंत्री ने उद्योग सचिव को सकारात्मक सुझावों को जल्द लागू करने के निर्देश दिए।

राज्य सरकार ने एक साथ 201 डीएसपी का किया तबादला, हटिया डीएसपी बने नीरज

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया गया है। राज्य सरकार ने बुधवार को एक साथ 201 डीएसपी का तबादला किया है। रांची में भी कई महत्वपूर्ण पदों पर नए डीएसपी योगदान देंगे। गृह विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। तबादले की लिस्ट में कई ऐसे डीएसपी हैं, जो लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थापित थे। विभाग ने उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी है।

वहीं, कई पुलिस पदाधिकारी ऐसे भी हैं, जो काफी समय से पोस्टिंग के इंतजार में थे, उन सभी को पोस्टिंग दी गई है। तबादला किये गये अधिकारियों में नीरज कुमार को डीएसपी, हटिया (रांची), दीपक कुमार को डीएसपी, बेड़ो (रांची), मनीष चंद्र लाल को डीएसपी, सिल्ली (रांची), अजय आयर्न को मुख्यालय 2, रांची रामाकांत रजक को ट्रैफिक 1, रांची, ताराश सोरेन को यातायात 2, रांची, प्रदीप कुमार को डीएसपी (साइबर), रांची, प्रकाश सोय को डीएसपी (विधि व्यवस्था), धनबाद, कुमार विनोद को डीएसपी (मु0 1), धनबाद, प्रदीप कुमार साव को डीएसपी, सीसीआर, धनबाद, नाजीर अख्तर को डीएसपी (मु0 2), धनबाद, रोहित कुमार साव को डीएसपी (यातायात), धनबाद, अजित कुमार विमल को एसडीपीओ, बाघमारा, लिलेश्वर महतो को एसडीपीओ, निरसा, प्रकाश चन्द्र महतो को एसडीपीओ, सिंदरी, राजीव रंजन को सिटी डीएसपी, बोकारो, अजय प्रसाद को ट्रैफिक डीएसपी, बोकारो, पवन कुमार को डीएसपी (मु0), बोकारो, राम प्रवेश कुमार को सीसीआर, बोकारो, रविन्द्र कुमार सिंह को एसडीपीओ, बेरमो, दयानन्द कुमार को डीएसपी, पटमदा, संजीव कुमार को डीएसपी (नगर), जमशेदपुर, मनोज कुमार को डीएसपी (मु0 2), जमशेदपुर, सुमित कुमार को डीएसपी (विधि व्यवस्था), जमशेदपुर, विकास आनंद लागुरी को एसडीपीओ, घाटशिला, अनुभव भारद्वाज को एसडीपीओ, सरायकेला, दूसरू बानसिंह को डीएसपी (मु0), सरायकेला शिव प्रकाश कुमार को एसडीपीओ, चांडिल, अमित कुमार को एएसपी (अभियान), हजारीबाग, रूपक कुमार सिंह को एसडीपीओ (सदर), हजारीबाग, अरमानुल हक को सीसीआर, हजारीबाग, ज्ञान रंजन को डीएसपी (मु0 2), हजारीबाग, फैजान अहमद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिष्णुगढ़, राधा प्रेम किशोर को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बरही, सुनील कुमार सिंह डीएसपी, चतरा सहित अन्य का नाम शामिल है।

बढ़ती महंगाई और केंद्र की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का बड़ा धरना

बिभा संवाददाता

रांची : बढ़ती महंगाई और केंद्र की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस ने बुधवार को रांची में बड़ा धरना दिया। इसमें पार्टी के कई दिग्गज नेता शामिल हुए। ये धरना लोकभवन के समीप नागा बाबा खटाल पर दिया गया। कार्यक्रम में सोना कारोबार एवं उससे जुड़े लगभग तीन करोड़ लोगों के रोजगार पर मंडरा रहे संकट, गैस, पेट्रोल एवं डीजल की बढ़ती कीमतों, बच्चों के दूध, ब्रेड तथा दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं के लगातार बढ़ते दामों के खिलाफ कांग्रेसजनों ने चिलचिलाती गर्मी में जोरदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप,तथा विशिष्ट रुप से प्रदेश कांग्रेस महासचिव आलोक कुमार दूबे,राजीव रंजन प्रसाद,लाल किशोर नाथ शाहदेव,अजय नाथ शाहदेव,डॉ राजेश गुप्ता,शशि भूषण राय, डॉ कुमार राजा रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव ने किया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस एवं खाद्य सामग्रियों की लगातार बढ़ती कीमतों के खिलाफ जनता की आवाज बुलंद करने के लिए कांग्रेस पार्टी सड़क पर उतरने को मजबूर हुई है। उन्होंने कहा कि महंगाई से आम जनता की कमर टूट चुकी है।

कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप ने कहा कि चुनाव के समय अच्छे दिनों का सपना दिखाने वाली केंद्र सरकार आज जनता को महंगाई के बोझ तले दबा रही है। किसान परेशान है, मजदूर परेशान है, युवा बेरोजगार हैं और गृहिणियां रसोई चलाने में असमर्थ हो रही हैं। झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह प्रोफेशनल्स कांग्रेस प्रभारी आदित्य विक्रम जयसवाल ने धरना स्थल पर उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सोना और चांदी भारतीय परिवारों की सुरक्षा एवं परंपरा का प्रतीक माना जाता है, लेकिन आज महंगाई इतनी बढ़ गई है कि आम आदमी के लिए घर चलाना भी मुश्किल हो गया है। प्रदेश कांग्रेस महासचिव आलोक कुमार दूबे ने कहा कि यह आंदोलन किसी एक संगठन का नहीं, बल्कि हर उस नागरिक की आवाज है जो महंगाई से पीड़ित है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस एवं आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तत्काल कमी की जाए तथा आम जनता को राहत प्रदान की जाए।

प्रदेश कोर्डिनेटर अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण आम लोगों की बचत समाप्त हो रही है और हर घर का बजट बिगड़ चुका है। उन्होंने कहा कि स्थिति ऐसी हो गई है कि आम आदमी के लिए शादी-विवाह में सोना खरीदना भी मुश्किल हो गया है। धरना कार्यक्रम को राजीव रंजन प्रसाद, ज्योति सिंह मथारू, प्रदेश महासचिव शशि भूषण राय, सुरेन्द्र सिंह, महानगर अध्यक्ष कुमार राजा, दयामनी बारला आदि ने संबोधित किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव राजीव रंजन प्रसाद, उपाध्यक्ष डॉ. राजेश गुप्ता, प्रदीप तुलस्यान, अभिलाष साहू, राजन वर्मा, सुरेन राम, कुमार राजा, सूर्यकांत शुक्ला, अमरेन्द्र सिंह, अख्तर अली, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रमा खलखो, एनएसयूआई अध्यक्ष विनय उरांव, भुनेश ठाकुर, कुलदीप रवि, आशुतोष नाथ पाठक, हिमांशू, अजय जैन, कृष्णा सहाय, राजीव नारायण प्रसाद, रूद्र शुक्ला, सरवर पौल, अरुण चावला एवं कौशल किशोर, प्रशांत गौरव, गौतम उपाध्याय, शिल्पी कुमारी, प्रिया बर्मण, उमेश चौधरी, गौरव आनंद, सुरज झा, गौरव सिंह, आरिफ अंसारी, अजय शर्मा अरूण मिश्रा, सुभाष सिंह, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महंगाई, बेरोजगारी व किसानों के सवालों से बच रही भाजपा, लोकतंत्र में जवाबदेही जरूरी : कांग्रेस

बिभा संवाददाता

रांची : झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस के मिडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा की भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू पहले यह बताएं कि देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की बदहाली और युवाओं के भविष्य पर सवाल पूछे तो उसका जवाब कौन देगा? हर आलोचना को प्रधानमंत्री का अपमान बताकर भाजपा अपनी विफलताओं पर पर्दा नहीं डाल सकती।

राहुल गाँधी लगातार देश के ज्वलंत मुद्दों को उठा रहे हैं, इसलिए भाजपा घबराई हुई है। सच्चाई यह है कि भाजपा ने पिछले वर्षों में लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया, विपक्ष की आवाज दबाई और जनता से जुड़े मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने की राजनीति की।

भाजपा बार-बार प्रधानमंत्री के गरीब परिवार से आने की बात करती है, लेकिन आज गरीब सबसे ज्यादा परेशान है। रसोई गैस महंगी, पेट्रोल-डीजल महंगा, शिक्षा और स्वास्थ्य महंगे हो चुके हैं। करोड़ों युवा नौकरी की तलाश में भटक रहे हैं। अगर सरकार की नीतियों पर सवाल उठेंगे तो भाजपा उसे गाली और अपमान बताकर भावनात्मक राजनीति शुरू कर देती है।

कांग्रेस स्पष्ट कहना चाहती है कि देश किसी व्यक्ति विशेष से नहीं, संविधान और जनता की ताकत से चलता है। लोकतंत्र में प्रधानमंत्री से सवाल पूछना देशद्रोह नहीं, बल्कि जनता के प्रति जिम्मेदारी है। भाजपा को आलोचना सुनने की आदत डालनी चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में जवाबदेही सबसे ऊपर होती है।

संक्षिप्त खबरें

शौण्डिक संघ ने रांची यातायात पुलिस के बीच इन्सुलेटेड पानी की बोतल का किया वितरण

रांची(बिभा) । भीषण गर्मी में काम कर रहे यातायात कर्मियों के प्रति आभार और समर्थन व्यक्त करते हुए, झारखंड प्रदेश शौण्डिक संघ ने बुधवार को रांची के प्रमुख चौराहों पर तैनात यातायात पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को 150 से अधिक इन्सुलेटेड पानी की बोतल वितरित कीं। वितरण अभियान फिरयालाल चौक, शहीद चौक, कचहरी चौक, जेल चौक, लालपुर चौक और प्लाजा चौक सहित शहर के प्रमुख चौराहों पर चलाया गया। इस कार्यक्रम के तहत, संगठन ने फिरयालाल चौक पर एक मिट्टी का घड़ा भी स्थापित किया ताकि गर्मी के मौसम में यातायात पुलिस कर्मियों के साथ-साथ आम जनता को भी ठंडा पीने का पानी उपलब्ध हो सके। संगठन के अध्यक्ष दिनेश प्रसाद साहू ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य भीषण गर्मी में ड्यूटी के दौरान यातायात पुलिस कर्मियों को हाइड्रेटेड रहने में मदद करना है। बढ़ते तापमान के बावजूद यातायात पुलिस अक्सर लंबे समय तक भीड़भाड़ को नियंत्रित करने और वाहनों के सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने में लगे रहते हैं। रांची यातायात पुलिस अधिकारियों और कर्मियों ने इस सराहनीय पहल के लिए आभार व्यक्त किया और जन कल्याण एवं सामुदायिक सहयोग के लिए संगठन के प्रयासों की प्रशंसा की। स्थानीय निवासियों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए इसे शहर की सेवा में प्रतिदिन जुटे अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के प्रयासों को मान्यता देने की दिशा में एक सार्थक योगदान बताया। इस नेक कार्य के दौरान समिति के आयोजक उदय साहू सहित संगठन के अन्य सदस्य कुणाल शाह, उपेंद्र कुमार, कुलेश्वर साहू, मिथिलेश साहू, विद्याधर प्रसाद, अरुणदेव कुमार, निशांत गुप्ता, बीरेंद्र साहू, रमन साहू, सुमन साहू, रूपेश साहू, संजय साहू, आकाश अंकुर मौजूद रहे ।

सीसीएल ने नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर में 165 लोगों की हुई जांच

रांची (बिभा): सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के जन आरोग्य केन्द्र, गांधीनगर द्वारा सामाजिक दायित्व एवं जनस्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए बुधवार को शांति सदन, सिलीदीरी बस्ती, रांची में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर प्रीति सिंह, अध्यक्ष, अर्पिता महिला मंडल एवं डॉ. भरत सिंह, सीएमओ इंचार्ज, गांधीनगर सीसीएल के मार्गदर्शन एवं देखरेख में संपन्न हुआ। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा कुल 165 लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में विशेष रूप से हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर एवं हाइपरटेंशन की निःशुल्क जांच की गई। साथ ही अन्य सामान्य एवं मौसमी बीमारियों का उपचार कर मरीजों के बीच निःशुल्क दवाओं का भी वितरण किया गया। स्वास्थ्य शिविर के सफल आयोजन में डॉ. प्रीति तिग्गा (सीएमओ, सीएसआर इंचार्ज), डॉ. अनिता होरो, डॉ. दीपक सिंह, डॉ. सत्यप्रकाश रंजन, डॉ. शिल्पी झा, डॉ. राहुल, मुन्ना कुमार सिंह, कमलेश पंडित एवं सभी पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। सीसीएल द्वारा आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर को स्थानीय लोगों ने अत्यंत उपयोगी एवं जनहितकारी पहल बताया तथा संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया।

संस्कारों का प्रवाह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में होता है: कुलपति

रांची(बिभा) : डा॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय , राँची के स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा भारतीय दार्शनिक दिवस का आयोजन किया गया, जिसका केंद्रीय विषय था भारतीय मूल्य परम्परा । भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में दर्शन के विभिन्न विद्वानों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये । अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवेश विभागाध्यक्ष डा आभा झा ने किया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. राजीव मनोहर ने अपने संबोधन में धर्म और संस्कार के अन्तर को स्पष्ट करते हुए विस्तृत तौर पर उल्लेख किया कि किस तरह संस्कारों का प्रवाह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में होता है । इसी संदर्भ में उन्होंने प्राचीन भारतीय परंपरा में नारी के गौरवपूर्ण स्थान का स्मरण दिलाते हुए उन्होंने वैदिक कालीन भारतीय विदुषियों मैत्रेयी, गार्गी, अपाला आदि का उल्लेख भी किया । उन्होंने इस प्रकार के कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को अपने पुरातन संस्कार, संस्कृति और विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने की प्रेरणा इस प्रकार के कार्यक्रमों से मिलती है। वेदांत रिसर्च सेंटर के अध्यक्ष एवं न्यूरो सर्जन डॉ. एच पी नारायण ने रामायण और.महाभारत से उदाहरण देते हुए सनातन एवं शाश्वत मूल्यों की चर्चा की ।दर्शनशास्त्र के भूतपूर्व प्रोफेसर देवाशीष गुहा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, ने विभेद बुद्धि, मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संस्कृत के विद्वान डा शैलेश कुमार मिश्र ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मूल्यबोध पर चर्चा करते हुए धर्म, मूल्य की अवधारणा, शंकराचार्य तथा मनुस्मृति के वर्तमान अर्थ पर बल दिया । सरला बिरला वि वि की मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ. नीलिमा पाठक ने गीता व योग में निहित मूल्यों का वर्णन किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत विभागाध्यक्ष एवं कुलसचिव डॉ. धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने किया।

रांची फायरिंग कांड के मुख्य आरोपित सोनू यादव पटना से गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के पंडरा थाना क्षेत्र स्थित तेल मील गली में 19 जनवरी 2026 को हुए चर्चित फायरिंग कांड में रांची पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। आकाश सिंह और विकास सिंह पर गोली चलाने वाले आरोपी सोनू यादव को पुलिस ने बिहार की राजधानी पटना से गिरफ्तार कर लिया है।

सूत्रों के अनुसार, एसएसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रांची पुलिस की विशेष टीम ने पटना के बिहटा इलाके में छापेमारी कर सोनू यादव को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी देवी मंडप रोड का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस उसे पटना से रांची लेकर पहुंच चुकी है, जहां गुप्त स्थान पर रखकर उससे पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि 55 लाख रुपये के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में यह फायरिंग की घटना हुई थी। मामले में पुलिस जल्द प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे घटनाक्रम का खुलासा कर सकती है।

कमल भूषण हत्याकांड में भी सामने आया था नाम

गिरफ्तार सोनू यादव का नाम राजधानी के चर्चित जमीन कारोबारी कमल भूषण हत्याकांड में भी सामने आ चुका है। जांच में खुलासा हुआ था कि हत्या से पहले सोनू यादव ने ही कमल भूषण की रेकी की थी। पूछताछ के दौरान उसने अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए पूरी साजिश और प्लानिंग की जानकारी पुलिस को दी थी। इतना ही नहीं, कमल भूषण के अकाउंटेंट संजय हत्याकांड में भी सोनू यादव की भूमिका सामने आई थी। उस मामले में भी रांची स्त्र्ङ्की ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

रांची नगर निगम की बैठक में शर्मनाक हरकत का आरोप, महिला पार्षद बोलीं, मेरे शरीर का गलत तरीके से वीडियो बनाकर किया वायरल

बिभा संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम की बैठक के दौरान एक गंभीर और शर्मनाक मामला सामने आया है। एक महिला पार्षद ने अपने ही साथी पार्षद पर आपत्तिजनक तरीके से वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कराने का आरोप लगाया है। इस घटना के बाद नगर निगम की राजनीति में हड़कंप मच गया है।

महिला पार्षद ने आरोप लगाया कि सोमवार को स्वच्छता व्यवस्था को लेकर निगम की बैठक चल रही थी। सभी पार्षद अपने-अपने वार्ड की समस्याओं पर बोल रहे थे। इसी दौरान जब वह अपनी बात रखने के लिए खड़ी हुईं, तब पीछे बैठे एक पार्षद ने उनके शरीर को दशार्ते हुए गलत तरीके से वीडियो बना लिया। आरोप है कि बाद में यह वीडियो एक पूर्व पार्षद को भेजा गया और फिर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

महिला पार्षद ने कहा कि मंगलवार सुबह उन्हें इस वायरल वीडियो की जानकारी मिली, जिसके बाद वह बेहद आहत और नाराज हुईं। उन्होंने कहा, हम पार्षदों को अपने परिवार की तरह मानते हैं। मेरे साथ ऐसा होगा, इसकी कभी कल्पना भी नहीं की थी। किसी को यह अधिकार किसने दिया कि वह मेरे शरीर का इस तरह वीडियो बनाए? उन्होंने यह भी कहा कि इस हरकत से बैठक की गोपनीयता भी भंग हुई है। महिला पार्षद ने वार्ड-20 के पार्षद सुनील यादव पर शक जताते हुए कहा कि वही उनके पीछे बैठे थे और संभवतः उन्होंने ही वीडियो बनाकर पूर्व पार्षद उर्मिला देवी को भेजा।

महिला पार्षद ने साफ कहा कि वह बुधवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगी और दोषियों के खिलाफ एफआईआर कराएंगी। उन्होंने कहा कि ऐसी मानसिकता वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

वहीं आरोपों पर वार्ड-20 के पार्षद सुनील यादव ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने कोई वीडियो नहीं बनाया है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता वीडियो किसने बनाया। कुछ लोग सिर्फ चर्चा कर रहे थे कि कोई वीडियो वायरल हुआ है। महिला पार्षद बेवजह मुझ पर आरोप लगा रही हैं।

इधर, रांची की मेयर रौशनी खलखो ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि उन्हें भी इस घटना की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा, जिस तरह के आरोप लगाए गए हैं, वह बेहद शर्मनाक हैं। मामले की निष्पक्ष जांच होगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रांची विवि सिंडिकेट की बैठक में 30 एजेंडों को मिली हरी झंडी, शिक्षा में शोध के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए खुलेगा 'डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन'

बिभा संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय की सिंडिकेट बैठक बुधवार को कुलपति प्रोफेसर सरोज शर्मा की अध्यक्षता में कुलपति सभागार में आयोजित की गई। कुलपति के रूप में प्रो. सरोज शर्मा के कार्यकाल की यह पहली सिंडिकेट बैठक थी, जिसमें विश्वविद्यालय प्रशासन और शैक्षणिक विकास से जुड़े लगभग 30 महत्वपूर्ण एजेंडों पर चर्चा की गई।

बैठक में कॉलेजों में प्रभारी प्राचार्यों की नियुक्ति, वित्त समिति के पूर्व में लिए गए निर्णयों की समीक्षा, शिक्षकों की नियुक्ति एवं प्रोन्नति सहित कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार कर निर्णय लिए गए।

सिंडिकेट ने 22 जुलाई 2025 को आयोजित पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों की संपुष्टि की। इसके साथ ही 16 सितंबर 2025 को सम्पन्न वित्त समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों को भी औपचारिक स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट अनुमोदन और विभिन्न वित्तीय मदों से संबंधित प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई।

बैठक का एक महत्वपूर्ण निर्णय विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन) की स्थापना से जुड़ा रहा। सिंडिकेट ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को प्रभावी ढंग से लागू करना तथा शिक्षा में तकनीकी संसाधनों और आधुनिक उपकरणों के उपयोग को प्रोत्साहित करना है।

इसके अलावा राज्य सरकार के वित्त विभाग द्वारा भेजे गए वित्तीय संकल्प को भी बैठक में मंजूरी दी गई। वहीं, झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की अनुशंसा पर विभिन्न कॉलेजों में कार्यरत सहायक प्राध्यापकों एवं प्राध्यापकों की प्रोन्नति संबंधी प्रस्तावों को भी सिंडिकेट ने स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में कुलपति प्रो. सरोज शर्मा, कुलसचिव, राज्यपाल की ओर से मनोनीत सदस्य तथा विश्वविद्यालय के कई वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : ईएल-20-26, दिनांक 19.05.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस है एवं निम्नलिखित कार्य को पूरा करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** आसनसोल मंडल-एसएसई/इलेक्ट (जी)/आसनसोल के अधीन एक वर्ष (वित्त वर्ष 2026-27) के लिए विविध विद्युत कार्य अनुबंध। **निविदा मूल्य :** रु. 1,00,00,447.50, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **बयाना राशि :** रु. 2,00,000/-, **कार्य के लिए समापन अवधि :** 12 माह। **बंद होने एवं खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 10.06.2026 को 11.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट: www.ireps.gov.in में देखा जा सकता है।

ASN-99/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

दुर्घटना में अनाथ हुए तीन मासूमों से मिले विधायक उमाकांत रजक, हरसंभव सहायता का दिया भरोसा

बिभा संवाददाता

चंदनकियारी (बोकारो): चंदनकियारी प्रखंड के बरमसिया ओपी क्षेत्र अंतर्गत दुबेकाटा के समीप पिछले दिनों हुई हृदयविदारक सड़क दुर्घटना में स्वर्गीय सपन माझी एवं उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय लक्ष्मी देवी के असामयिक निधन के बाद अनाथ हुए उनके तीन मासूम बच्चों से चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक ने उनके पैतृक गांव गोपीनाथपुर पहुंचकर पूरे जिला प्रशासन के साथ मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार का दुःख साझा किया तथा हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए आर्थिक सहायता भी

प्रदान की।

इस अवसर पर विधायक ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत दुःखद, पीड़ादायक एवं मर्मस्पर्शी है। माता-पिता का साया खो देना किसी भी बच्चे के जीवन की सबसे बड़ी क्षति होती है। ऐसे कठिन समय में समाज और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि पीड़ित परिवार को हर स्तर पर सहयोग प्रदान किया जाए।

इसके उपरांत विधायक उमाकांत रजक ने दुर्घटना स्थल का भी निरीक्षण किया, जहां यह दर्दनाक हादसा घटित हुआ था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभाग एवं कार्य एजेंसी को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि जनसुरक्षा से जुड़ी किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्य एजेंसी अपने दायित्वों का गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन सुनिश्चित करे, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

विधायक उमाकांत रजक ने कहा, यह घटना अत्यंत पीड़ादायक और मर्मस्पर्शी है। इन मासूम बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ जाना अपूरणीय क्षति है। इस कठिन समय में हम सभी पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। सरकार की ओर से हरसंभव सहायता एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि बच्चों का भविष्य सुरक्षित और बेहतर बनाया जा सके।

पीड़ित परिवार को तत्काल राहत प्रदान करते हुए विधायक ने अपनी ओर से 10 हजार रुपये की नकद सहायता राशि भी सौंपी। प्रशासन द्वारा अनाथ हुए बच्चों को त्वरित एवं दीर्घकालिक राहत प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।अंत में विधायक ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा, एसपी नाथू सिंह मीणा, उपविकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, चास अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढाडा, जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज, पुलिस उपाधीक्षक चास प्रवीण सिंह, बीडीओ चंदनकियारी अजय बर्मा, सीओ रवि कुमार आनंद, थाना प्रभारी चंदनकियारी अमित कुमार, अमलाबाद ओपी प्रभारी, बरमसिया ओपी प्रभारी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

बोकारो में ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में मेडिकल स्टोर बंद, करोड़ों का कारोबार प्रभावित

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिला केमिस्ट एंड ड्रिजिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर बुधवार को जिले की करीब 980 मेडिकल दुकानें बंद रहीं। यह बंदी ऑनलाइन दवाओं की बिक्री और भारी छूट के विरोध में आयोजित की गई। राज्य संगठन के निर्देश पर हुए इस आंदोलन का असर पूरे जिले में देखने को मिला। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक अधिकांश दवा दुकानें बंद रहीं, जिससे आम लोगों को दवाएं खरीदने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

एसोसिएशन के सचिव सुजीत चौधरी ने कहा कि ऑनलाइन कंपनियां भारी डिस्काउंट देकर पारंपरिक दवा दुकानों के अस्तित्व पर संकट पैदा कर रही हैं। उनका कहना है कि स्थानीय मेडिकल स्टोर नियमों का पालन करते हुए दवाएं बेचते हैं, जबकि कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल के दवाओं की आपूर्ति कर रहे हैं। इससे न केवल छोटे व्यवसायियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि मरीजों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है।

बंदी के कारण बोकारो जिले में प्रतिदिन होने वाले लगभग पांच से सात करोड़ रुपये के दवा कारोबार पर सीधा असर पड़ा। दवा दुकानदारों का कहना है कि यदि ऑनलाइन दवा बिक्री पर नियंत्रण नहीं लगाया गया तो आने वाले समय में छोटे व्यवसाय पूरी तरह प्रभावित हो जाएंगे। उन्होंने सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री के लिए सख्त नियम बनाने और स्थानीय व्यापारियों के हितों की रक्षा करने की मांग की।

हालांकि, आपातकालीन परिस्थितियों को देखते हुए कुछ स्थानों पर आवश्यक दवाओं की सीमित व्यवस्था जारी रखी गई थी। बंदी को जिलेभर के दवा व्यवसायियों का व्यापक समर्थन मिला और व्यापारियों ने इसे अपने अस्तित्व की लड़ाई बताया।

संक्षिप्त खबरें

तुपकाडीह की सतरह दवा दुकानें बंद रहीं

बोकारो(बिभा)। ई फामेर्सी और कारपोरेट घरानों की डीप डिस्काउंट नीति के विरोध का असर बुधवार को तुपकाडीह में भी देखने को मिला। मेन रोड , स्टेशन रोड , नहर चौक व मानगो चौक समेत कुल सतरह दवा दुकाने बंद रही। बंद होने के कारण बीमार चल रहे लोगों को दवा नहीं मिल सकी। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एशोसिएशन के सक्रिय सदस्य मोहम्मद शकील ने बताया कि बड़ी कारपोरेट चेन की मनमानी से छोटे दवा व्यवसाइयों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। ई फामेर्सी प्लेटफार्म बिना पर्याप्त सत्यापन के दवाओं की बिक्री कर रहे हैं। आमजन डाक्टर की सलाह के बिना दवा खरीद रहे हैं , यह अच्छी बात नहीं है।

समर कैंप में रॉयल पब्लिक स्कूल के खिलाड़ी ले रहे प्रशिक्षण

बोकारो(बिभा)। रॉयल पब्लिक स्कूल सेक्टर 4 में एक सप्ताह का समर कोचिंग कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें स्कूल के तीसरी कक्षा से लेकर दसवीं कक्षा तक के त्र-छात्राएं विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण ले रहे हैं। यह जानकारी देते हुए स्कूल की प्राचार्य रूपम गुप्ता ने बताया समर कैंप में हिस्सा लेकर स्कूल के छात्र-छात्राएं विभिन्न खेल का प्रशिक्षण लेकर काफी उत्साहित हैं। समर कैंप के माध्यम से स्कूल के छात्र-छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर विभिन्न खेल का नियम व खेलने की विधि को अच्छी तरह से सीख रहे हैं। समर कैंप के कोच फिरोज अंसारी ने बताया इस समर कैंप में स्कूल के छात्र-छात्राओं को कबड्डी, खो-खो, रग्बी, फुटबॉल व क्रिकेट खेल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके लिए सबसे पहले उन्हें वार्म अप कराकर विभिन्न खेल को खेलने की विधि को बारी बारी से बताया जा रहा है। इसके अतिरिक्त स्कूल के छात्र-छात्राओं को खेल के अलावे आर्टिफिसियल इंटीलिजेंस और रोबोटिक्स के बारे में बताया जा रहा है कि वह किस प्रकार से काम करता है। इस समर कैंप का संचालन मुख्य कोच फिरोज अंसारी के अलावे ट्रेनर सूरज कुमार व मेहक कुमारी की ओर से किया जा रहा है।

मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल दस दिवसीय समर कैंप का आयोजन

बोकारो(बिभा)। मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल , बोकारो में दस दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है. जिसमें कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा छः तक के बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्राचार्य श्री अमर प्रसाद, उप प्राचार्य श्री देव दुलाल मित्रा एवं कक्षा नर्सरी के बच्चों ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर एवं सरस्वती वंदना के साथ किया। इस समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और व्यावहारिक कौशल का विकास करना है. परीक्षा के बाद बच्चों के खाली समय को रचनात्मक गतिविधियों में बदलने के लिए स्कूल प्रबंधन द्वारा यह विशेष पहल की गई है. पेंटिंग आर्ट शिक्षिका कंचन झा के निर्देशन में बच्चों ने किया। वहीं खेलकूद में जूडो , ताइक्वांडो आदि खेल का अभ्यास प्रशिक्षक आयुष कुमार से बच्चों ने सिखा । संगीत में भी बच्चों की काफी रुचि देखी गई। संगीत शिक्षक उमेश कुमार झा एवं सेफाली दुबे के नेतृत्व बच्चों एवं बच्चियों को संगीत की बारीकियां सिखाई गई। प्रशिक्षक सुदर्शन रॉय एवं सुमन कुमारी ने बच्चों को नृत्य के कई गुर सिखाऐ जिसमे झारखण्ड नृत्य , क्लास्सिकल, हॉलीवुड डांस हलि शामिल थे। समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुसार विभिन्न गतिविधियों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, इसमें, , डांस, ताइक्वांडो, जुडो , आर्ट एंड क्राफ्ट, म्यूजिक, अबाकस , इंग्लिश स्पीकिंग जैसी कई रोचक और उपयोगी गतिविधियां शामिल हैं. इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को न केवल नई चीजें सीखने का अवसर मिल रहा है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और टीमवर्क की भावना भी विकसित हो रही है. इस समर कैंप की खास बात यह रही कि बच्चों को पारंपरिक कला से जोड़ने के लिए बच्चों ने बड़े उत्साह का परिचित कराया.

बोकारो के सभी डीएसपी बदले: सिटी, ट्रैफिक, चास, सीसीआर का तबादला, नए पदस्थापित

कोषागार घोटाला के बाद आईजी से लेकर डीएसपी स्तर सके सभी पदाधिकारियों की हुई तबादला

बिभा संवाददाता

बोकारो। झारखंड सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बड़ा कदम उठाते हुए डीएसपी रैंक के 201 अधिकारियों का तबादला किया है। इस व्यापक फेरबदल में कई जिलों के पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, वहीं बोकारो जिले में भी कई अहम बदलाव किए गए हैं।

सरकारी आदेश के अनुसार बोकारो में पदस्थ रहे सिटी डीएसपी आलोक रंजन को रामगढ़ स्थानांतरित किया गया है। ट्रैफिक डीएसपी विद्या शंकर को विशेष शाखा में भेजा गया है। इसी तरह मुख्यालय डीएसपी अनिमेष कुमार गुप्ता का स्थानांतरण अतिरिक्त अनुसंधान विभाग में किया गया है। सीसीआर डीएसपी शकील आबिद शम्स को झारखंड आर्ड पुलिस-6, लस्लिगंज में नई जिम्मेदारी दी गई है। चास डीएसपी प्रवीण कुमार सिंह को झारखंड आई पुलिस-7, हजारीबाग स्थानांतरित किया गया है। कोषागार घोटाला के बाद आई जी से लेकर डीएसपी स्तर के सभी पदाधिकारियों की हुई तबादला हो गई है। अभी कुछ दिन पहले ही जिले में नए आई जी, डी आई जी और एस पी की पदस्थापना की गई है।

नए आदेश में बोकारो जिले को कई नए डीएसपी भी मिले हैं। बेरमो डीएसपी के रूप में रविंद्र कुमार सिंह की तैनाती की गई है। पवन कुमार को मुख्यालय डीएसपी, राजीव रंजन को सिटी डीएसपी और अजय प्रसाद को ट्रैफिक डीएसपी बनाया गया है। सीसीआर डीएसपी की जिम्मेदारी रामप्रवेश सिंह को दी गई है। वहीं जैप-4 में बैजू ओरांव, एसआईएसएफ में श्यामा नंदन मंडल और विरेंद्र टोप्पो को बोकारो में तैनात किया गया है। सरकारी स्तर पर कहा गया है कि इस बड़े पैमाने पर हुए तबादले का उद्देश्य कानून-व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। इससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली में गति आने और जनता को बेहतर सेवाएं मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

बच्ची 10 दिन बाद धनबाद से सकुशल बरामद, परिजनों ने ली राहत

बिभा संवाददाता

चन्द्रपुरा (बोकारो): जिले के चन्द्रपुरा थाना क्षेत्र से 7 मई को लापता हुई 10 वर्षीय बच्ची को पुलिस ने 17 मई को धनबाद के मनईटांड़ इलाके से सकुशल बरामद कर लिया। बच्ची के बरामद होने के बाद परिजन सुख-शांती की सांस ले सके, जबकि पुलिस पूरे मामले की सतत जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार बच्ची 7 मई की दोपहर करीब 1:30 बजे कहा कि वह आम चुनने जा रही है और घर से निकली थी, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद 8 मई को चन्द्रपुरा थाना में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। मामले में धारा 137 (2) बीएनएस के तहत कांड संख्या 52/2026 दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, बोकारो के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। जांच दल ने स्थानीय तथा पड़ोसी इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। 17 मई को मनईटांड़ इलाके से सूचना मिली कि गुमशुदा बच्ची जैसी दिखने वाली एक बच्ची धनबाद के एक शिव मंदिर के पास देखी गई है। सूचना पर एसआईटी की टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस के मुताबिक बच्ची के बरामद होते ही उन्हें बड़ी राहत मिली।

गोमिया के प्रवासी मजदूर राजू गंझू की बंगलोर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, घर में मातम

बिभा संवाददाता

गोमिया (बोकारो): गोमिया प्रखंड क्षेत्र के सिंगली टोला निवासी प्रवासी मजदूर राजू गंझू (45) की बंगलोर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर से परिवार और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक राजू बंगलोर के मैसूर इलाके में बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन का कार्यकर्ता था और वह परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य बताया जा रहा है।

परिजनों ने बताया कि राजू करीब ढाई माह पहले कमाई के लिए घर से गया था। पांच दिन पहले काम के दौरान उसके पैर में गंभीर चोट लगी थी। मंगलवार को राजू ने पत्नी मनी देवी से फोन पर बातचीत में बताया कि उसके पैर का ऑपरेशन होना है। कुछ ही घंटों के भीतर परिवार के पास अचानक मौत की सूचना पहुंची, जिसने घर में कोहराम मचा दिया।

मृतक की मां अकली देवी, पत्नी मनी देवी तथा 5 वर्षीय बेटी रानी कुमारी सहित पूरा परिवार हादसे के बाद गहरे सदमे में है। छोटे भाई बैजनाथ गंझू ने बताया कि अभी घर के दो अन्य बड़े बेटे–किसुन गंझू और हेमंत गंझू–भी मजदूरी के लिए बाहर हैं; किसुन बंगलोर के गुगी इलाके में और हेमंत आंध्रप्रदेश में काम कर रहे हैं। दोनों भाइयों को घटना की सूचना मिलते ही वे शोक में डूब गए हैं।

परिजन शव के जल्द घर लाने और आर्थिक सहायता की मांग कर रहे हैं। बैजनाथ और मनी देवी ने राज्य सरकार व स्थानीय प्रशासन से अपील की है कि मृतक का शव तुरंत परिजन को सौंपा जाए और परिवार को आर्थिक एवं कानूनी मदद उपलब्ध कराई जाए ताकि अंतिम संस्कार और परिवार की आजीविका का प्रबंध हो सके।

घटना के बाद गोमिया प्रखंड के ग्रामीणों में भी रोष और चिंता व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि रोजगार की कमी के चलते बड़ी संख्या में लोग दूसरे राज्यों में मजदूरी करने जाते हैं, मगर बार-बार प्रवासी मजदूरों की मौत की घटनाएँ चिंता का विषय बन रही हैं। उन्होंने सरकार से प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा और वापसी में सहायता सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

डीपीएस बोकारो की प्राइमरी इकाई में नवगठित छात्र परिषद का अलंकरण

बाल नेतृत्वकर्ताओं ने ली 'स्वयं से पहले सेवा' की शपथ, प्राचार्य ने दिया 'रोल मॉडल' बनने का मंत्र

बिभा संवाददाता

बोकारो: विद्यार्थियों में उत्तरदायित्व की भावना का संचार करने, उनमें सांगठनिक क्षमता विकसित करने और बाल्यावस्था से ही कुशल नेतृत्व-कौशल की नींव मजबूत करने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो की प्राइमरी इकाई में बुधवार को अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए गठित नई छात्र परिषद के लिए आयोजित इस समारोह में विद्यालय के छात्र-छात्राओं को पूरे मान-सम्मान के साथ नेतृत्व की कमान सौंपी गई। छात्र पदाधिकारियों व परिषद सदस्यों को विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने आधिकारिक बैज और सैश प्रदान कर जिम्मेदारी सौंपी। उन्हें शुभकामनाएं देते हुए प्राचार्य ने

निष्पक्षता और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विश्वास, त्याग और समर्पण ही जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने छात्र परिषद को अपने साथियों के लिए एक अनुकरणीय रोल मॉडल बनने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि डीपीएस बोकारो बच्चों में न केवल अकादमिक श्रेष्ठता, बल्कि नैतिक मूल्य और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए भी सदैव तत्पर है।

बैज ग्रहण करने के बाद नवनिर्वाचित छात्र परिषद ने विद्यालय के आदर्श वाक्य सर्विस बिफोर सेल्फ यानी स्वयं से पहले सेवा को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा पूर्ण सत्यनिष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने की सामूहिक शपथ ली।

अलंकरण समारोह के इस कार्यक्रम को विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने और अलंकृत कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत सुरीले स्वागत गीत और स्कूल गीत से हुई, जिसके बाद छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत शास्त्रीय कत्थक नृत्य की मनमोहक छटा ने समां बांध दिया। समारोह का समापन सामूहिक राष्ट्रगान से हुआ।

तीन दिवसीय 'नानी बाई का मायरा' कथा प्रसंग भक्ति, श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'नानी बाई का मायरा' कथा प्रसंग का आज अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भावुक कर देने वाले क्षणों के साथ समापन हो गया। कथा के अंतिम दिन मुख्य व्यासपीठ पर विराजमान परम पूज्य महाराज मुकुंद शास्त्री ने अपनी अमृतमयी वाणी से कथा का रसपान कराते हुए भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। उन्होंने आज के प्रसंग में विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि जब भक्त नरसी मेहता ने अत्यंत विवशता और निश्छल भाव से संकट की घड़ी में अपने आराध्य को पुकारा, तो उनकी करुण पुकार सुनकर संपूर्ण ब्रह्मांड के स्वामी भगवान श्री कृष्ण स्वयं को रोक नहीं पाए। प्रभु अपनी परम शक्तियों और अर्धांगिनी मां राधा जी तथा रुक्मिणी जी के साथ साक्षात रूप में प्रकट हुए और उन्होंने स्वयं भाई का कर्तव्य

निभाते हुए नानी बाई का मायरा भरा। महाराज श्री ने इस प्रसंग को इतना मार्मिक और जीवंत रूप में प्रस्तुत किया कि पंडाल में उपस्थित हर एक श्रद्धालु की आंखें छलक आईं और पूरा माहौल भक्ति के अनूठे रस में डूब गया। यह प्रसंग इस बात का साक्षात प्रमाण है कि जब एक भक्त सच्चे दिल से भगवान को याद करता है, तो ईश्वर संसार के सारे नियम भूलकर अपने भक्त की लाज बचाने खुद दौड़े चले आते हैं।

कथा के इस पावन विश्राम दिवस पर संपूर्ण पंडाल में भक्तों का उत्साह, उमंग और आनंद अपने चरम पर था। इस आलौकिक आयोजन में मायरा भरने का सौभाग्य सौभाग्यशाली संतोष केडिया पूरे परिवार को प्राप्त हुआ, जिन्होंने पूरे विधि-विधान और अपार श्रद्धा के साथ इस रस्म को पूरा किया। वहीं, कथा के दौरान होने वाले पारंपरिक और विशेष बत्तीसी के कार्यक्रम को नीलम हेलीवाल ने बेहद सुचारू और भक्तिमय तरीके से निभाया। तीन दिनों तक चले इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान को पूर्णतः सफल और ऐतिहासिक बनाने में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति की सभी कर्मठ महिला सदस्यों का अटूट और भरपूर सहयोग मिला, जिन्होंने दिन-रात एक करके व्यवस्थाओं को संभाला। इसके साथ ही, मारवाड़ी पंचायत के सम्मानीय अध्यक्ष अशोक जगनानी और विकास अग्रवाल जैसे समाज के प्रबुद्ध जनों का भी इस आयोजन को संपन्न कराने में विशेष मार्गदर्शन और अमूल्य सहयोग प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम को भव्यता देने और सुचारू रूप से संचालित करने में समिति की अध्यक्ष माया अग्रवाल, सचिव सुधा पिपुरिया, संयोजिका संतोष केडिया, कोषाध्यक्ष उमा मानकसिया तथा सह-कोषाध्यक्ष रीमा अग्रवाल ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं पूरे आयोजन की पल-पल की जानकारी और इसकी दिव्यता को जन-जन तक पहुँचाने की जिम्मेदारी मीडिया प्रभारी विनीता खंडेलवाल और काजल भालोटिया ने बेहद कुशलता के साथ संभाली।

केन्द्रीय कमिटी की बैठक में अधिकारियों के प्रमोशन में भेद भाव का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया गया

बिभा संवाददाता

बोकारो। दुगार्पुर स्टील प्लांट के एचआरडी हाल में सेल एससी-एसटी इम्प्लाईज फेडरेशन, केन्द्रीय कमिटी की बैठक सेल कॉर्पोरेट ऑफिस के साथ हुई कफेडरेशन के तरफ से बैठक का अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष गोरंगों मण्डल ने किया एवं बोकारो स्टील प्लांट का प्रतिनिधित्व बोकारो यूनिट अध्यक्ष सह केन्द्रीय कमिटी सदस्य शम्भु कुमार और केन्द्रीय कमिटी उपधायक्ष करतार सामंत ने किया। यह मुद्दा जोरदार तरीके से सेल प्रबंधन के समक्ष रखा गया कि पहले तो एससी एवं एसटी अधिकारियों का ग्रेड खराब कर दिया जाता है और जब प्रमोशन का समय आता है तो इसी खराब ग्रेडिंग का हवाला देकर उनका प्रमोशन रोक दिया जाता है जिसके कारण वह अपने ही सहकर्मी से पीछे हो जाते है। प्रबंधन ने इसे नकारते हुए कहा कि सेल में किसी के साथ भेद भाव नहीं होता है और अगर किसी के साथ अगर ऐसा हुआ है तो उसे सामने लाये, प्रबंधन इस पर कार्यवाही करेगी। साथ ही सेल में भारत रत्न बाबा सहाब भीम राव अम्बेडकर के नाम पुरस्कार देने की मांग और अम्बेडकर भवन हेतु बंद पड़े हुए विद्यालय को फेडरेशन के नाम पर आबंटित करने को कहा गया। सेल के सभी यूनिट में आरक्षण नीति पर कार्यशाला, केन्द्रीय कमिटी की कॉर्पोरेट ऑफिस के साथ हर वर्ष दो बैठक, बी आर अंबेडकर का संग्रहालय, एससी एवं एसटी कर्मचारीयों को लाइसेंस पर आबंटित आवास का राशि आधा करने सहित सेल के एससी एवं एसटी अधिकारी और कर्मचारी संबधित 17 मुद्दों पर केन्द्रीय कमिटी ने सेल प्रबंधन पर चर्चा किया।

उपायुक्त ने की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

बिभा संवाददाता

लातेहारः उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त ने विशेष रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की स्थिति, संस्थागत प्रसव, एएनसी (गर्भावस्था पूर्व जांच) की प्रगति, एनसीडी (असंक्रामक रोग) स्क्रीनिंग, पेंटा-1 कवरेज, पेंटा-3 कवरेज, ओपीवी-1, एमटीसी (माल्न्यूट्रिशन ट्रीटमेंट सेंटर) केंद्रों की कार्यप्रणाली तथा सभी स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर एएनसी पंजीकरण, आवश्यक जांच एवं नियमित फॉलो-अप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के प्रति सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी तथा कार्यप्रणाली में शीघ्र सुधार लाने का निर्देश दिया।
साथ ही एमटीसी केंद्रों में कुपोषित बच्चों के समुचित उपचार एवं देखभाल पर विशेष ध्यान देने को कहा।
उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हेतु सभी स्वास्थ्य संस्थानों में नियमित मॉनिटरिंग एवं फील्ड विजिट सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी ,डीपीएम, एमओआईसी, अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

डीएमएफटी के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

लातेहारः उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में नीति आयोग अंतर्गत आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत संचालित योजनाओं , डीएमएफटी की राशि से जिले में किये जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वप्रथम नीति आयोग अंतर्गत संचालित आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के सूचकांक प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जिले के विकास से संबंधित निर्धारित विभिन्न प्रक्षेत्र में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि-जल संसाधन, कौशल विकास के तहत जिला एवं प्रखंड में हुए कार्य प्रगति की बिदुवार समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि नीति आयोग के द्वारा जो निर्धारित मानक है उसे पूरा करना सुनिश्चित करें। बैठक में उपायुक्त ने डीएमएफटी के माध्यम से संचालित विकास योजनाओं के भौतिक एवं वित्तीय स्थिति की जानकारी से अवगत कराया गया। समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने कार्य की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि प्राक्कलन के अनुरूप गुणवत्तायुक्त कार्य कराना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने डीएमएफटी की राशि से किये जा रहे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर सभी संचालित योजनाओं को तय समयवधि के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, सिविल सर्जन डॉ राज मोहन खलखो, प्रभारी पदाधिकारी, डीएमएफटी मेरी मड़की, जिला योजना पदाधिकारी समीर कुल्लू, संबंधित विभाग के कार्यपालक अभियंता, सबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में हजारीबाग के 700 मेडिकल दुकानें रहीं बंद

बिभा संवाददाता

हजारीबागः ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) द्वारा आहूत देशव्यापी केमिस्ट्स बंदी का हजारीबाग जिले में व्यापक असर देखने को मिला। बंदी के समर्थन में जिले की लगभग 700 मेडिकल दुकानें पूरी तरह बंद रहीं, जिससे यह आंदोलन हजारीबाग में पूर्णतः सफल माना गया।यह बंदी ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने, कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा दी जा रही भारी छूट को बंद कराने तथा नकली दवाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर आयोजित की गई थी। केमिस्ट्स का कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री और बड़े कॉर्पोरेट घरानों की आक्रामक डिस्काउंट नीति से छोटे मेडिकल व्यवसायियों का अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है, वहीं मरीजों की सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है।राष्ट्रीय स्तर पर इस आंदोलन का नेतृत्व एआईओसीडी के अध्यक्ष जे. एस. शिंदे एवं महासचिव राजीव सिंघल कर रहे हैं। वहीं झारखंड में इस आंदोलन को झारखंड केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश श्रीवास्तव और महासचिव सुभाष मंडल का समर्थन प्राप्त रहा।हजारीबाग में बंदी को सफल बनाने में हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन की अहम भूमिका रही। संगठन के अध्यक्ष दिलीप कुमार, उपाध्यक्ष मोहित कुमार, महासचिव लक्ष्मी कान्त गुप्ता, संयुक्त सचिव सुनील कुमार सुमन, संगठन सचिव अजीत कुमार सिन्हा तथा कोषाध्यक्ष सुरज खंडेलवाल ने सक्रिय रूप से आंदोलन का नेतृत्व किया और जिलेभर के मेडिकल दुकानदारों से बंदी को सफल बनाने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने आज पलाश मार्ट पहुंचकर झारखंड की मातृशक्ति द्वारा निर्मित स्थानीय उत्पादों की खरीदारी की

हजारीबाग(बिभा): विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि पलाश मार्ट में हमारी मातृशक्ति द्वारा प्रेम, परिश्रम और आत्मनिर्भरता की भावना से निर्मित उत्पादों की बिक्री होती है। जब भी वे पलाश मार्ट के पास से गुजरते हैं, उनके कदम स्वतः ही रुक जाते हैं और मन स्थानीय उत्पादों की खरीदारी के लिए प्रेरित हो उठता है। उन्होंने कहा कि इन उत्पादों को हाथ में लेते ही उनमें महिलाओं की मेहनत, उनके सपनों की चमक और हमारी मिट्टी की सोंधी खुशबू महसूस होती है। हर वस्तु अपने भीतर संघर्ष, आत्मविश्वास और स्वाभिमान की कहानी समेटे हुए है। यह केवल सामान नहीं, बल्कि हमारे गाँवों की आशा, हुनर और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया वोकल फॉर लोकल का मंत्र केवल एक अभियान नहीं, बल्कि देश को आत्मनिर्भर बनाने का जन-आंदोलन है। स्थानीय उत्पादों की खरीदारी करने से हम किसी बहन के सपनों को सहारा देते हैं, परिवारों के भविष्य को मजबूत करते हैं और राज्य व देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं।उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि अधिक से अधिक स्थानीय एवं स्वदेशी उत्पादों को अपनाएँ, खरीदें और उनका प्रचार-प्रसार करें, ताकि झारखंड की मेहनती बहनों के प्रयासों को सम्मान मिल सके और उनके उत्पाद हर घर तक पहुँच सकें।

हजारीबाग यूथ विंग का सराहनीय पहल, 2000 सेनेटरी पैड वितरण अभियान चलाया जाएगा

हजारीबाग(बिभा): महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर हजारीबाग यूथ विंग द्वारा एक विशेष जागरूकता एवं सेवा अभियान आयोजित किया जा रहा है। अभियान के तहत 2000 सेनेटरी पैड वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, ताकि जरूरतमंद महिलाओं एवं छात्राओं तक स्वच्छता संबंधी आवश्यक सामग्री पहुंचाई जा सके।कार्यक्रम के माध्यम से मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ-साथ महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी जाएगी। हजारीबाग यूथ विंग के सदस्यों ने बताया कि आज भी कई ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्रों में महिलाओं को सेनेटरी पैड जैसी जरूरी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। इसी उद्देश्य से यह सामाजिक पहल शुरू की गई है।

उपायुक्त ने मनिका प्रखंड क्षेत्र का किया निरीक्षण, विकास कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

लातेहार(बिभा): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार के द्वारा आज मनिका प्रखंड का निरीक्षण कर विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने मनिका डिग्री कॉलेज के समीप निमार्णाधीन फोर लेन सड़क परियोजना की जानकारी संबंधित अधिकारियों एवं कार्य एजेंसी से प्राप्त की। उन्होंने कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं निर्धारित समय सीमा के अनुरूप कार्य संपादन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इसके पश्चात उपायुक्त ने मनिका प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, अभिलेख संधारण एवं आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मियों को जनहित से जुड़े कार्यों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण क्रम में उपायुक्त ने निमार्णाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मनिका का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए कार्य एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण एवं ससमय कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण नहीं होने पर संबंधित एजेंसी एवं जिम्मेदार पदाधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।इसके अलावा उपायुक्त ने मनिका प्रखंड अंतर्गत ग्राम पटना स्थित मलय पुल के जीर्णोद्धार कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पुल निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने एवं कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिल सके। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद,गोपनीय पदाधिकारी श्रेयांस,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चन्दन,प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, संबंधित विभागों के पदाधिकारी, अभियंता एवं कार्य एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संजय सिंह स्टेडियम में एचडीसीए की विशेष प्रेस वार्ता, संगठन के इतिहास से लेकर विवादों तक हर मुद्दे पर खुलकर रखी गई बात

संजय सिंह का योगदान हजारीबाग क्रिकेट में कभी भुलाया नहीं जा सकता : मनीष जायसवाल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के संजय सिंह क्रिकेट मैदान में हजारीबाग जिला क्रिकेट एसोसिएशन (एचडीसीए) द्वारा एक विशेष प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस प्रेस वार्ता में चेयरमैन मनीष जायसवाल, कार्यकारी अध्यक्ष, सचिव बंटी तिवारी सहित संगठन के कई पदाधिकारी एवं सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता के दौरान एचडीसीए ने अपने गठन, क्रिकेट गतिविधियों, मैदान के विकास, वित्तीय पारदर्शिता, खिलाड़ियों की उपलब्धियों तथा हाल के विवादों को लेकर विस्तारपूर्वक अपनी बात पत्रकारों के समक्ष रखी। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए चेयरमैन मनीष जायसवाल ने बताया कि एचडीसीए का गठन एचएए से अलग होकर वर्ष 1986 में हुआ था। इसके बाद संगठन में कई अनुभवी लोगों ने अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। इनमें रणधीर वर्मा, ब्रज किशोर जायसवाल, प्रोफेसर आर एस सिन्हा, आरके मलिक, प्रवीण कुमार सिंह, मनोज कौशिक, अखिलेश झा, भीमसेन टूटी और मनीष जायसवाल शामिल रहे। वर्तमान समय में राजीव सिंह अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।
मनीष जायसवाल ने कहा कि संगठन प्रत्येक वर्ष जुलाई से अगस्त के बीच वार्षिक आमसभा आयोजित करता है, जिसमें संगठन अपने आय-व्यय और क्रिकेट गतिविधियों का पूरा ब्यौरा सभी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करता है। उन्होंने बताया कि पहले प्रत्येक दो वर्ष में कमेटी का गठन किया जाता था, लेकिन सत्र 2024-25 की एजीएम में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि अब जेएससीए की तर्ज पर प्रत्येक तीन वर्ष में नई कमेटी का गठन होगा। उन्होंने कहा कि आय-व्यय का पूरा ब्यौरा वार्षिक आमसभा में रखने से पहले चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा ऑडिट कराया जाता है और उसके बाद ही इसे पारित किया जाता है। प्रेस वार्ता में सचिव बंटी तिवारी ने राज्य टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों के नाम भी साझा करते हुए कहा कि इनमें अमित कुमार यादव, सचिन कुमार यादव, जीवन पटेल, पंकज कुमार, शिवांश, राहुल रजक, मणिकांत, वर्षा कुमारी, रितिका कुमारी, अर्चना कुमारी और श्रेया साहा शामिल हैं।
मनीष जायसवाल ने भावुक होते हुए कहा कि हजारीबाग क्रिकेट के लिए संजय सिंह का नाम सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि संजय सिंह अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उन्हें हमेशा सबसे पहले याद और सम्मान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग क्रिकेट में संजय सिंह का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। मैदान दिलाने से लेकर ग्राउंड तैयार कराने और क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने तक उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनके योगदान को सम्मान देने के लिए वार्षिक बैठक में सर्वसम्मति से वेल्स क्रिकेट स्टेडियम का नाम बदलकर संजय सिंह स्टेडियम करने का निर्णय लिया गया, जिसके बाद से यह मैदान संजय सिंह स्टेडियम के नाम से जाना जाता है।प्रेस वार्ता के दौरान एचडीसीए ने झारखंड राज्य क्रिकेट संघ टूर्नामेंट में अपनी सहभागिता की जानकारी भी दी।

14 जून को जिला स्तरीय मेगा रक्तदान शिविर का होगा आयोजन

बिभा संवाददाता

हजारीबागः विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर आगामी 14 जून 2026 को सदर अस्पताल परिसर, हजारीबाग में जिला स्तरीय मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के सफल आयोजन को लेकर आज अनुमंडल पदाधिकारी सदर श्री आदित्य पांडेय की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।
बैठक में ब्लड बैंक के सदस्य, यूथ विंग (एनजीओ) के प्रतिनिधि श्री रितेश खंडेलवाल, रेड क्रॉस सोसाइटी के श्री तनवीर सिंह सहित अन्य संबंधित स्टेकहोल्डर्स उपस्थित रहे। इस दौरान शिविर के सफल एवं व्यापक आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।
बैठक में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने, युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करने तथा शिविर में आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही जिले में रक्तदान की स्वस्थ परंपरा को निरंतर बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया गया। एसडीओ सदर ने कहा कि रक्तदान एक महान मानवीय कार्य है, जिससे जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं आम नागरिकों से इस पुनीत कार्य में सक्रिय सहयोग करने की अपील की।
बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि शिविर के प्रचार-प्रसार के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग रक्तदान शिविर में भाग लेकर मानवता की सेवा में अपनी सहभागिता निभा सकें।

हजारीबाग में देह व्यापार का भंडाफोड़, होटल यमुना पैलेस में पुलिस की छापेमारी, होटल मालिक समेत चार गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

हजारीबागः कोर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंदुर चौक स्थित होटल यमुना पैलेस में अवैध देह व्यापार संचालित किए जाने की गुप्त सूचना पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए होटल मालिक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से तीन युवक एवं दो युवतियों को बरामद किया, वहीं होटल के कमरों से आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार 19 मई 2026 को करीब दोपहर 2 बजे पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि होटल यमुना पैलेस में होटल संचालक एवं दलालों की मिलीभगत से विभिन्न क्षेत्रों से युवतियों को बुलाकर अवैध देह व्यापार कराया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार अपर पुलिस अधीक्षक सह पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।
गठित टीम द्वारा होटल में विधिवत छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान होटल से तीन युवक और दो युवतियों को बरामद किया गया।पुलिस ने होटल के कमरों से आपत्तिजनक जनक सामग्री, छह मोबाइल फोन तथा एक ब्लू कलर का आगंतुक रजिस्टर भी जब्त किया।इस मामले में पुलिस ने होटल मालिक रामेश्वर प्रसाद सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में धमेन्द्र चौधरी, सोनू कुमार एवं आसिफ अजहर शामिल हैं। सभी के खिलाफ कोर्रा थाना कांड संख्या 82/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता एवं अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। छापेमारी टीम में अपर पुलिस अधीक्षक सह पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), पुलिस निरीक्षक विद्यावती ओहदार, पुलिस निरीक्षक नन्दकिशोर साह, कोर्रा थाना प्रभारी नेमधारी रजक सहित महिला थाना एवं कोर्रा थाना के कई पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि कहीं इस प्रकार की अवैध गतिविधियों की सूचना मिले तो तुरंत कंट्रोल रूम हजारीबाग या डायल 112 पर सूचना दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

बिजली की लचर व्यवस्था और लोड शेडिंग को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने की बिजली विभाग के जीएम से मुलाकात

बिभा संवाददाता

हजारीबागः इस भीषण गर्मी में हजारीबाग की बिजली की आंख मिचौली, विभाग की लचर व्यवस्था और लोड सेडिंग की समस्या को लेकर कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने बिजली विभाग के जीएम से मुलाकात की।इस प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश महासचिव सुरजीत नाग वाला के नेतृत्व में हजारीबाग के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और बरकट्ठा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अशोक देव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, सहकारिता के जिला अध्यक्ष कृष्ण किशोर प्रसाद, इंटर के प्रदेश सचिव धीरज सिंह आज बिजली विभाग के जीएम से मिलकर हजारीबाग के आम आवाम को हो रही परेशानी ,बिजली की आंख मिचोली से बच्चों के पढ़ाई में हो रही बाधा, रोजमर्रा की जिंदगी में छोटे-छोटे दुकानदार और खास करके वृद्ध के उमस भरी गर्मी में बेचैन रहने के कारण , समस्याओं से अवगत कराया, जीएम साहब पूरी बातों को गंभीरता से सुना और वस्तु स्थिति से अवगत होते हुए उन्होंने कहा कि सच्चाई है की मौसम के थोड़े बिगड़ने पर बिजली बाधित होती है साथ-साथ डीवीसी के द्वारा लोडसेडिंग का भी काम किया जाता है जिसके कारण भी आम अवाम को परेशानी हो रही है, साथ ही साथ कुछ साधन संसाधन के अभाव में भी विभाग मजबूती से अपनी जवाब देही नहीं निभा पा रहा है । इन्होंने प्रतिनिधि मंडल को यह आश्वासन दिया की कम से कम 18 घंटे बिजली देने का काम जरूर विभाग करेगा ताकि आम आवाम इस भीषण गर्मी से निजात पा सके। और इस संदर्भ में तत्काल उन्होंने अपने संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित भी किया की मौसम की बदहाली और बरसात आने से पूर्व सभी तरह के विभागीय तैयारी जल्द कर लिए जाएं ताकि आम अवाम को परेशानी ना हो सके, साथ ही साथ यह भी कहा कि मैं जनता का सेवक हूं और हजारीबाग की जनता का सुख दुख में भागीदार बना रहूंगा और विभाग के तरफ से या प्रयास करूंगा कि हजारीबाग के लोगों को बिजली विभाग की ओर से कम से कम समस्या हो सके।

एचडीसीए ऑल इंडिया फाइड रेटिंग क्लासिकल शतरंज प्रतियोगिता 2026 का भव्य समापन, विजेताओं के बीच 4 लाख 50 हजार की पुरस्कार राशि व मोमेंटो का वितरण

बिभा संवाददाता

हजारीबागः हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन के तत्वावधान में तथा ऑल इंडिया चेस फेडरेशन एवं ऑल झारखंड चेस एसोसिएशन की अधिकृत अनुमति से आयोजित एचडीसीए ऑल इंडिया फाइड रेटिंग क्लासिकल शतरंज प्रतियोगिता 2026 का भव्य समापन विनोबा भावे विश्वविद्यालय के मल्टीपरपज सभागार में उत्साह, गरिमा और खेल भावना के साथ संपन्न हो गया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन खिलाड़ियों के बीच बेहद रोमांचक एवं संघर्षपूर्ण मुकाबले देखने को मिले। खिलाड़ियों की रणनीतिक चालों, धैर्य और सूझबूझ ने दर्शकों को अंत तक रोमांचित किया। समापन समारोह में सांसद मनीष जायसवाल, ऑल झारखंड चेस एसोसिएशन के सचिव मनीष कुमार तथा महापौर अरविंद कुमार राणा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं सफल प्रतिभागियों को कुल 4 लाख 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि एवं आकर्षक मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे कुल 272 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की एकाग्रता, शांत वातावरण और जीत के प्रति जुनून ने पूरे सभागार को खेल भावना से सराबोर कर दिया।प्रतियोगिता का पहला चरण 16 मई से प्रारंभ हुआ था, जिसका समापन शानदार अंदाज में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में अनुपोप बिस्वास ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अर्पण दास द्वितीय, आईएम शुभायन कुंडू तृतीय तथा देबांजन सिन्हा चतुर्थ स्थान पर रहे।
विशेष पुरस्कार प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में आद्राध्या दास, आफम अनिशा पाठक, राघव श्रीवत्सव वीता, निष्क कुमार, रंजीत मजूमदार, सम्बर्ता बनर्जी, बिस्वास गोपाल चंद्रा, अभिर मित्रा, तुषार भुइयां, अभिज्ञान दास, सिन्हा सुधीर कुमार, श्रेयस्कर तांती, एजीएम शंखदीप मैती, अभिषेक राज, दिप्रो मंडल, यशवर्धन कटजारे एवं अर्कप्रभा बनिक शामिल रहे। अनरेटेड वर्ग में श्रीजन दास एवं शुभायन जाना ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त किया। वेटरन 55 प्लस वर्ग में त्रिपाठी बी सी तथा कुमार अश्विनी को सम्मानित किया गया। महिला वर्ग में अनन्या सामंता एवं कथाकली डे ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर पुरस्कार हासिल किया।
बेस्ट हजारीबाग प्लेयर का सम्मान सिकंदर अनीस एवं एमडी महताब हसन को प्रदान किया गया। वहीं बेस्ट अंडर 15 बॉयज वर्ग में श्रेयान बाग एवं इशान दत्ता, अंडर 13 बॉयज वर्ग में सोमिद्धो राजबंशी एवं रायशौर्य सिंह, अंडर 11 बॉयज वर्ग में प्यांसु नाथ एवं आद्रिज चक्रवर्ती, अंडर 09 बॉयज वर्ग में आदविक भूषण एवं प्रखर सिंह तथा अंडर 07 बॉयज वर्ग में मार्क रतन लकड़ा एवं डेनियल रतन लकड़ा को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में तीर्थ राज को बेस्ट ग्रोइंग प्लेयर पुरस्कार प्रदान किया गया।सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग में राष्ट्रीय स्तर की शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन जिले के लिए गौरव की बात है। ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का मंच प्रदान करते हैं तथा खेल संस्कृति को नई दिशा देते हैं।

कांग्रेस का कर्मठ सिपाही वरिष्ठ कांग्रेसी लखन जायसवाल के निधन से चंदवा में शोक की लहर

लातेहार : चंदवा नगर के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, समाजसेवी एवं जनप्रिय व्यक्तित्व लखन जायसवाल के निधन से पूरे चंदवा सहित लातेहार जिले में शोक की गहरी लहर फैल गई। उनके निधन की खबर सुनते ही कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उनके आवास पर उमड़ पड़ी। हर आंख नम थी और हर जुबान पर सिर्फ एक ही बात थी — लखन जायसवाल जैसा इंसान मिलना मुश्किल है। स्वर्गीय लखन जायसवाल ने अपना पूरा जीवन कांग्रेस की विचारधारा, सामाजिक सद्भाव और गरीबों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। वे हमेशा गरीब, मजदूर, किसान और जरूरतमंद लोगों की आवाज बनकर खड़े रहे। राजनीति में रहते हुए भी उन्होंने सादगी, ईमानदारी और जनसेवा की मिसाल कायम की। उनके व्यक्तित्व में अपनापन, संघर्ष और सेवा की ऐसी झलक थी जिसने उन्हें लोगों के दिलों में खास स्थान दिलाया।

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

ललित गर्ग

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है।

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चचाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप

महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में ह्लजी-2ह्व यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर ह्लचाइना प्लस वनह्व रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस ह्लवन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचरह्व की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है।

आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रुवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।

संपादकीय

कोर्ट की सख्ती के मायने

इसमें दो राय नहीं कि स्थानीय निकायों द्वारा आवारा कुत्तों को हटाने के संबंध में विगत में दिए अपने निदेर्शों को नरम न करने का सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय, बिगड़ते जन-सुरक्षा संकट में एक आवश्यक हस्तक्षेप है। हाल के वर्षों में, देश भर में स्थानीय प्रशासन व निकाय कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार हो रही चिंताजनक वृद्धि को रोकने में विफल ही रहे हैं। ऐसे में शासन व प्रशासन स्तर पर इस समस्या के निराकरण की कोई सार्थक पहल न होते देख ही, शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, साल 2023 में तीस लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए थे। उसके अगले साल 2024 में रोकथाम के कोई ठोस प्रयास न होने के कारण 37 लाख मामले दर्ज किए गए। आंकड़े बता रहे हैं कि औसतन प्रतिदिन दस हजार घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं कई राज्यों व शहरों में इन घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। हाल ही में सामने आए केरल के आंकड़ों के अनुसार, वहां एक साल के भीतर ही 3.6 लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले सामने आए हैं। वहीं दूसरी दिल्ली से सटे नोएडा में कुछ ही महीनों में हजारों शिकायतों के बाद हॉटस्पॉट की पहचान की गई। इन शिकायतों में स्कूलों के पास उनका जमावड़ा होना, चलने में असमर्थ बुजुर्ग नागरिकों का शिकार बनना व आम नागरिकों के आवारा कुत्तों के भय में जीने के मामले उजागर हुए हैं। दरअसल, विगत में भी इस संकट के कारगर समाधान के लिये शीर्ष अदालत ने सख्त निर्देश दिए थे। स्थानीय नगर निगम व नगर पालिकाओं की जवाबदेही तय की थी कि कुत्तों को शेल्टर होम ले जाकर उनकी नसबंदी की जाए और टीकाकरण किया जाए। लेकिन इस दिशा में कारगर पहल होती नजर नहीं आई। वहीं तसवीर का दूसरा पहलू है कि यह संकट समाज और संस्थाओं द्वारा जानवरों के प्रति किए जाने वाले व्यवहार में परेशान करने वाली विफलता को भी दशार्ता है। पिछले दिनों चंडीगढ़ से एक स्तब्धकारी घटना ने हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित किया,जब एक अज्ञात व्यक्ति ने एक पिल्ले को धधकते तंदूर में फेंककर जिंदा जला दिया। ऐसे शर्मनाक कृत्य उस भयावह क्रूरता को उजागर करते हैं, जो सार्वजनिक चचाओं में उजागर नहीं होती। इस घटना ने इन जीवों की दयनीय स्थिति को ही उजागर किया। वहीं भूख से बिलबिलाते कुत्तों द्वारा कथित तौर पर अपने ही बच्चों को खाने के मामले भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है कि जानवरों के साथ मानवीय व्यवहार का मतलब नागरिकों की सुरक्षा की अनदेखी करना नहीं हो सकता। लेकिन इसके साथ ही जन सुरक्षा को पशु कल्याण की उपेक्षा का बहाना भी नहीं बनाया जा सकता है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानूनी रूप से जानवरों को स्थानांतरित करने पर दिए गए जोर के साथ अब आश्रय स्थलों, नसबंदी केंद्रों, टीकाकरण अभियानों और पशु चिकित्सा सुविधाओं में अधिक निवेश करने की सख्त जरूरत है। निश्चय ही यह चुनौती एक जटिल विषय है।

चिंतन-मनन

गतिशील रहें

एक यात्री जा रहा था। अंधेरी रात थी। उसे लम्बा रास्ता तय करना था। एक व्यक्ति ने उसे लालटेन देते हुए कहा, इसके प्रकाश में तुम अपना रास्ता देख पाओगे। मार्ग सुख से कटेगा। इसे ले जाओ। उस यात्री ने देखा कि लालटेन का प्रकाश तीन-चार फीट तक फैल रहा है। उसके मन में संदेह हुआ कि रास्ता बहुत लंबा है। प्रकाश केवल तीन-चार फीट तक ही पड़ता है। रास्ता पार कैसे कर पाऊंगा? वह उलझ गया और उलझता ही गया। वह बोला, तीन-चार फीट का प्रकाश मुझे दस मील की यात्रा कैसे करा पाएगा?

यह विधि को न समझने के कारण है। विधि को समझे बिना साधक उलझ जाते हैं। विधि को ठीक समझ लेते हैं तो तीन-चार फीट का प्रकाश दस मील की यात्रा करा सकता है। यह प्रकाश दस मील के पूरे पथ को प्रकाशित कर सकता है। आप चलते चलें, दस मील का रास्ता प्रकाशित हो जाएगा और यदि उसी बिन्दु पर खड़े रह गए तो दो फीट का रास्ता ही प्रकाशित होगा, शेष अंधकार ही अंधकार रहेगा। आवश्यकता है चलने की, सतत गतिशील रहने की। विधि को समझें और चलें। विधि को समझना ही पर्याप्त नहीं है, चलना भी पड़ेगा। आगे से आगे बढ़ना होगा। यदि नहीं चले, रूके रह गए तो प्रकाश जहां पड़ता है वहीं पड़ेगा, वह आगे नहीं बढ़ेगा। वह तभी बढ़ेगा, जब हम बढ़ेंगे। वह हमारे रूकने के साथ रूकेगा और बढ़ने के साथ बढ़ेगा। अभ्यास करते जाएं। आप अपनी मंजिल तक पहुंच जाएंगे। मंजिल स्वतः मिल जाएगी।

पश्चिम बंगाल में काली के पुजारियों का भत्ता बंद

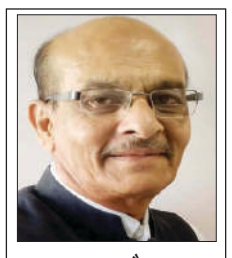

सनत जैन

सनातनी अब मांसाहारी और शाकाहारी में बंटे...

पश्चिम बंगाल की सरकार के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंत्रिमंडल की बैठक में पश्चिम बंगाल के इमाम और पुजारियों को जो भत्ता ममता सरकार द्वारा दिया जा रहा था, 1 जून 2026 से दोनों के भत्ते बंद करने का निर्णय किया है। इस निर्णय की पश्चिम बंगाल में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। टीएमसी के कार्यकाल में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसी साल मार्च माह से धार्मिक नेताओं के भत्ते में 500 रुपए प्रतिमाह की वृद्धि की थी। पश्चिम बंगाल में मस्जिदों के इमाम को हर महीने 3000 रुपए तथा पुजारियों को 2000 रुपए की मदद दी जा रही थी। भाजपा की सरकार ने अब यह मानदेय बंद करने का निर्णय लिया है। इसका असर संपूर्ण पश्चिम बंगाल में हिन्दू-मुस्लिम के बीच होना तय है। पश्चिम बंगाल में काली की पूजा होती है। पश्चिम बंगाल में पूजा में बली और खाने-पीने में मांसाहार का बड़ा उपयोग होता है। बंगाल में हजारों की संख्या में पुजारियों को यह मानदेय मिल रहा था। पुजारियों को आशा थी, नई सरकार इमाम और मुअज्जीन का भत्ता बंद करेगी। हिंदू पुजारियों को 3000 रुपए महीने का मानदेय देने का निर्णय करेगी। सरकार ने दोनों समुदाओं के धार्मिक गुरुओं का भत्ता बंद कर दिया है। पश्चिम बंगाल से जो खबरें आ रही हैं, उसके अनुसार पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को दो अलग-अलग भागों में बांटा जा रहा है। हजारों वर्ष पूर्व हिंदुओं में वैष्णव और शेव शाक्त के बीच में विवाद होते रहे हैं। हिन्दू समुदाय तीन भागों में बटे हुए थे। शुभेंदु सरकार ने पश्चिम बंगाल में इसी विवाद को फिर से खड़ा कर दिया है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल का चुनाव हिंदुओं के नाम पर लड़ा है। हिंदू पुजारियों को आशा थी, उनका मानदेय बढ़ाया जाएगा। सरकार ने बढ़ाने के स्थान पर बंद कर दिया है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी जय श्री राम के उद्घोष के साथ वहां पहुंची है। बड़ी संख्या में उत्तर भारत के लोग पश्चिम बंगाल में रह रहे हैं। सरकार के इस निर्णय से बंगाली पुजारियों में जबरदस्त नाराजी देखने को मिल रही है। उनका मानना है वह शाक्त भक्त हैं, मां काली की पूजा करते हैं। काली की तांत्रिक पूजा अलग तरह की होती है, जिसे वैष्णव और शैव स्वीकार नहीं करते हैं। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सरकार बनने के बाद सरकार, पश्चिम बंगाल के पुजारियों के साथ हिन्दुओं में जो भेदभाव कर रही है। उससे यह धारणा बन रही है, पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी की सरकार हिंदुओं को हिंदुओं के बीच में बांटने का काम कर रही है। पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। प्रारंभ में ही यदि इस तरह के भेदभाव की भावना हिंदुओं के बीच में जागृत होती है, तो यह हिंदू एकता को लेकर भाजपा को नुकसान पहुंचा सकती है। चुनाव प्रचार के दौरान यह मामला कहीं ना कहीं सामने आया था। उत्तर भारत के जो नेता पश्चिम बंगाल के चुनाव प्रचार में गए थे। उन्होंने सार्वजनिक रूप से मांस और मछली खाकर यह विश्वास दिलाया था, वह बंगाल की संस्कृति और बंगाल की धार्मिक परंपरा के साथ कोई अन्याय नहीं करेंगे।

सरकार बनने के बाद जिस तरह से कालीभक्त पुजारियों के मानदेय को सरकार ने बंद किया है। उसके बाद वहां पर कहा जा रहा है, वर्तमान सरकार काली भक्तों को पसंद नहीं करती है। पश्चिम बंगाल की धार्मिक संस्कृति में भगवान राम और अन्य हिंदू देवी देवता जो शैव और वैष्णव संप्रदाय से आते हैं, उन्हें पश्चिम बंगाल में साक्त भक्तों में स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से चुनाव हुए हैं। लाखों की संख्या में अर्ध सैनिक बल तैनात किया गया। लगभग एक करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए। पश्चिम बंगाल के बाहर से अधिकारियों को लाकर चुनाव कार्य में लगाया गया।

राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस : रक्तरंजित राहों पर शांति का संकल्प

सुनील कुमार महला

किसी कवि ने क्या खूब लिखा है-आतंकवाद से धरा दूषित है, इसे शुद्ध हो जाने दो। हाथ खोल दो वीरों के अब महायुद्ध हो जाने दो। भारत ही नहीं पूरे विश्व के लिए वास्तव में आतंकवाद आज पूरी मानवता के लिए एक नासूर बन चुका है।सच तो यह है कि यह ऐसा दंश है, जिसमें केवल जहर ही जहर भरा है। आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व आतंकवाद जैसी गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। गरीबी, जनसंख्या वृद्धि, निरक्षरता और असमानता जैसी समस्याएँ अपनी जगह हैं, किंतु आतंकवाद इन सबमें सबसे अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह सीधे मानव सभ्यता, शांति और राष्ट्रीय एकता पर हमला करता है। आतंकवाद मानवता का दुश्मन है और इसका समूल नाश आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

पाठक जानते होंगे कि प्रतिवर्ष 21 मई को भारत में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस (एंटी टेररिज्म डे) मनाया जाता है। यह दिन मुख्य रूप से भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के रूप में उनकी स्मृति में मनाया जाता है। वर्ष 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरुमबुदुर में एक आत्मघाती आतंकी हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी। वास्तव में,इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आतंकवाद और उग्रवाद से दूर रखना तथा समाज में शांति, एकता और सद्भाव का संदेश देना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस लोगों को आतंकवाद और हिंसा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का दिन है।दरअसल, इस दिवस का उद्देश्य केवल आतंकवाद का विरोध करना भर नहीं है, बल्कि समाज में भाईचारा, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना भी है। यह दिन युवाओं को आतंकवाद और कट्टरता के खतरों से अवगत कराता है तथा हिंसा के स्थान पर संवाद, लोकतांत्रिक सोच और मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। साथ ही आतंकवाद से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने और नागरिकों में आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता अर्थात जीरो टॉलरेंस की भावना विकसित करने का संदेश भी देता है।इस दिन देशभर के सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों द्वारा आतंकवाद विरोधी शपथ ली जाती है। इस प्रतिज्ञा में बिना किसी धर्म या संप्रदाय का नाम लिए मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव और आपसी समझ को बढ़ावा देने तथा विघटनकारी शक्तियों से लड़ने का संकल्प लिया जाता है। इसके अतिरिक्त विद्यालयों और संस्थानों में वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, सेमिनार, व्याख्यान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तथा आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में शहीद हुए जवानों और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

राजीव गांधी की हत्या भारतीय इतिहास की सबसे चर्चित आतंकी घटनाओं में से एक थी। यह हमला श्रीलंका के उग्रवादी संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम यानी एलटीटीई द्वारा किया गया था। एक महिला आत्मघाती हमलावर 'थानु' (धनु) ने फूलों का हार पहनाने के बहाने विस्फोट कर दिया, जिसमें राजीव गांधी की मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद भारत की आंतरिक सुरक्षा और वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किए गए। विशेष सुरक्षा समूह यानी विशेष सुरक्षा समूह(एसपीजी) के नियमों को अत्यंत सख्त बनाया गया तथा पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिवारों को भी सुरक्षा दायरे में लाया गया।

यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि एलटीटीई यानी कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम श्रीलंका का एक अलगाववादी गुरिल्ला संगठन था, जिसने श्रीलंका के उत्तर और पूर्वी भागों में तमिलों के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्र तमिल ईलम की मांग को लेकर लगभग तीन दशकों तक सशस्त्र संघर्ष किया। इसकी स्थापना वर्ष 1976 में वेलुपिल्लई प्रभाकरन द्वारा की गई थी। प्रभाकरन अंत तक इस संगठन का सर्वोच्च और तानाशाही कमांडर बना रहा। एलटीटीई का आत्मघाती दस्ता ब्लैक टाइगर्स कहलाता था, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक और अनुशासित आत्मघाती दस्तों में गिना जाता था।दरअसल, श्रीलंका (तत्कालीन सीलोन) को वर्ष 1948 में स्वतंत्रता मिलने के बाद वहाँ बहुसंख्यक सिंहली समुदाय और अल्पसंख्यक तमिलों के बीच जातीय तनाव बढ़ने लगा। तमिलों का आरोप था कि सरकारी नौकरियों, शिक्षा और नागरिकता के मामलों में उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। इसी असंतोष ने धीरे-धीरे उग्रवाद का रूप ले लिया और एलटीटीई जैसे संगठन का जन्म हुआ। शुरूआत में श्रीलंका में तमिलों पर हो रहे अत्याचारों के कारण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में, एलटीटीई के प्रति सहानुभूति थी। वर्ष 1987 में भारत-श्रीलंका समझौते के तहत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारतीय शांति सेना श्रीलंका भेजी, लेकिन एलटीटीई ने हथियार डालने से इनकार कर दिया और भारतीय सेना से ही संघर्ष शुरू कर दिया। इसके बाद संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए। अंततः 21 मई 1991 को एलटीटीई ने आत्मघाती हमले में राजीव गांधी की हत्या कर दी, जिसके बाद भारत सरकार ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एलटीटीई को आतंकवादी संगठन घोषित किया गया और उसकी फंडिंग कमजोर पड़ती गई। अंततः वर्ष 2006 से 2009 तक चले चौथे ईलम युद्ध में श्रीलंकाई सेना ने एलटीटीई को पूरी तरह पराजित कर दिया तथा 18 मई 2009 को प्रभाकरन की मृत्यु के साथ ही संगठन का अंत हो गया।

वास्तव में, अपने राजनीतिक, धार्मिक या व्यक्तिगत उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हिंसात्मक तरीकों का प्रयोग ही आतंकवाद कहलाता है। आतंकवाद की सबसे खतरनाक बात यह है कि अंततः यह उन लोगों को भी नष्ट कर देता है जो इसका समर्थन या अभ्यास करते हैं। आतंकवाद राष्ट्रीय सद्भाव, शांति और सामाजिक एकता को गहरी क्षति पहुँचाता है। सच तो यह है कि आतंकवाद का कोई धर्म, राष्ट्रीयता या मानवीय उद्देश्य नहीं होता। यह मानवता के विरुद्ध हिंसा और अमानवीयता की पराकाष्ठा है।महात्मा गांधी ने कहा था-मैं मरने के लिए तैयार हूँ, पर ऐसी कोई वजह नहीं है जिसके लिए मैं मारने को तैयार हूँ। गांधीजी ने सदैव अहिंसा, शांति और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कभी भी हिंसा और आतंकवाद को उचित नहीं माना। वास्तव में आतंकवाद स्वतंत्रता, लोकतंत्र और मानवीय मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंसा कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती।

प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार हरिओम पंवार की पंक्तियाँ भी इस संदर्भ में अत्यंत सार्थक प्रतीत होती हैं-बंदूकों की गोली का उत्तर सद्भाव नहीं होता।हत्यारों के लिए अहिंसा का प्रस्ताव नहीं होता। कोई विषधर कभी शांति के बीज नहीं बो सकता है, और भेड़िया शाकाहारी कभी नहीं हो सकता है। आज आतंकवाद केवल भारत की ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व की गंभीर समस्या बन चुका है। विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया के कई क्षेत्रों में आतंकवाद तेजी से फैल रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों, विशेषकर यूनाइटेड नेशंस में बार-बार यह चिंता व्यक्त की है, कि आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों को उनके कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। भारत ने यह भी कहा है कि जिन देशों में आतंकवाद से निपटने की क्षमता का अभाव है, उनकी सहायता की जानी चाहिए। भारत सदैव पंचशील, शांति, संयम और सह-अस्तित्व के सिद्धांतों में विश्वास करता आया है तथा धर्म, जाति, संस्कृति और आस्था से परे हर प्रकार के आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता रहा है। हाल फिलहाल,यहाँ यह उल्लेखनीय है कि इस साल यानी कि वर्ष 2026 में भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा प्रहार नामक भारत की पहली व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति जारी की गई है। इसका उद्देश्य आतंकवाद, कट्टरपंथ, साइबर हमलों, ड्रोन खतरों तथा संगठित आतंकी नेटवर्क से समन्वित तरीके से निपटना है। इतना ही नहीं, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नार्वे में 19 मई 2026 मंगलवार को तीसरे भारत-नार्डिक समिट में हिस्सा लिया है, जहां नार्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड और स्वीडन के नेता जुटे। अच्छी बात यह रही कि इस समिट के दौरान सभी नेताओं ने हर प्रकार के आतंकवाद और कट्टरपंथ की कड़ी निंदा करते हुए सीमापार आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की जरूरत बताई है। इतना ही नहीं,इस समिट के दौरान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले की भी कड़े शब्दों में निन्दा की गई है।

बहरहाल, आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज में शांति, सद्भाव, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जाए। आतंकवाद से लड़ना केवल सरकारों या सुरक्षा एजेंसियों का कार्य नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें मानव जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए हर प्रकार की विघटनकारी शक्तियों के विरुद्ध सजग रहना होगा।

अंत में किसी कवि की इन प्रेरणादायक पंक्तियों के साथ बात समाप्त करना उचित होगा-हर घर में दीप जलाना होगा, आतंकवाद के अँधेरे को मिटाना होगा।'अ' से अमरुद, 'च' से चरखा छोड़, 'अ' से अमन, 'च' से चैन पढ़ाना होगा। मेरी धरती, मेरा देश छोड़, हमारी धरती, हमारा देश सिखाना होगा। हर एक देश के नागरिक को अब, देश का पहरेदार बनाना होगा। धरती माँ की छाती से 'आतंकवाद' शब्द को मिटाना होगा। वास्तव में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस हमें यह संदेश देता है कि हिंसा कभी भी किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। शांति, संवाद, शिक्षा और मानवीय मूल्यों के माध्यम से ही आतंकवाद जैसी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। यह दिवस प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की एकता, अखंडता और मानवता की रक्षा के लिए सजग रहने की प्रेरणा देता है।

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी - अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को 'भारत का मिनी इजराइल' भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इजराइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

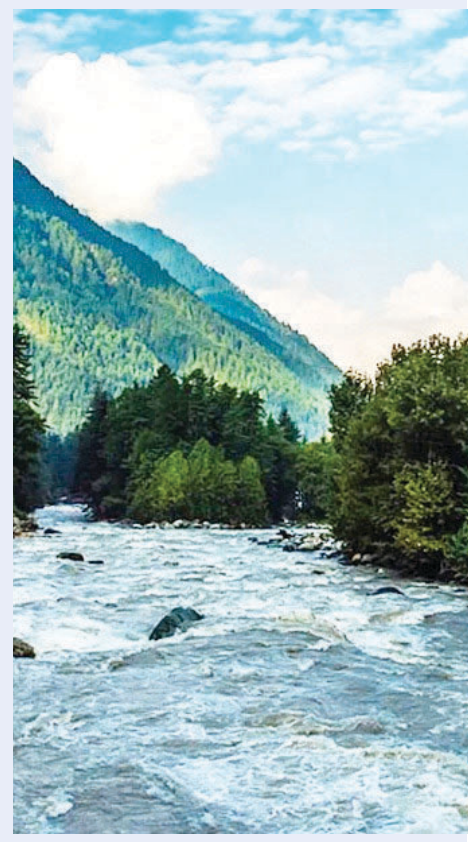

प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इजराइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)
कैम्पिंग और बोनफायर
रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना
स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना
हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी
यात्रा का उत्तम समय
मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।
सितंबर से नवंबर- मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।
दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।

सड़क मार्ग- दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ - कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

तमिलनाडु की सत्ता में 59 साल के बाद वापसी करेगी कांग्रेस, सीएम विजय की कैबिनेट में कल होगी शामिल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में करीब छह दशक बाद बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय गुरुवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करने जा रहे हैं और इस विस्तार में कांग्रेस की सरकार में औपचारिक एंट्री लगभग तय मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस के दो विधायक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। इस तरह करीब 59 साल बाद कांग्रेस तमिलनाडु की सत्ता में सीधे भागीदारी करती नजर आएगी। सूत्रों के मुताबिक, टीवीके और कांग्रेस के बीच सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर सहमति बन चुकी है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी संकेत दिए हैं कि पार्टी सरकार में शामिल होने जा रही है। लंबे समय तक द्रविड़ राजनीति के प्रभाव वाले तमिलनाडु में कांग्रेस ज्यादातर समय डीएमके या एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में रही, लेकिन उसे कभी सरकार में जगह नहीं मिली। अब विजय सरकार में कांग्रेस की एंट्री को दक्षिण भारतीय राजनीति में बड़े बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकार मान रहे हैं कि यह कदम 2026 के चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। एक तरफ विजय अपनी सरकार को और मजबूत करना चाहते हैं, वहीं कांग्रेस दक्षिण भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। इस बीच टीवीके ने अपने अन्य सहयोगी दलों को भी सरकार में शामिल होने का न्योता दिया है। मंत्री आधव अर्जुना ने कहा कि मुख्यमंत्री चाहते हैं कि वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन भी मंत्रिमंडल का हिस्सा बनें। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के साथ भी बातचीत जारी है।

अस्पताल के बाहर सलमान का पैपराजी पर फूटा गुस्सा... क्या तुम लोग पागल हो गए हो

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान मुंबई के हिंदुजा अस्पताल के बाहर पैपराजी पर भड़क गए। किसी करीबी से मिलने पहुंचे सलमान की नाराजगी तब सामने आई जब कुछ फोटोग्राफर्स ने अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर हंगामा शुरु किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, सलमान के बाहर आते ही कुछ पैपराजी ने उनकी आने वाली फिल्म 'मातृभूमि' का नाम जोर-जोर से पुकारना शुरू किया। इस पर गुस्साए सलमान ने पूछा, 卐क्या तुम लोग पागल हो गए हो?卐 उन्होंने पैपराजी से सवाल किया कि अगर उनके परिवार का कोई सदस्य अस्पताल में भर्ती हो, तब क्या उन्हें भी इस तरह कैमरों और शोर-शराबे का सामना अच्छा लगेगा। अभिनेता के गुस्से को देखकर मौके पर मौजूद पैपराजी ने तुरंत माफी मांगी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इसके बाद सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि मीडिया ने हमेशा उनका साथ दिया है, लेकिन अस्पताल जैसी जगह पर किसी के निजी पलों को सनसनी बनाना ठीक नहीं है। उन्होंने संवेदनशीलता की कमी पर जोर देकर कहा, 'मैं 60 साल का हूं, लेकिन लड़ना नहीं भूला।'

आईआरसीटीसी लाया गर्मियों में चारधाम यात्रा का खास मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। गर्मियों की छुट्टियां शुरू होने वाली हैं और इस दौरान पहाड़ों की ओर रुख करने वाले परिवारों के लिए आईआरसीटीसी बेहतरीन मौका लेकर आया है। रेलवे की सहायक कंपनी आईआरसीटीसी ने 2026 के लिए अपने विशेष चारधाम यात्रा पैकेज की घोषणा की है, जिसमें यात्रियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। पैकेज के तहत उत्तराखंड के प्रसिद्ध चार धामों यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के दर्शन कराए जाएंगे। यह 11 रात और 12 दिन का पैकेज दिल्ली से शुरू होगा और श्रद्धालुओं को आरामदायक एसी टेंपो ट्रैवलर से यात्रा कराई जाएगी। यात्रियों के लिए ठहरने हेतु अच्छे होटलों की व्यवस्था की जाएगी, साथ ही नाश्ते से लेकर रात के खाने तक की सुविधा और प्रतिदिन 1 लीटर पानी की बोतल भी प्रदान की जाएगी। 2026 में यात्रा की तारीखें जून (1, 12, 24), सितंबर (1, 12, 24) और अक्टूबर (1, 15) हैं। प्रति व्यक्ति खर्च इस प्रकार निर्धारित किया गया है। अकेले रुकने पर 75,000, दो लोगों के साथ 62,000 और तीन लोगों के साथ 57,000। वहीं, 5 से 11 साल के बच्चे के लिए (एक्स्ट्रा बेड सहित) 30,000 और बिना एक्स्ट्रा बेड के 20,000 का खर्च आएगा। यह पैकेज परिवार के साथ देवभूमि का आध्यात्मिक अनुभव लेने का एक शानदार अवसर है।

देहरादून के पैनेसिया अस्पताल में भीषण आग, महिला मरीज की मौत; कई अन्य झुलसे

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून के पैनेसिया हॉस्पिटल में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में आईसीयू में भर्ती एक 55 वर्षीय महिला मरीज की मौत हुई, जबकि छह अन्य मरीज और बचाव कार्य में जुटे तीन पुलिसकर्मी भी झुलस गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग एसी में ब्लास्ट होने के कारण लगी, जिसने अस्पताल परिसर में धुएं और भगदड़ का माहौल पैदा हुआ। हादसे के बाद अस्पताल को आनन-फानन में खाली कराया गया और कई मरीजों को एंबुलेंस के जरिए दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। कैलाश अस्पताल में भर्ती कराए गए छह झुलसे मरीजों में से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, पुलिस और प्रशासनिक टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर विभाग ने आग लगने के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। यह घटना फिर देहरादून के निजी अस्पतालों में अग्निशमन सुरक्षा मानकों की अनदेखी और कमजोर व्यवस्थाओं को उजागर करती है। राजधानी के अधिकांश अस्पताल सीमित जगह, संकरे रास्तों और अपर्याप्त इमरजेंसी एग्जिट के साथ संचालित हो रहे हैं, जिससे ऐसी आपात स्थितियों में बचाव कार्य बाधित होता है और मरीजों की जान खतरे में पड़ती है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के बाद पूरे परिसर में धुआं भर गया था, जिससे मरीजों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। फायर ऑडिट और मॉक ड्रिल जैसे महत्वपूर्ण इंतजाम अक्सर केवल कागजों तक ही सीमित रहते हैं, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी दुर्घटनाएं सामने आती रहती हैं। प्रशासन आमतौर पर ऐसी घटनाओं के बाद ही सक्रिय होता है, लेकिन कुछ समय बाद फिर वही लापरवाही दोहराई जाती है, जो गंभीर मरीजों की जिंदगी को खतरे में डालती है।

आरएसएस और प्रधानमंत्री संविधान को फाड़ने की कोशिश कर रहे-राहुल गांधी

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने संविधान की एक प्रति हाथ में लेकर कहा कि भाजपा, प्रधानमंत्री और आरएसएस इसे फाड़ने और फेंकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस ने तो इसे पहले ही फाड़ दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान की किताब सिर्फ कागज का पन्ना नहीं है, बल्कि इसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी और वीरा पासी जैसे अनगिनत लोगों का खून और पसीना मिला हुआ है, जिन्होंने इसे बनाने में अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया।

बुधवार को रायबरेली के लोधवारी में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वीरा पासी की प्रतिमा का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने बहुजन स्वाभिमान सभा को संबोधित किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि संविधान देश की आत्मा है और इसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने एक बार फिर देश की आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि देश में एक बड़ा आर्थिक तूफान आने वाला है। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर देश के साथ धोखा करने का आरोप लगाया।

वहीं, गौरीगंज क्षेत्र के तेजी का पुरवा स्थित कार्यक्रम स्थल पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार, भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा। सम्मेलन में हजारों की संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश की रक्षा संविधान करता है और पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने लगातार संविधान पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि उनका काम अर्थव्यवस्था की रक्षा करना है, उनका काम देश की रक्षा करना है, लेकिन पिछले 12 साल में उन्होंने क्या किया? उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस से जुड़े लोगों को विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलर बनाया जा रहा है और देश की संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने उद्योगपतियों का जिक्र करते हुए कहा कि अब गौतम अडानी और मुकेश अंबानी इस देश को नहीं बचा सकते। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि टॉफी बांटना बंद करो और किसानों को खाद उपलब्ध कराओ। उन्होंने आरोप लगाया कि अडानी आज भी करोड़ों रुपये का तेल विदेशों में एक्सपोर्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी संविधान पर हमला है और अडानी-अंबानी को देश का धन देना भी संविधान पर आक्रमण है। उन्होंने कहा कि संविधान हिंदुस्तान की आवाज है।

डीपफेक और एआई कंटेंट के खिलाफ अदालत पहुंचे राघव चड्ढा, दिल्ली हाई कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद राघव चड्ढा ने अपने पर्सनैलिटी राइट्स और निजता अधिकारों की सुरक्षा को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है। राघव चड्ढा ने अदालत में याचिका दाखिल कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित हो रहे डीपफेक वीडियो, छेड़छाड़ किए गए विजुअल, कृत्रिम आवाज क्लोनिंग और भ्रामक डिजिटल सामग्री पर रोक लगाने की मांग की है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सुब्रमणियम प्रसाद की अदालत में 21 मई को होने वाली है।

याचिका में कहा गया है कि एआई तकनीक और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते इस्तेमाल के बीच कई बार सार्वजनिक हस्तियों की आवाज, चेहरा और बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। इससे न केवल उनकी छवि प्रभावित होती है, बल्कि लोगों के बीच भ्रम की स्थिति भी पैदा होती है। राघव चड्ढा ने अदालत से मांग की है कि बिना अनुमति उनके नाम, आवाज, तस्वीर और व्यक्तित्व का इस्तेमाल कर तैयार किए गए किसी भी फर्जी कंटेंट पर तत्काल रोक लगाई जाए। हाल के वर्षों में डीपफेक तकनीक को लेकर देशभर में चिंता लगातार बढ़ी है। राजनीतिक नेताओं, फिल्म कलाकारों और खिलाड़ियों से जुड़े कई फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। इससे पहले अभिनेता अनिल कपूर और अमिताभ बच्चन भी अपने व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा चुके हैं और उन्हें राहत भी मिली थी। अब राघव चड्ढा की याचिका को डिजिटल निजता और एआई नियंत्रण से जुड़े बड़े कानूनी मुद्दे के तौर पर देखा जा रहा है।

इकरा हसन के समर्थन में उतरे अखिलेश बोले- गुनाह तो बताइए?

सहारनपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। सांसद इकरा हसन ने पुलिस प्रशासन पर जबरन थाने में बिठाने और हिरासत में लेने का आरोप लगाया है। इस घटना के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव उनके समर्थन में उतर आए हैं और उन्होंने सरकार व पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब कैराना से सपा सांसद इकरा हसन जसाला गांव की एक बुजुर्ग महिला के साथ पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) से मिलने पहुंची थीं। महिला के बेटे की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी और वे इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रही थीं। सांसद का आरोप है कि पीड़ित पक्ष की मांगों को अनसुना कर दिया गया। जब वे कार्यालय के बाहर पार्किंग एरिया में दूसरी अर्जी तैयार कर रही थीं, तभी भारी पुलिस बल ने वहां पहुंचकर उन पर ट्रैफिक व्यवस्था में बाधा डालने का आरोप लगाया। इकरा हसन के अनुसार, उन्हें और उनके साथियों को गाड़ी में बिठाकर महिला पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां करीब 10 मिनट तक हिरासत में रखने के बाद उन्हें रिहा किया गया। सांसद ने ट्रैफिक बाधित करने के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उनके पास गाड़ी सही जगह पार्क होने के वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं।

इस घटना के बाद मामला तब और बढ़ गया जब शांति भंग करने के आरोप में पूर्व राज्य मंत्री मगेराम कश्यप सहित पांच सपा नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। इसकी जानकारी मिलते ही इकरा हसन तुरंत सदर बाजार पुलिस स्टेशन पहुंचीं और गिरफ्तार नेताओं की रिहाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गईं। इस दौरान उनकी पुलिस अधिकारियों से तीखी बहस भी हुई। सांसद के समर्थन में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता थाने पहुंचे, जिसके चलते इलाके में भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जब किसी को सिर्फ न्याय के लिए आवाज उठाने की वजह से हिरासत में ले लिया जाता है, तो वही पल कलियुग होता है। उन्होंने पूछा कि पार्टी की सांसद का अपराध बस इतना था कि वह उस मां की मदद कर रही थीं जिसने अपना बेटा खो दिया है और जो इस संवेदनहीन शासन में न्याय के लिए भटक रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस तरह की तानाशाही को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। फिलहाल, थाने के बाहर सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन और इस मामले को लेकर सियासी बयानबाजी लगातार जारी है।

निर्मला सीतारमण पर प्रियंका चतुर्वेदी का तंज... कहां थीं मैम?

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर तीखा तंज कस दिया है। उन्होंने वित्त मंत्री से सीधे सवाल किया कि जब देश की अर्थव्यवस्था चुनौतियों का सामना कर रही थी, तब वह कहां थीं। शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी का बयान सीतारमण के उस ट्वीट के जवाब में आया है, जिसमें वित्त मंत्री ने मोदी सरकार द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया था।

शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, हालेलुया! हमारी वित्त मंत्री वापस आ गई हैं! देश जानना चाहता था कि जब डॉलर मजबूत हो रहा था (ध्यान दें, मैंने यह नहीं कहा कि रुपया कमजोर हो रहा था), जब प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और संस्थागत विदेशी निवेशक (एफआईआई) नदारद थे, जब शेयर बाजार धराशायी हो रहा था और सोना-चांदी खरीदना मना हो गया था, तब मैम कहां थीं?

यह तंज वित्त मंत्री सीतारमण के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 2014 से सरकार अपनी नीतियों से समाज के हर वर्ग किसान, गरीब, महिलाएं, युवा और एमएसएमई की सेवा कर रही है, और वे उनके शासन ढांचे के मूल केंद्र में हैं।

इस दौरान सीतारमण ने कांग्रेस से पूछा था कि क्या 58 करोड़ जनधन खाते, 57 करोड़ मुद्रा लोन, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम इंटर्नशिप योजना, ई-श्रम कार्ड, जी राम जी अधिनियम (जो बिना किसी रिसाव के 125 दिनों का रोजगार देता है), आयुष्मान भारत, 9 करोड़ से अधिक पीएम किसान संवितरण, लखपति दीदी/ड्रोन दीदी योजनाएँ और ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती जैसे कदम अडानी/अंबानी के लिए हैं या गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए।

उन्होंने पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, 1 करोड़ स्वनिधि खाते, उर्वरकों पर अंतरराष्ट्रीय कीमतों का बोझ किसानों पर न डालने, एमएसएमई के लिए ईसीएलजीएस 5.0, कृषि ऋण वृद्धि और एमएसएमई ऋण वृद्धि जैसे कदमों का भी हवाला दिया, यह दर्शाने के लिए कि मोदी सरकार का ध्यान समाज के वंचित और मध्यम वर्गों पर केंद्रित है। यह राजनीतिक बयानबाजी आगामी चुनावों से पहले एक-दूसरे पर निशाना साधने की रणनीति का हिस्सा प्रतीत होती है।

पीएम मोदी की तारीफ कर पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने विपक्ष में डाली फूट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ राजनीतिज्ञ और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) गुट के प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं का समर्थन कर कहा है कि राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार कर देश के सम्मान को सर्वोपरि रखना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी तब आई है जब विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस, पीएम मोदी की विदेशी यात्राओं की कड़ी आलोचना कर रही हैं, लेकिन पवार के बयान से विपक्ष की एकता पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। एक कार्यक्रम में पवार ने स्पष्ट किया कि भले ही उनके राजनीतिक विचार अलग हों, लेकिन जब देश के बाहर भारत की प्रतिष्ठा की बात होती है, तब सभी को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी भारत के बाहर देश की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं। हमारे राजनीतिक विचार अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन जब देश के सम्मान की बात आती है, तब राजनीतिक मतभेदों को बीच में नहीं लाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि राष्ट्रीय हित में काम करने के मौके पर दलों को भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करने के साझा उद्देश्य के साथ आना चाहिए। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) गुट के प्रमुख पवार ने पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी, पी.वी. नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह का उदाहरण दिया, जिन्होंने अपने नेतृत्व में देश के भविष्य और प्रतिष्ठा को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनकी यह टिप्पणी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की चल रही पांच देशों की यात्रा की आलोचना करने के तुरंत बाद आई है। राहुल गांधी ने कहा था कि इस संकट के समय में प्रधानमंत्री मोदी लोगों से विदेश यात्रा न करने की अपील कर रहे हैं, जबकि वे स्वयं दुनिया घूम रहे हैं। एक प्रमुख विपक्षी नेता द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में दिए गए बयान ने निश्चित रूप से समूचे विपक्ष की एकजुटता और साझा रणनीति पर नए सिरे से चर्चा छेड़ दी है, खासकर तब जब आगामी चुनावों के मद्देनजर विपक्षी मोर्चा बनाने की कवायद चल रही है।

डिटेक्शन और डिलीशन का काम हो चुका पूरा अब डिपोर्टेशन का होगा शुरू

-बंगाल में अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने को लेकर सीएम अधिकारी बोले

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल से कथित अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने को लेकर सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि वोटर लिस्ट से डिटेक्शन और डिलीशन का काम पहले ही हो चुका है और डिपोर्टेशन जल्द ही शुरू होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जनगणना की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार ने देरी की थी। शुभेंधु ने कहा कि पहले हमने वोटर लिस्ट में अवैध निवासियों का पता लगाया, फिर हमने उन्हें लिस्ट से हटा दिया और अब उन्हें देश से निकालने का समय आ गया है। हालांकि, उन्होंने इसके लिए कोई समय-सीमा नहीं बताई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने कहा कि मैं डरने वाला, झुकने वाला आदमी नहीं हूं, डराने का काम करने का कोई जरुरत नहीं है। बीजेपी ने जो कमिटमेंट दिया है, वो पूरा करने का काम बीजेपी का सीएम करेगा। राष्ट्र प्रथम है, देश को सुरक्षित रखने का काम बीजेपी करेगी। सीएम अधिकारी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि मेरे सीएम बनने से यहां टीएमसी, सीपीएम और कांग्रेस तनाव में हैं और अशांति पैदा कर रहे हैं, लेकिन इन सबसे कहीं ज्यादा तनाव और परेशानी बांग्लादेश के लोगों, विशेषकर वहां के जमात संगठन को हो रही है। उन्होंने विरोधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि मुझे डराने की कोशिश करने की जरूरत नहीं, क्योंकि सरकार के लिए देश पहले है और भाजपा इस देश को पूरी तरह ठीक करने का काम करेगी।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि उन्होंने म्युनिसिपल सेक्रेटरी और कमिश्नर को चार विशिष्ट नाम दिए हैं, जिन्होंने बंगाल को जमकर लूटा है। उन्होंने इन चारों व्यक्तियों की कुल संपत्ति का विवरण मांगते हुए उनके खिलाफ कानूनी जांच शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सीएम अधिकारी ने पार्क सर्कस में पुलिस पर हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा कि बिना स्वीकृत बिल्डिंग प्लान के किए गए अवैध निर्माणों जैसी अनियमितताओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अगर कोई पुलिस पर पत्थर फेंकने की हिम्मत करेगा, तो बीजेपी उसे उचित सबक सिखाएगी। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों पर न्याय का भरोसा दिया। अधिकारी ने ऐलान किया है कि आरजी कर अस्पताल से लेकर कामदुनी, पार्क स्ट्रीट, कस्बा लॉ कॉलेज और बोगतुई तक महिलाओं के खिलाफ किए गए अत्याचार के हर एक मामले की कड़ी कानूनी जांच की जाएगी और दोषियों को सजा दिलाई जाएगी।

ममता बनर्जी का बड़ा दावा : दिल्ली की सत्ता से जल्द हटेगी भाजपा सरकार

-बुलडोजर संस्कृति के खिलाफ आंदोलन चलाने का किया ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। कालीघाट स्थित अपने आवास पर पार्टी विधायकों की बैठक को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि आने वाले दिनों में भाजपा को केंद्र की सत्ता से हटा दिया जाएगा। राज्य के हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की है, जिसके साथ ही राज्य में पिछले 15 सालों से चला आ रहा तृणमूल कांग्रेस का शासन समाप्त हो गया है। इस हार के बाद भी टीएमसी नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा के खिलाफ उनकी राजनीतिक लड़ाई जारी रहेगी।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में नई सरकार के आने के बाद से अल्पसंख्यक समुदायों और सड़क किनारे दुकान लगाने वाले हॉकर्स को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तथाकथित तानाशाही और बुलडोजर संस्कृति के कारण जनता में रोष बढ़ेगा, जो अंततः केंद्र की सरकार को सत्ता से बाहर कर देगा। इसके विरोध में टीएमसी ने कोलकाता, बालीगंज, हावड़ा जंक्शन और सियालदह रेलवे स्टेशन के आसपास बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू करने की घोषणा की है। उन्हें उम्मीद है कि यह जन-आंदोलन भाजपा के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी माहौल तैयार करेगा।

बैठक में टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी वर्तमान मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोला। उन्होंने साफ किया कि केंद्रीय एजेंसियों के नोटिस या दंडात्मक कार्रवाइयों के आगे वे झुकने वाले नहीं हैं और भाजपा के खिलाफ उनका संघर्ष जारी रहेगा।

दूसरी तरफ, चुनाव के नतीजे आने के बाद राज्य के कई हिस्सों से हिंसा, आगजनी और झड़पों की खबरें आई हैं। इस मामले में टीएमसी ने कानूनी रास्ता अपनाते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव परिणामों के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं और उनके कार्यालयों को निशाना बनाया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ममता बनर्जी खुद वकील की पोशाक पहनकर कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अदालत में पेश हुईं। उन्होंने अदालत से मांग की है कि प्रभावित कार्यकर्ताओं को तुरंत सुरक्षा दी जाए और इस पूरी हिंसा की कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराई जाए। उल्लेखनीय है कि इस विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक बहुमत के साथ राज्य में अपनी सरकार बनाई है, जबकि सत्ताधारी टीएमसी केवल 80 सीटों पर सिमट गई है। इस राजनीतिक उलटफेर के बाद राज्य में माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है।

अल-नीनो ने दिखाया असर तो मानसून होगा कमजोर, मंडरा रहा खतरा

-चावल और अन्य खरीफ फसलों के उत्पादन पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगाई, गर्मी और मौसम की मार झेल रहे लोगों के सामने अब एक और बड़ा खतरा मंडराने लगा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस साल अल-नीनो का असर भारतीय मानसून को कमजोर कर सकता है, जिससे चावल और अन्य खरीफ फसलों के उत्पादन पर असर पड़ सकता है। खासतौर पर यूपी, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में स्थिति चिंताजनक हो सकती हैं, जहां बड़ी आबादी का मुख्य भोजन चावल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन में सामने आया है कि अल-नीनो वाले सालों में देश के कई जिलों में खरीफ फसलों की पैदावार में भारी गिरावट आई थी। अध्ययन के मुताबिक पिछले अल-नीनो वर्षों के दौरान 77 जिलों में चावल का उत्पादन 10 फीसदी से ज्यादा घट गया था। वहीं मक्का उत्पादन भी 65 जिलों में गंभीर रूप से प्रभावित हुआ। इसके अलावा ज्वार और बाजरा जैसी फसलों की पैदावार में भी कई जिलों में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई।

शोधकर्ताओं के मुताबिक अल-नीनो की स्थिति तब बनती है जब प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। इसका सीधा असर भारतीय मानसून पर पड़ता है और बारिश कम होती है। मानसून कमजोर होने से खरीफ सीजन की खेती प्रभावित होती है, जिससे धान, मक्का और अन्य फसलों का उत्पादन घट जाता है। यह अध्ययन 2023 में प्रकाशित हुआ था, जिसमें 2002, 2004 और 2009 जैसे प्रमुख अल-नीनो वर्षों का विश्लेषण किया गया।

अध्ययन में पाया कि आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, झारखंड और ओडिशा के कई जिलों में धान की पैदावार में उल्लेखनीय कमी आई थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि इस साल भी अल-नीनो का प्रभाव रहा तो खरीफ फसलों के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है। इसी बीच उत्तर भारत में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, जबकि आने वाले दिनों में इसके 45 डिग्री तक जाने की संभावना है।

मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। ऐसे हालात में यदि मानसून कमजोर रहता है तो खेती और जल संसाधनों दोनों पर दबाव बढ़ सकता है। आईसीएआर के कृषि भौतिकी विभाग से जुड़े वैज्ञानिकों का मानना है कि सरकार को अभी से तैयारी शुरू करनी होगी। सूखा सहन करने वाली फसल किस्मों को बढ़ावा देना, किसानों को मौसम आधारित सलाह उपलब्ध कराना, सिंचाई व्यवस्था मजबूत करना और जिला स्तर पर वैकल्पिक रणनीतियां तैयार करना बेहद जरूरी होगा। वैज्ञानिकों ने यह भी कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण अल-नीनो जैसी घटनाएं अब ज्यादा देखने को मिल रही हैं, इसलिए पारंपरिक खेती पद्धतियों में बदलाव समय की मांग बन चुका है। किसानों की चिंता इस बात को लेकर भी है कि यदि समय पर पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो धान की बुवाई और उत्पादन दोनों प्रभावित होंगे।

राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया धरना-प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को भाजपा उधवा एवं राधानगर मंडल के संयुक्त तत्वावधान में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किसानों,युवाओं एवं गरीब जनता की समस्याओं को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों,किसानों की बदहाल स्थिति,युवाओं की बेरोजगारी तथा गरीबों के साथ हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि झारखंड में किसान,युवा और गरीब सभी परेशान है?। लेकिन सरकार सिर्फ घोषणाओं और झूठे वादों तक सीमित होकर रह गई है। किसानों से 3200 रुपये प्रति क्विंटल धान

खरीदने का वादा किया गया था। लेकिन आज तक यह वादा पूरा नहीं हुआ। धान खरीद में देरी,बकाया भुगतान,खाद की कालाबाजारी और बेमौसम बारिश से किसानों की हालत बद से बदतर हो गई है। किसानों को समय पर मुआवजा और राहत तक नहीं मिल रही है। धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि झारखंड का युवा आज ठगा हुआ महसूस कर रहा है। भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी,पेपर लीक,भ्रष्टाचार और बढ़ती बेरोजगारी ने युवाओं का भविष्य अंधकार में डाल दिया है। स्थानीय युवा रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर है। लेकिन सरकार युवाओं को रोजगार देने के बजाय सिर्फ आश्वासन देने में व्यस्त है। वक्ताओं ने मईया सम्मान योजना में सत्यापन के नाम पर हो रही अवैध वसूली को गंभीर भ्रष्टाचार बताते हुए इसकी उच्चस्तरीय जांच की मांग की। कहा गया कि गरीब माताओं-बहनों के सम्मान के नाम पर उनसे पैसा वसूलना बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। साथ ही उधवा प्रखंड की जीवन रेखा माने जाने वाले उदय नाला की बदहाल स्थिति को भी प्रमुख मुद्दा बनाया गया। वक्ताओं ने कहा कि वर्षों से उदयनाला की गाद निकासी नहीं होने के कारण नाला पूरी तरह जर्जर और अवरुद्ध होता जा रहा है। इसका सीधा असर किसानों की सिंचाई व्यवस्था पर पड़ रहा है और हजारों एकड़ खेती प्रभावित हो रही है। सरकार की लापरवाही के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। मांग की गई कि अविलंब उदय नाला की सफाई एवं गाद निकासी कराई जाए ताकि किसानों को राहत मिल सकें। सरकार से मांग की गई कि किसानों को तुरंत 3200 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य दिया जाए,फसल नुकसान का उचित मुआवजा मिले,खाद-बीज की कालाबाजारी पर रोक लगे,युवाओं के लिए पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया लागू हो तथा मईया सम्मान योजना में हो रही अवैध वसूली पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अंत में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड भाजपा प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो,जिला अध्यक्ष गौतम यादव,भाजयुमो जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र मंडल,कार्तिक साहा, धनंजय मंडल, सुनील प्रामाणिक,विक्रम सरकार, विजय मंडल,पिंटू घोष,हरिबोल मंडल, बरुन मंडल, चिरंजीव सरकार, ललन राय, राहुल भगत, देवाशीष मालाकार, शांती देवी,मनोज ठाकुर, उमाकांत मंडल, प्रीतम मंडल, सुकदेव मंडल,उदय मंडल, कमलेश मंडल, दुर्योधन मंडल,असित दास एवं कार्तिक घोष सहित अन्य मौजूद थे।

रामपुर में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा का हुआ समापन, उमड़ी लोगों की भीड़

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत अंतर्गत रामपुर में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा मंगलवार की देर रात संपन्न हो गया। श्रीराम कथा के समापन पर स्थानीय व दूर -दराज से बड़ी संख्या में भक्तों की उमड़ पड़ी। इस दौरान उत्तर प्रदेश के अयोध्या से आए कथावाचक आचार्य धनंजय वैष्णव जी महाराज ने कहा कि संसार में बुराई चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों ना बन जाएं?। वह अच्छाई के सामने अधिक दिनों तक टिक नहीं सकता है। अच्छाई और सच्चाई की हमेशा ही जीत के साथ होते है। पापियों के पाप का घड़ा एक दिन अवश्य भरता है। जिस वजह से उसका अंत बड़ा ही दुखद तरीके से होता है। उन्होंने कहा कि रावण वध के बाद प्रभु श्रीराम अयोध्या लौट गए। जहां उनका विधि विधान पूर्वक राज्याभिषेक किया गया। राम ने अपने प्रजा के सुख-सुविधा सहित सभी समस्याओं का निदान सुचारू तरीके से करते रहें। इनके शासन चलाने की नीति अत्यंत ही सरल थी। न्याय की उम्मीद लेकर आने वाले सभी इंसान को इंसाफ मिलता था। जहां दोषी पाए जाने वाले लोगों को सजा दी जाती थी। वहीं निर्दोष को सम्मान और आदर प्रदान किए जाते थे। आज भी इस संसार में लोग राम राज्य की कल्पना करते है। क्योंकि राम के शासन काल में किसी भी इंसान के साथ नाइंसाफी नहीं हुई। इनके दरबार में जो भी व्यक्ति पहुंचे। उनके साथ इंसाफ अवश्य हुआ। मानव जीवन को साकार करने का एक मात्र सहारा राम का नाम है। इनके नाम का स्मरण मात्र ही लोगों को जीवन के सन्मार्ग पर ले जाते है। कथावाचक ने कहा कि प्रतिदिन अपने घरों में हनुमान चालीसा पाठ जरूर करें। मौके पर कमिटी के निमाई चंद्र मंडल,धर्मराज मंडल,संदीप साहा,कुश कुमार रविदास,तरुण साहा,सोना चांद साहा,राजू ठाकुर,विनय साहा सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

राजमहल के मानसिंघा गांव में सड़क किनारे गड्ढे में गिरने से 12 वर्षीय साइकिल सवार घायल, रेफर

राजमहल(बिभा) । राजमहल थाना क्षेत्र के मनसिघा गांव में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना घटी। यहां मुख्य सड़क किनारे बने एक गड्ढे में अनियंत्रित होकर गिर जाने से एक किशोर साइकिल चालक बुरी तरह घायल हो गया।वही जानकारी के अनुसार, हसन शेख का 12 वर्षीय पुत्र कल्लू शेख अपनी साइकिल लेकर घर से बाजार की ओर जा रहा था। इसी दौरान अचानक उसकी साइकिल अनियंत्रित हो गई और वह सड़क किनारे बने गड्ढे में जा गिरा। इस हादसे में कल्लू को गंभीर चोटें आईं। वही स्थानीय लोगों और परिजनों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल, घटना के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क किनारे के गड्ढे को जल्द से जल्द भरने की मांग की है, ताकि आगे ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

उधवा के एक 17 वर्षीय बालक रांची जंक्शन से लापता

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड क्षेत्र के पूर्वी उधवा पंचायत अंतर्गत जंगलपाड़ा गांव के एक 17 वर्षीय बालक सोमवार को रांची जंक्शन से अचानक लापता हो गया। जानकारी के अनुसार लापता बालक के पिता प्रदीप मंडल ने बताया कि बीते दिनों उनके पुत्र समीर कुमार मंडल अपने नानी के साथ इलाज कराने के लिए रांची गया था। परिजनों के मुताबिक उनके पुत्र का मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। साथ ही उन्होंने बताया कि इलाज कराकर उनके पुत्र अपने घर लौटने के लिए रांची जंक्शन आया था। सोमवार को रांची जंक्शन से उनके पुत्र अचानक लापता हो गया। आसपास काफी खोजबीन करने पर उक्त बालक का कोई अता-पता नहीं चल पाया है।

प्रशासन ने मिट्टी लदा एक ट्रैक्टर को किया जब्त

राधानगर/उधवा (बिभा)। राधानगर थाना क्षेत्र के दियारा क्षेत्रों में गंगा नदी किनारे से अवैध मिट्टी का उत्खनन पर राधानगर पुलिस व उधवा अंचल प्रशासन ने बुधवार को संयुक्त रूप से छापेमारी कर एक मिट्टी लदा ट्रैक्टर जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार दियारा क्षेत्रों में गंगा किनारे मिट्टी उत्खनन की सूचना पर राधानगर पुलिस व अंचल प्रशासन ने थाना क्षेत्र के उत्तर पलाशगाछी पंचायत के कुटीमोड़ से एक मिट्टी लदा ट्रैक्टर जब्त किया है। जब्त ट्रैक्टर को राधानगर थाना लाया है। इस संबंध में बीडीओ सह अंचलाधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने बताया कि विधिवत कार्रवाई की जा रही है।

धनबाद पुलिस को मिली 45 हाईटेक पेट्रोलिंग बाइक

धनबाद(बिभा)। धनबाद पुलिस अब अपराधियों पर और तेजी से शिकंजा कसने की तैयारी में है। बुधवार को पुलिस केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार ने 45 पेट्रोलिंग बाइक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिले के सभी थानों को कुल 45 अत्याधुनिक बाइक उपलब्ध कराई गई है, जो अपराध नियंत्रण और पुलिस रिस्पॉन्स टाइम को और बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। इन बाइकों में सायरन, ब्लिंकर्स और जीपीएस जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं, जिनकी मॉनिटरिंग सीधे पुलिस कंट्रोल रूम से की जा सकेगी। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले भी थानों और सिटी हॉक्स को नई बाइक उपलब्ध कराई गई थी, जिसके बाद अब धनबाद पुलिस के पास करीब 250 पेट्रोलिंग बाइक हो चुकी हैं। एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि इन बाइकों का उद्देश्य पुलिसिंग को मजबूत करना है, ताकि जहां चारपहिया वाहन नहीं पहुंच पाते वहां पुलिस तेजी से मौके पर पहुंच सके। उन्होंने बताया कि धनबाद में 112 सेवा का रिस्पॉन्स टाइम अब 10 मिनट से भी कम हो गया है, जो पूरे झारखंड में बेहतर माना जा रहा है। वहीं उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि अपराधी लगातार नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं, ऐसे में पुलिस को भी अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किया जा रहा है। कंट्रोल रूम को भी हाईटेक बनाया गया है, जहां से जिलेभर की गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि इन सभी प्रयासों का मकसद पुलिसिंग को और प्रभावी बनाना एवं अपराध पर नियंत्रण स्थापित करना है।

बीएलओ एप के माध्यम से विसंगति मैपिंग जल्द ठीक करें : एसडीओ

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बुधवार को बीएलओ एवं सुपरवाइजर की बैठक तालझारी प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में आयोजित कि गई। वहीं बैठक की अध्यक्षता सदर एसडीओ अमर जॉन आइन्द ने किया। वहीं बैठक में बीएलओ के कार्य की भौतिक समीक्षा की गयी। वहीं एसडीओ ने कहा कि सभी बीएलओ सुपरवाइजर यह सुनिश्चित करें कि सभी मतदान केंद्र में मैपिंग कार्य 80 प्रतिशत हो जाय। साथ ही सभी बीएलओ बीएलओ एप के माध्यम से विसंगति मैपिंग को भी ठीक करें। ताकि आपका कार्य सही ढंग से दिखे। साथ ही जो मतदाता गांव में कोई नहीं पहचानता वैसे मतदाताओं को हटाने के लिये आम सभा के माध्यम से फोर्म 11 में भर कर हटाये। साथ ही कहा घरों में बीएलओ वाला स्टीकर चिपकाने कार्य को शत प्रतिशत कर लें। एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ एवं डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्रों को सिस्टम के माध्यम से चिन्हित कर हटाने का निर्देश दिया। इस दौरान सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद ,नोडल पदाधिकारी नवीन कुमार, राजा राम महतो, संगीता कुमारी, सुपरवाइजर मिथलेश पाण्डेय, सीआई ,मो ,रिजवान, राजेंद्र मंडल ,मनोज कुमार,मो नजरूल सहित बीएलओ मौजूद थे।

भाजपा का धरना-प्रदर्शन, किसानों से वादा खिलाफी का लगाया आरोप

बिभा संवाददाता

तालझारी। राज्य सरकार के खिलाफ बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने तालझारी प्रखंड कार्यालय परिसर में पार्टी के मंडल अध्यक्ष बेटका सोरेन के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया। मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार पर किसानों के साथ वादा खिलाफी करने का आरोप लगाया। वहीं भाजपा नेताओं ने कहा कि राज्य की महागठबंधन सरकार ने चुनाव से पहले किसानों के हित में कई बड़े वादे किए थे, लेकिन सरकार बनने के बाद उन वादों को पूरा नहीं किया गया। नेताओं ने आरोप लगाया कि झामुमो व कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में किसानों को धान का 3200 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य देने, वन उत्पादों के एमएसपी में 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने, कृषि कार्य के लिए मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने, सस्ती दरों पर खाद-बीज एवं कृषि उपकरण देने समेत कई घोषणाएं की थीं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रत्येक पंचायत में कृषि यंत्र बैंक और बहुउद्देशीय गोदाम निर्माण, एक रुपये प्रति डिसमिल की दर से फसल बीमा योजना तथा एक रुपये प्रति पशुधन की दर से पशु बीमा सुविधा देने का भी वादा किया गया था, जिसे सरकार भूल चुकी है। धरना-प्रदर्शन के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम बीडीओ सह सीओ राम सुमन प्रसाद को 12 सूत्री मांगपत्र सौंपा। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं मौजूद थे।

पत्रकार को पितृशोक

साहेबगंज। शहर के हिन्दी दैनिक समाचार पत्र श्वेत पत्र के पत्रकार मो. काजू के पिता हाजी मोहम्मद मुस्ताक अहमद का बुधवार को निधन हो गया। वे 86 वर्ष के थे। जानकारी के अनुसार हाजी मोहम्मद मुस्ताक अहमद वन परिसर पदाधिकारी के पद से वर्ष 2001 में सेवानिवृत्त हुए थे। लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे मुस्ताक अहमद ने बुधवार अपराह्न करीब 03:30 बजे अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से पत्रकारों एवं शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। कई सामाजिक एवं पत्रकारिता जगत से जुड़े लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

हैंड हेल्ड एक्स-रे जांच एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। सिविल सर्जन के निदेर्शानुसार एवं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. किरण माला की उपस्थिति में जिले में संचालित 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों में हैंड हेल्ड एक्स-रे जांच एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं अभियान के तहत राजमहल प्रखंड के बुधवारिया क्षेत्र में 123 लोगों, बरहरवा प्रखंड के इस्लामपुर आयुष्मान आरोग्य मंदिर में 58 लोगों तथा सदर प्रखंड, साहेबगंज अंतर्गत वर्क प्लेस स्क्रीनिंग के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सदर में 66 लोगों की हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से जांच की गई। इस प्रकार कुल 247 लोगों की जांच की गई। साथ ही, आयुष्मान शिविर में उपस्थित लोगों को टीबी (यक्ष्मा) रोग के लक्षण, बचाव, समय पर जांच एवं पूर्ण उपचार के महत्व के संबंध में जागरूक किया गया। लोगों को बताया गया कि लगातार खांसी, वजन कम होना, बुखार एवं कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराना आवश्यक है। वहीं कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा समुदाय को टीबी मुक्त भारत अभियान से जुड़ने तथा अपने आसपास के लोगों को भी टीबी के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले को टीबी मुक्त बनाने के उद्देश्य से लगातार जांच, स्क्रीनिंग एवं जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

पंचायत समिति बैठक में विकास योजनाओं को मिली मंजूरी, पारदर्शिता पर जोर

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल प्रखंड विकास की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, राजमहल प्रखंड कार्यालय में बुधवार को पंचायत समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख लक्ष्मी उरांव ने की, जिसमें मुख्य रूप से 15वें वित्त आयोग की निधि से विकास योजनाओं के चयन एवं क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा हुई। वही बैठक के दौरान उपस्थित सभी पंचायत समिति सदस्यों ने एकजुटता का परिचय देते हुए सर्वसम्मति से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, पेयजल, स्वच्छता एवं सड़क निर्माण से जुड़ी कई नई योजनाओं को हरी झंडी दे दी। सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि चयनित परियोजनाएं जनहित के साथ-साथ अत्याधुनिक जरूरतों को भी पूरा करें। वही राजमहल प्रखंड प्रमुख लक्ष्मी उरांव ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा, ₹हमारा लक्ष्य हर ग्राम पंचायत तक विकास की किरण पहुंचाना है। 15वें वित्त की राशि का सदुपयोग ही हमारी प्राथमिकता होगी। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।₹ उनके साथ बैठक में मौजूद प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) ने भी अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी मंजूरशुदा योजनाओं का कार्य पूरी पारदर्शिता, उच्च गुणवत्ता और निर्धारित समयसीमा के भीतर शुरू किया जाए। किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार या लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। वही बैठक में अधिकारियों को साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने और जनता की शिकायतों के त्वरित निराकरण के भी निर्देश दिए गए। पंचायत समिति के सदस्यों ने प्रमुख के इस कड़े रुख का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि इससे राजमहल प्रखंड के विकास को नई गति मिलेगी।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: ओ-एसी-टी-33 से 36-26-27 (खुली), दिनांक 18.05.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, केस संख्या** : ओ-एसी-टी-33-26-27, **कार्य का नाम:** डीईएन/4/आसनसोल के कार्यक्षेत्र के अधीन अण्डाल में क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को बदलने के लिए खुली निविदा । **निविदा मूल्य :** रु.52,43,043.56, **बयाना राशि :** रु. 1,04,900/-, **कार्य समाप्त करने की अवधि:** 06 माह । **क्रम सं. 2, केस संख्या** : ओ-एसी-टी-34-26-27, **कार्य का नाम:** निम्नलिखित कार्य के लिए खुली निविदा- मेहशमुंडा (एमएमडी) स्टेशन पर रैंप और शेड के साथ एफओबी का प्रावधान। **निविदा मूल्य :** रु.3,54,00,354.07, **बयाना राशि :** रु. 7,08,000/-, **कार्य समाप्त करने की अवधि:** 12 माह । **क्रम सं. 3,** केस संख्या : ओ-एसी-टी-35-26-27, **कार्य का नाम:** एईएन/मधुपुर के अधीन एसएसई/पी.वे/मधुपुर के खंड में मधुपुर-गिरिडीह लाइन के लिए ट्रैक की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु.64,77,484.70, **बयाना राशि :** रु. 1,29,600/-, **कार्य समाप्त करने की अवधि:** 12 माह। **क्रम सं. 4,** केस संख्या : ओ-एसी-टी-36-26-27, **कार्य का नाम:** अजय नदी से जसीडीह स्टेशन तक अतिरिक्त बोरिंग एवं वाटर पाइपलाइन कनेक्शन और अन्य संबंधित विविध कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु.8,77,79,797.55, **बयाना राशि :** रु. 17,55,600/-, **कार्य समाप्त करने की अवधि:** 12 माह । **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 12.06.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-95/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

झारखंड-बंगाल की 130 बालिकाएं एक माह के आवासीय प्रशिक्षण शिविर में लेंगी हिस्सा

बिभा संवाददाता

बरहरवा। फरक्का एनटीपीसी में मंगलवार को गर्ल एम्पावरमेंट मिशन का भव्य शुभारंभ किया गया। बतौर मुख्य अतिथि के रूप में एनटीपीसी के निदेशक जयकुमार श्रीनिवासन उपस्थित रहे। जानकारी के अनुसार फरक्का स्थित आरएलआई पीटीएस परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल मुर्शिदाबाद मालदा सहित झारखंड के साहिबगंज जिलों के 26 विद्यालयों की 130 बालिकाएं भाग ले रही हैं। यह 17 मई से 13 जून तक चलने वाले इस एक माह के आवासीय कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तित्व विकास के माध्यम से सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के

दौरान प्रतिभागी बालिकाओं को शैक्षणिक अध्ययन, एसटीईएम एवं डिजिटल शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, आत्मरक्षा, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और नेतृत्व कौशल से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत बाल भवन के विद्यार्थियों द्वारा गणेश वंदना से की गई। मौके पर फरक्का एनटीपीसी के मानव संसाधन प्रमुख आलोक कुमार रणबीर ने कहा कि यह पहल महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास की दिशा में एनटीपीसी की महत्वपूर्ण सामाजिक उत्तरदायित्व योजना है। इस दौरान पूर्व प्रतिभागियों नाज़िया और सिरिन ने अपने अनुभव साझा करते हुए नई छात्राओं को प्रेरित किया। समारोह में जेम 2025 की उपलब्धियों पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। वहीं बाल भवन, दिल्ली पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, आशा वेलफेयर एसोसिएशन और उदिता लेडीज क्लब द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह को आकर्षक बना दिया। परियोजना प्रमुख देबब्रत कर ने कहा कि गर्ल एम्पावरमेंट मिशन एनटीपीसी की सबसे प्रभावशाली सीएसआर पहलों में से एक है, जो बालिकाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रही है। मौके पर जयकुमार श्रीनिवासन ने आयोजकों और प्रशिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बालिकाओं को अवसर और मंच प्रदान करना समय की आवश्यकता है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार कर सकें।

स्थान	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	84	87.50
2	न्यूजीलैंड	3	2	0	1	28	77.78
3	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
4	श्रीलंका	2	1	0	1	16	66.67
5	बांग्लादेश	4	2	1	1	28	58.33
6	भारत	9	4	4	1	52	48.15
7	इंग्लैंड	10	3	6	1	38	31.67
8	पाकिस्तान	4	1	3	0	4	8.33
9	वेस्टइंडीज	8	0	7	1	4	4.17

हारा पाकिस्तान, पर नुकसान भारत को हुआ

टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश ने किया पाक का सूपड़ा साफ

सिलहट (एजेंसी)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराकर इतिहास रच दिया। सिलहट टेस्ट में 78 रन की जीत के साथ बांग्लादेश ने पाकिस्तान का सूपड़ा साफ किया। हालांकि इस नतीजे का असर भारत पर पड़ा, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में छठे स्थान पर खिसक गया। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 78 रन से हराकर सीरीज अपने नाम की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद बांग्लादेश को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में बड़ा फायदा हुआ, जबकि भारत को नुकसान झेलना पड़ा।

ताइजुल इस्लाम बने जीत के हीरो - बांग्लादेश की जीत के सबसे बड़े हीरो लेफ्ट आर्म स्पिनर ताइजुल इस्लाम रहे। उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। ताइजुल ने मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए लगातार दबाव बनाए रखा और अहम मौकों पर विकेट निकाले।

पाकिस्तान की लगातार चौथी हार - यह पाकिस्तान की बांग्लादेश के खिलाफ लगातार चौथी टेस्ट हार रही। इस हार के साथ ही शान मसूद की कप्तानी पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। टीम का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने का सपना भी इस हार से बड़ा झटका लगा है।

मुश्फिकुर और लिटन दास ने रखा जीत की नींव - पहली पारी में बांग्लादेश 278 रन पर ऑलआउट हुआ था, जिसमें लिटन दास ने 126 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में पाकिस्तान की टीम 232 रन ही बना सकी।

बाबर आजम ने 68 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज फ्लॉप रहे। दूसरी पारी में बांग्लादेश ने मैच पूरी तरह अपने कब्जे में ले लिया। अनुभवी बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम ने 137 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि लिटन दास ने 69 रन बनाए। बांग्लादेश ने 390 रन बनाकर पाकिस्तान के सामने 437 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा।

बांग्लादेश ने टेस्ट सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप की

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 78 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने आखिरी दिन संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम रिकॉर्ड रन चेज पूरा करने में नाकाम रही।मोहम्मद रिजवान ने एक छोर संभालते हुए शानदार 94 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन वह टीम को ऐतिहासिक जीत नहीं दिला सके। रिजवान के आउट होते ही पाकिस्तान की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो गईं और बांग्लादेश ने लगातार दूसरी बार पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर दिया।

मैच का परिणाम

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 78 रन से हराया

- बांग्लादेशः 278 और 390
- पाकिस्तानः 232 और 358
- बांग्लादेश ने सीरीज 2-0 से जीती

रिजवान ने दिखाई लड़ाई, लेकिन नहीं मिला साथ

437 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने पांचवें दिन 316/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। शुरुआत में रिजवान को जीवनदान भी मिला, जब मेहदी हसन मिराज ने उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद रिजवान और साजिद खान ने तेज बल्लेबाजी करते हुए आठवें विकेट के लिए 50 रन जोड़े। साजिद खान 28 रन बनाकर ताइजुल इस्लाम का शिकार बने। इसके बाद रिजवान अकेले लड़ते रहे, लेकिन शोरीफुल इस्लाम की गेंद पर आउट होकर शतक से सिर्फ 6 रन दूर रह गए। उन्होंने 166 गेंदों में 94 रन बनाए। आखिर में ताइजुल ने खुर्रम शहजाद का विकेट लेकर बांग्लादेश को 78 रन की शानदार जीत दिलाई।

अनिल कुंबले ने माना

भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की रेंज और स्वभाव उन्हें अन्य बल्लेबाजों से अलग करता है और वह आईपीएल के एक सत्र में सर्वाधिक छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच सकते हैं वैभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूर्यवंशी आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी तक 53 छक्के लगा चुके हैं और गेल के 2012 में लगाए गए 59 छक्कों के रिकॉर्ड की बराबरी करने से केवल छह छक्के दूर हैं।

इस 15 वर्ष के बल्लेबाज ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स की तरफ से लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 38 गेंद में 93 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 7 चौके शामिल हैं।

इस तूफानी पारी की बदौलत उनकी टीम ने 221 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट से आसान जीत हासिल की। कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'उन्होंने इस आईपीएल सत्र में अभी तक ही 53 छक्के लगा दिए हैं। एक सत्र में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 59 छक्के लगाए हैं। मुझे लगता है वैभव सूर्यवंशी गेल का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'बहुत कम बल्लेबाज कवर के ऊपर से इतनी आसानी से छक्के मार सकते हैं, लेकिन सूर्यवंशी ने दिग्वेश राठी के खिलाफ कई बार ऐसा किया। मुझे खुशी है कि लोगों के पास अब भी ऐसी प्रतिभा का वर्णन करने के लिए शब्द हैं। मेरे पास तो शब्द कम पड़ते जा रहे हैं। यह लड़का बहुत खास है। वह इतनी छोटी उम्र में भी पूरी परिपक्वता दिखाते हैं।'

सबसे कम उम्र में बनाया बड़ा रिकॉर्ड

इस पारी के साथ वैभव सूर्यवंशी आईपीएल के एक सीजन में 500 रन पूरे करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उन्होंने ऋषभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2018 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) के लिए 20 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

यशस्वी जायसवाल ने भी की जमकर तारीफ

राजस्थान रॉयल्स के कार्यवाहक कप्तान यशस्वी जायसवाल ने मैच के बाद टीम के प्रदर्शन की जमकर सराहना की। उन्होंने जोफ्रा आर्चर और बृजेश शर्मा की गेंदबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि बल्लेबाजों ने मैच पूरी तरह खत्म कर दिया। जायसवाल ने कहा, 'हर खिलाड़ी ने मेहनत की और टीम के लिए योगदान दिया। हमें पता था कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है। पावरप्ले में जोफ्रा की गेंदबाजी शानदार रही। वहीं वैभव और ध्रुव ने बल्लेबाजी से मैच खत्म कर दिया।'

- **'मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं, इसलिए जल्दबाजी नहीं -वैभव सूर्यवंशी** - राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से आईपीएल 2026 में तहलका मचा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर में खेले गए मुकाबले में 15 वर्षीय बल्लेबाज ने सिर्फ 38 गेंदों में 93 रन ठोककर टीम को शानदार जीत दिलाई। मैच के बाद वैभव ने अपनी पारी को लेकर बड़ा बयान दिया और बताया कि उन्होंने शुरुआत में संयम से बल्लेबाजी क्यों की।वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि उन्हें अपनी ताकत पर पूरा भरोसा था और वह जानते थे कि वह किसी भी समय लगातार चौके-छक्के लगा सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने शुरुआत में जल्दबाजी नहीं की और विकेट पर समय बिताने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'मेरी सोच यही थी कि मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं। इसलिए मैंने शुरुआत में ज्यादा जल्दबाजी नहीं की और मैच को आखिर तक ले जाने की कोशिश की।' युवा बल्लेबाज ने बताया कि गेंदबाजी के दौरान बाहर बैठकर उन्होंने पिच को अच्छी तरह समझ लिया था। उन्हें महसूस हो गया था कि विकेट बल्लेबाजी के लिए शानदार है, इसलिए उन्होंने शुरुआत में थोड़ा समय लेने का फैसला किया। वैभव ने कहा, 'जब मैं बाहर बैठा था तब मैंने देखा कि विकेट काफी अच्छा है। मैंने सोचा कि शुरुआत में ज्यादा जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। अगर मैं ज्यादा देर तक बल्लेबाजी करूंगा तो दूसरे बल्लेबाज को भी मदद मिलेगी।'

ऋषभ पंत की फिसली जुबा

प्रेजेंटेशन में लखनऊ टीम के लिए बोल गए अपशब्द

जयपुर (एजेंसी)। कप्तान ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स की 13 मैचों में नौवीं हार के बाद पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में टीम के लिए अपशब्द बोल गए। आईपीएल2026 में वे प्लेऑफ की दौड़ से बहुत पहले ही बाहर हो चुके हैं। टीम फिलहाल अंक तालिका में सबसे नीचे है और अब इस सीजन के खत्म होने से पहले उन्हें सिर्फ एक आखिरी मैच की औपचारिकता पूरी करनी है। पंत शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जब उन्होंने कहा, 'हम एक टीम के तौर पर गर्व महसूस करते हैं, चाहे अभी हमारी स्थिति कैसी भी हो। हमारी टीम जैसी है, हमें पता है कि हम जीत सकते हैं। चाहे कुछ भी हो, हम टीम और खिलाड़ी के तौर पर बहुत आत्मविश्वासी हैं। चीजें हमारे हिसाब से नहीं गईं और ये सब जानते हैं, लेकिन इससे ये सच नहीं बदलता कि हम एक (अपशब्द) अच्छी टीम हैं।' एलएसजी की सबसे बड़ी समस्या उनकी बल्लेबाजी रही है। खुद पंत का सीज़न बेहद खराब रहा है, जहां उन्होंने 12 पारियों में सात बार 20 या उससे कम रन बनाए। उनके आसपास के बड़े खिलाड़ी, जैसे- निकोलस पूरन भी फॉर्म में नहीं दिखे। यहां तक कि मिचेल मार्श, जिन्होंने हाल ही में शतक लगाया था और मंगलवार को 96 रन बनाए, उनका भी इस आईपीएल में आगाज धीमा रहा था। टीम डायरेक्टर टॉम मूडी ने माना कि ख़ासकर मध्य क्रम का ख़राब प्रदर्शन, टीम के इस औसत प्रदर्शन की बड़ी वजह रहा, जिसकी वजह से टीम लगातार अंक तालिका के निचले हिस्से में रही। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ बल्लेबाजों ने ठीक प्रदर्शन किया, लेकिन गेंदबाज वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के सामने बुरी तरह दबाव में आ गए। सूर्यवंशी ने 38 गेंदों में 93 रन बनाए जबकि जायसवाल ने 23 गेंदों में 43 रन की पारी खेली। ऋऋके सलामी बल्लेबाजों ने 221 रन के लक्ष्य में से 75 रन सिर्फ 39 गेंदों में ही जोड़ दिए। पंत ने अपनी टीम का बचाव करते हुए कहा, 'कभी-कभी मुश्किल हो जाता है। ऐसी सपाट विकेट पर गेंदबाजों के पास बहुत कम गुंजाइश होती है और बहुत ज्यादा सलाह देना काम नहीं करता। कभी-कभी आपको प्लान को आसान रखना पड़ता है, हर गेंद पर ध्यान देना होता है और उसी प्लान को सही तरीके से लागू करने की कोशिश करनी होती है।'

दीपिका-अतानु एशियन गेम्स की भारतीय तीरंदाजी टीम से बाहर

ट्रायल्स में अपने-अपने मैच हार

धीरज-ज्योति सुरेखा टॉप पर रहे

सोनीपत (एजेंसी)। 4 बार की ओलिंपियन दीपिका कुमारी और उनके पति अतनुदास को एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय तीरंदाजी टीम में जगह नहीं मिली। दोनों सोनीपत के साई सेंटर में आयोजित 3 दिनी ट्रायल्स में अपने-अपने मैच हार गए। भारतीय तीरंदाजी संघ ने ट्रायल के बाद जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया। रिकर्व कैटेगरी में दीपिका कुमारी और अतानु चौथे स्थान पर रहे, इसलिए वे एशियन गेम्स टीम से बाहर हो गए। कंपाउंड में अभिषेक वर्मा भी एशियाड का टिकट हासिल नहीं कर सके। तीसरे और आखिरी स्थान के लिए अनुभवी दीपिका कुमारी और युवा ओलिंपियन अंकिता भकत के बीच कांटे की टक्कर हुई। शुरुआती तीन राउंड्स के बाद दोनों 10.75 पॉइंट्स पर बराबरी पर थीं। शूट-ऑफ में अंकिता ने बाजी मारी और एशियन गेम्स टीम का तीसरा व आखिरी बर्थ हासिल किया।

19 साल की कीर्ति शर्मा टॉप पर रहीं, कुमकुम दूसरे नंबर पर रहीं - महिलाओं के रिकर्व सेक्शन में युवाओं ने सीनियर खिलाड़ियों को पछाड़ दिया। 19 साल की तीरंदाज कीर्ति शर्मा ने ट्रायल्स में 13.5 पॉइंट्स के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं महाराष्ट्र की तीरंदाज कुमकुम मोहोद दूसरे स्थान पर रहीं। दोनों खिलाड़ियों ने सीधे एशियन गेम्स टीम में जगह पक्की की।

दीपिका लगातार दूसरे एशियाड से बाहर, वर्ल्डकप टीम में जगह

दिग्गज तीरंदाज दीपिका कुमारी लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में नहीं खेल पाएंगी। वे 2022 के हांगझोऊ एशियन गेम्स में वे बेटी के जन्म के कारण हिस्सा नहीं ले सकी थीं। कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन और कई वर्ल्ड कप मेडल जीतने वाली दीपिका ने 2010 से अब तक तीन एशियन गेम्स खेले हैं, लेकिन वे कभी इंडिविजुअल मेडल नहीं जीत सकी हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 2010 ग्वांगझू गेम्स का टीम ब्रॉन्ज मेडल था। चौथे स्थान पर रहने के कारण दीपिका वर्ल्ड कप सर्किट के तीसरे और चौथे स्टेज के लिए भारतीय टीम में बनी रहेंगी। दरअसल, वर्ल्ड कप के लिए 4 तीरंदाज चुने जाते हैं, जबकि एशियन गेम्स में केवल टॉप-3 को मौका मिलता है।

22 साल का इंतजार खत्म, आर्सेनल ने जीता प्रीमियर लीग का खिताब

बोर्नमाउथ (इंग्लैंड)(एजेंसी)। आर्सेनल ने आखिरकार 22 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए प्रीमियर लीग 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया। मैनचेस्टर सिटी और बोर्नमाउथ के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद आर्सेनल आधिकारिक रूप से चैंपियन बन गया। मैनचेस्टर सिटी को खिताबी दौड़ में बने रहने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी थी, लेकिन वाइटलिटी स्टेडियम में टीम ऐसा करने में नाकाम रही। मैच ड्रॉ होते ही आर्सेनल ने अंक तालिका में चार अंकों की अजेय बढ़त बना ली और ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। आर्सेनल ने इससे पहले आखिरी बार 2004 में प्रीमियर लीग का खिताब जीता था। इसके बाद क्लब कई बार करीब पहुंचा, लेकिन ट्रॉफी जीतने का सपना अधूरा रह गया। इस बार टीम ने पूरे सीजन शानदार प्रदर्शन किया और आखिरकार इतिहास रच दिया। मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला की लगातार खिताब जीतने की उम्मीद भी इसी के साथ खत्म हो गई। पिछले कुछ सालों से इंग्लिश फुटबॉल में दबदबा बनाने वाली सिटी इस बार आर्सेनल को रोक नहीं पाई। आर्सेनल के चैंपियन बनने की खबर सामने आते ही क्लब के प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। लंदन में एमिरेट्स स्टेडियम के बाहर हजारों फैंस जमा हो गए और देर रात तक जश्न मनाते रहे।

श्रमिकों के निबंधन व युवाओं को रोजगार दिलाने के कार्य को प्राथमिकता दें : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने श्रम विभाग एवं जिला नियोजन विभाग की बैठक कर समीक्षा की। बैठक में दोनों विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने श्रम अधीक्षक को असंगठित मजदूरों का अधिक से अधिक निबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने श्रमिकों के बीच जागरूकता अभियान चलाने पर भी बल दिया।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने जिला नियोजन पदाधिकारी को बेरोजगार युवाओं का नियमित निबंधन करने तथा समय-समय पर रोजगार मेला एवं भर्ती कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न कंपनियों में चयनित युवाओं से लगातार संपर्क बनाए रखते हुए उनकी प्रगति की मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाए।

उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं डीपीएम जेएसएलपीएस सहित संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों एवं युवाओं को प्रतियोगिता परीक्षाओं, रोजगार के अवसरों एवं विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे भविष्य के लिए बेहतर तैयारी कर सकें।

बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

एसआईआर को लेकर 23 को सभी मतदान केंद्रों पर प्रकाशित होगी अनमैप्ड एलेक्टोलर लिस्ट

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह सचिव, मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग, झारखंड के निर्देश पर रांची जिला अंतर्गत सभी 07 विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर शनिवार को अनमैप्डल एलेक्टोर लिस्टन प्रकाशित की जाएगी। यह प्रक्रिया मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत की जा रही है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर रांची जिला अंतर्गत आने वाले विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों तमाड, सिल्ली, खिजरी, रांची, हटिया, कांके और मांडर के सभी मतदान केंद्रों पर यह सूची उपलब्ध रहेगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान जिन मतदाताओं का नाम पिछले एसआईआर (2003) की मतदाता सूची से मैप नहीं हो पाया है, वे संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर अनमैप्डस एलेक्टो र लिस्टब में अपना नाम जांच सकते हैं। यह व्यवस्था शनिवार की सुबह 10 बजे से शाम 05 बजे तक उपलब्ध रहेगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर सूची का प्रकाशन सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने संबंधित बीएलओ की उपस्थिति भी सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। वहीं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक, रांची को भी निर्देशित किया गया है कि उनके विभाग अंतर्गत कार्यरत बीएलओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों की उपस्थिति संबंधित मतदान केंद्रों पर निर्धारित समय तक सुनिश्चित की जाए।

खूंटी सदर अस्पताल में सिकल सेल रोग पर कार्यशाला आयोजित

बिभा संवाददाता

खूंटीः खूंटी सदर अस्पताल में बुधवार को सिकल सेल रोग देखभाल पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन सदर अस्पताल, खूंटी एवं मॉडल रूरल हेल्थ रिसर्च यूनिट, नामकुम, रांची द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य जिले के चिकित्सा पदाधिकारियों, कार्यक्रम प्रबंधकों और स्वास्थ्यकर्मियों को सिकल सेल रोग की जांच, इलाज और बेहतर देखभाल के बारे में प्रशिक्षण देना था। इस अवसर पर देश के विभिन्न आईसीएमआर संस्थानों से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. ललित रंजन पाठक ने किया। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल रोग की समय पर पहचान, जागरूकता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. कल्पिता जी. गावित, वैज्ञानिक, आईसीएमआर-सीआरएमसीएच, चंद्रपुर तथा डॉ. रविंद्र कुमार, वैज्ञानिक, एनआईआरटीएच, जबलपुर उपस्थित थे। उन्होंने सिकल सेल रोग की जांच, उपचार, आनुवंशिक परामर्श और बेहतर प्रबंधन से जुड़े विषयों पर जानकारी दी।

इस अवसर पर डॉ. तनवीर रहमान, नोडल ऑफिसर,एमआरएचआरयू नामकुम, काननबाला तिर्की, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, खूंटी, तथा डॉ. सृजीता मित्रा, प्रोजेक्ट साइंटिस्ट, एमआरएचआरयू नामकुम भी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में जिले में सिकल सेल रोग से जुड़ी चुनौतियों, जांच सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता और मरीजों के नियमित फॉलो-अप को मजबूत करने पर भी चर्चा की गई। यह कार्यक्रम खूंटी जिले में सिकल सेल रोग की बेहतर देखभाल और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

मुरहू भाजपा ने प्रखंड मुख्यालय में किया धरना प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

खूंटी(बिभा) । जिले के मुरहू प्रखण्ड मुख्यालय में बुधवार को भाजपा कार्यकताओं ने झारखंड सरकार के विरुद्ध कई आरोप लगाते हुए धरना प्रदर्शन किया। जिसमें भाजपा कार्यकताओं ने बताया कि हेमंत सरकार के द्वारा किसानों से वादाखिलाफी और धोखे के विरोध में राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमें बिजली पानी, आवास आदि जन समस्याओं के लिए ज्ञापन सौंपा गया । मौके पर, किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष काशी नाथ महतो, मंडल अध्यक्ष विजय राम, महामंत्री विजय भगत, सुखमोहन नायक , उपाध्यक्ष प्रसून मांझी बसंत भगत सहित भाजपा मंडल के सभी सदस्य उपस्थित थे। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपा मिडिया प्रभारी दीपक गुप्ता ने दी।

प्रभात कु. बैक को खूँटी व विजय कु सिंह तोरपा के डीएसपी बनाए गये

खूँटी(बिभा) । झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों में राज्य सरकार द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी व पुलिस उपाधीक्षकों का स्थानांतरण किया गया है। जिसमें गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थानांतरित करते हुए खूँटी जिले के पुलिस पदाधिकारियों का भी स्थानांतरण हुआ। इसी क्रम में तोरपा एएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा को स्थानांतरित करते हुए खूंटी जिला के अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) के रुप में पदस्थापित किया गया । वहीं खूँटी जिले के तोरपा व खूँटी पुलिस अनुमंडलीय क्षेत्र में भी पुलिस उपाधीक्षक के रूप में स्थानांतरित किया गया है। जिसमें परिविक्षाधीन पुलिस उपाधीक्षक प्रभात कुमार बेक खूँटी मुख्यालय के उपाधीक्षक बनाए गये। वहीं नवप्रोन्नत उपाधीक्षक विजय कुमार सिंह को तोरपा के पुलिस उपाधीक्षक बनाया गया है।

जिला उद्योग केंद्र में वस्तु एवं सेवा कर निबंधन सह जागरूकता शिविर आयोजित

खूँटी(बिभा)। जिला उद्योग केंद्र, खूँटी में एक दिवसीय वस्तु एवं सेवा कर निबंधन सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों से संबंधित योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाना था। शिविर में महिलाओं एवं युवाओं की सहभागिता उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के दौरान डीपीएम श्रीमती मनीषा ने झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसायटी के माध्यम से संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर स्वरोजगार अपनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। साथ ही उद्योग विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के संबंध में भी जानकारी साझा की गई। मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड की ओर से श्रीमती आतेन विश्वासी टोपनो ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत उपलब्ध सहायता, प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी। वहीं श्री अभिनव राज ने उद्यम निबंधन, मुद्रा योजना, अन्नपूर्णा योजना, अश्वनी योजना एवं महिला उद्यमिता मंच सहित केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मी तथा बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

दिऊड़ी मंदिर सौंदर्यीकरण कार्य में गुणवत्ता से समझौता नहीं : एसडीएम

तमाड़(बिभा)। बुंडू अनुमंडल पदाधिकारी किस्टो कुमार बेसरा ने बुधवार को प्राचीनकालीन दिउड़ी मंदिर परिसर पहुँचकर लगभग आठ करोड़ रुपये की लागत से चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं विभिन्न योजनाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने संवेदक एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि जांच में किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई गई तो संबंधित लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि दिऊड़ी मंदिर क्षेत्र की आस्था, संस्कृति और पहचान का प्रमुख केंद्र है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसलिए सौंदर्यीकरण कार्य निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप होना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

विश्राम का भूत समझ परिवार व गाँव में भय का माहौल, एक दिन बाद माहौल शांत

अज्ञात शव दफनाने के बाद गायब विश्राम मुण्डा 12 दिन बाद लौटा घर

बिभा संवाददाता

खूँटी । ये हमारा विश्राम नहीं उसका आत्मा है। बेटी व परिवार सहित तब अचंभित रहे जब 12 दिन बाद विश्राम मुण्डा अचानक घर पहुँचा। इसके पहले घर वाले समाज के साथ विश्राम का शव समझ एक अन्य शव को दफना दिये। घटना मारंगहादा थाना क्षेत्र के पतरा टोली गाँव में हुई । जहाँ लगभग 25 वर्षों से पतराटोली में रह रहे बिरबांकी हुड़मादाह निवासी विश्राम शादी घर में शामिल होने के बाद फिर घर नहीं लौटा। जिस व्यक्ति को मृत मानकर परिजनों और ग्रामीणों ने जनजातीय रीति-रिवाज से दफना दिया था, वह कुछ दिनों बाद अचानक जीवित घर लौट आया। घटना के बाद पूरे इलाके में भय, कौतूहल और चर्चा का माहौल बना हुआ है।

शादी समारोह से लौटते समय लापता हुए थे विश्राम मुंडा

बेटी गंगामनी देवी के अनुसार, पतरा टोली बिरजिला गांव निवासी लगभग 55 वर्षीय विश्राम मुंडा 10 मई को परिवार के अन्य लोगों के साथ सिम्बुकेल गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। समारोह समाप्त होने के बाद सभी लोग घर लौट आए, लेकिन विश्राम मुंडा वापस नहीं पहुंचे। काफी खोजबीन के बाद भी जब उनका पता नहीं चला तो परिजनों ने मारंगहादा थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

नाले में मिला शव, परिजनों ने कर ली गलत पहचान

इसी बीच 11 मई को डड़गमा गांव के पास एक नाले से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ। शव का चेहरा विश्राम मुंडा से काफी मिलता-जुलता था। तस्वीर देखने के बाद परिजन और ग्रामीण भ्रमित हो गए और शव को विश्राम मुंडा का मान बैठे। इसके बाद 13 मई को शव को गांव लाकर जनजातीय परंपरा के अनुसार अंतिम संस्कार कर दिया गया।

अचानक जिंदा लौटे विश्राम तो डर गया परिवार

घटना में उस समय नया मोड़ आ गया जब रविवार को विश्राम मुंडा अचानक जीवित घर लौट आए। वे सीधे खूंटी स्थित अपनी बेटी फगनी स्वांसी के किराए के मकान पहुंचे। उन्हें सामने देखकर परिवार के लोग घबरा गए और कुछ समय तक उन्हें भूत समझते रहे। गांव में खबर फैलते ही लोग तरह-तरह की चचाएं करने लगे।

साया और पहचान से किया गया सत्यापन

परिजनों और ग्रामीणों ने पहले विश्राम मुंडा की पहचान को लेकर संशय जताया था। फिर घर के लोगों ने उनका छाया देखा और पुरानी बातों के बारे में पूछकर पुष्टि करने की कोशिश की। बाद में सभी को विश्वास हुआ कि लौटने वाला व्यक्ति वास्तव में विश्राम मुंडा ही है।

बेटी बोली – पहले डर लगे, फिर खुशी हुई

विश्राम मुंडा की बेटी गंगामनी देवी ने बताया कि पिता के लापता होने के बाद परिवार काफी परेशान था। इसी बीच मिले शव को लोगों ने उनके पिता समझ लिया और अंतिम संस्कार कर दिया। जब वे अचानक लौटे तो परिवार के लोग डर गए, लेकिन बाद में उनके जीवित होने की पुष्टि होने पर खुशी का माहौल बन गया।

बिना बताए रामगढ़ चले गए थे विश्राम

विश्राम मुंडा ने बताया कि वे बिना किसी को बताए रामगढ़ घूमने चले गए थे। उन्होंने कहा कि उनके कारण परिवार और गांव को परेशानी हुई, जिसका उन्हें दुख है।

पुलिस अब अज्ञात शव की पहचान में जुटी

मारंगहादा पंचायत के मुखिया प्रेम मुंडा ने बताया कि मामले की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। गलतफहमी में दूसरे व्यक्ति के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। अब पुलिस उस अज्ञात शव की वास्तविक पहचान करने में जुट गई है।

ई-फामेर्सी के विरोध में दवा व्यवसायियों का धरना प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

खूँटी । नगर क्षेत्र के दवा व्यवसायियों ने बुधवार को भगत सिंह चौक, खूँटी में धरना-प्रदर्शन कर ई-फामेर्सी व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई। प्रदर्शन में शामिल दवा व्यवसायियों और संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि ई-फामेर्सी से जुड़े नियमों की खामियों का फायदा उठाकर ऑनलाइन दवाओं की बिक्री की जा रही है, जिससे पारंपरिक दवा कारोबार प्रभावित हो रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बड़े कॉरपोरेट संस्थान भारी छूट (डीप डिस्काउंट) देकर बाजार का संतुलन बिगाड़ रहे हैं। साथ ही प्रिस्क्रिप्शन का गलत तरीके से उपयोग किए जाने की भी शिकायत की गई। दवा व्यवसायियों का कहना था कि इस व्यवस्था का सबसे अधिक नुकसान छोटे और मझोले दवा दुकानदारों को उठाना पड़ रहा है।

धरना प्रदर्शन के दौरान जिला अध्यक्ष नवीन मिश्रा और सचिव रवि प्रकाश ने कहा कि दवा व्यवसायियों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने के लिए यह आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने जिले भर के दवा व्यवसायियों को आंदोलन में सहयोग और समर्थन देने के लिए धन्यवाद भी दिया।

प्रदर्शन में मौजूद व्यवसायियों ने सरकार से ई-फामेर्सी के नियमों को सख्ती से लागू करने तथा छोटे व्यवसायियों के हितों की रक्षा करने की मांग की।

राज्य में बिना किसी प्रतिबंध के ईंधन वितरण जारी

बिभा स ंवाददाता

रांची : सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियाँ – इंडियनऑयल, बीपीसीएल एवं एचपीसीएल – तेल एवं गैस क्षेत्र पर वैश्विक अनिश्चितताओं के प्रभाव के बावजूद झारखंड राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की निर्बाध आपूर्ति बनाए हुए हैं।

तेल उद्योग अपने विस्तृत आपूर्ति नेटवर्क, जिसमें टर्मिनल, डिपो, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट एवं खुदरा बिक्री केंद्र शामिल हैं, के माध्यम से ईंधनों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु पूर्ण रूप से तैयार है। सभी बिक्री केंद्रों पर ईंधन वितरण सुचारु रूप से जारी है तथा निर्धारित सुरक्षा एवं परिचालन मानकों के अनुरूप बिना किसी प्रतिबंध के आपूर्ति बनाए रखी जा रही है।

आपूर्ति श्रृंखला में पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है तथा वास्तविक उपभोक्ता मांग को प्रभावी ढंग से पूरा करने हेतु निरंतर पुनर्भरण किया जा रहा है। राज्य में कुल 2084 रिटेल आउटलेट्स तथा 5 आपूर्ति केंद्र कार्यरत हैं। प्रतिदिन लगभग 3500 केएल पेट्रोल एवं 6600 केएल डीजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

घरेलू उपभोक्ताओं हेतु एलपीजी आपूर्ति भी सामान्य रूप से जारी है तथा राज्य में OMCs के लगभग 593 एलपीजी वितरकों के माध्यम से सुचारु रूप से डिलीवरी की जा रही है। वर्तमान में राज्य में बैकलॉग लगभग 4.4 दिनों का है। एलपीजी उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे पीएमयूवाई / पहल लाभार्थियों हेतु सब्सिडी की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए अपना ïङउ पूर्ण कर लें।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियाँ नागरिकों को निर्बाध ऊर्जा उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु लॉजिस्टिक्स, स्टॉक पोजिशनिंग एवं वितरण योजना पर लगातार समन्वय बनाए हुए हैं। समग्र आपूर्ति स्थिति स्थिर है तथा उस पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

सामाजिक सुरक्षा एवं समाज कल्याण विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

खूँटी। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त के द्वारा सामाजिक सुरक्षा एवं समाज कल्याण विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक की गई। बैठक में सामाजिक सुरक्षा पेंशन, झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने सभी पेंशन योजनाओं एवं मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों का शत-प्रतिशत आधार सीडिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कैंप लगाकर लाभुकों का भौतिक सत्यापन एवं डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट रिपोर्ट शीघ्र पूर्ण करने को कहा। जिला बाल संरक्षण इकाई की समीक्षा के दौरान चाइल्ड केयर संस्थानों के संचालन, बाल विवाह मामलों तथा बच्चों की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा में आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की स्थिति, निमार्णाधीन भवनों एवं रिक्त सेविका पदों के चयन प्रक्रिया को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने सरकारी भवनों में बिजली एवं इंटरनेट सुविधा सुनिश्चित करने तथा जन्म प्रमाण पत्र कैंप आयोजित करने को कहा।

बैठक में पोषण ट्रैकर, गर्भवती महिलाओं और बच्चों की ई-केवाईसी, एमटीसी केंद्र में कुपोषित बच्चों की देखभाल, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं वन स्टॉप सेंटर से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

पेशा कानून पर क्षेत्र में असंतुष्टता, अर्जुन मुण्डा ने सरकार को घेरा

परम्परागत रुढ़िवादी जनजातियों के हक व अधिकार को दरकिनार करने पर उठी आवाज

बिभा संवाददाता

खूँटी । झारखंड में पेशा कानून को लेकर एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व सांसद अर्जुन मुण्डा ने राज्य सरकार पर पेशा कानून को सही तरीके से लागू नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए पेशा अधिनियम 1996 में कोई समस्या नहीं है, लेकिन झारखंड में उसे हू-ब-हू लागू नहीं किए जाने के कारण आदिवासी समाज अपने अधिकारों से वंचित महसूस कर रहा है।

अर्जुन मुण्डा ने कहा कि सरकार ने समाज की परंपराओं और व्यवस्थाओं को समझे बिना कानून लागू करने का प्रयास किया, जिसके कारण क्षेत्र में असंतोष और प्रतिवाद बढ़ रहा है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा लागू व्यवस्था को ह्णऑर्गन फेलियर रूलह्न बताते हुए कहा कि यदि समाज की परंपरा और सरकार का कानून अलग-अलग दिशा में चलेंगे तो इसका लाभ जनता तक नहीं पहुंच पाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पेशा कानून आदिवासी समाज के अधिकारों और परंपराओं की रक्षा के लिए बनाया गया था, लेकिन राज्य सरकार की ओर से इसे सही स्वरूप में लागू नहीं करने के कारण जमीनी स्तर पर लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज की भावनाओं और परंपराओं को ध्यान में रखकर कानून लागू किया जाना चाहिए था, ताकि लोगों में विश्वास कायम हो सके।

इधर, झारखंड में लागू पेशा कानून के विरोध में गांव-गांव में आवाज उठने लगी है। कई क्षेत्रों में ग्रामीणों द्वारा बैठकों और विरोध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि परम्परागत रुढ़िवादी जनजातीय व्यवस्था को नजरअंदाज कर गैर रुढ़िवादी लोगों को पेशा व्यवस्था के तहत पदाधिकारी बनाया जा रहा है, जिससे समाज में असंतोष बढ़ रहा है।

लोगों का कहना है कि यह व्यवस्था आदिवासी धर्म, संस्कृति और पारंपरिक सामाजिक ढांचे के विपरीत है। ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि पेशा कानून को लागू करने में स्थानीय परंपराओं, ग्राम सभा की भूमिका और जनजातीय रीति-रिवाजों का सम्मान सुनिश्चित किया जाए, ताकि समाज में विश्वास और सामंजस्य बना रहे।

एसआईआर से पहले नोशनल हाउस नंबर कार्य जल्द पूरा करने का निर्देश

बिभा संवाददाता

तमाड़। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर तमाड़ अनुमंडल पदाधिकारी किस्टो कुमार बेसरा ने बुधवार को प्रखंड के बुरुडीह गांव पहुंचकर घरों में चिपकाये जा रहे नोशनल हाउस नंबर कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा कई घरों में जाकर भौतिक सत्यापन भी किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया कि एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले हर हाल में निर्धारित समय सीमा के भीतर नोशनल हाउस नंबर का कार्य पूरा कर लिया जाये। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण कार्य है, इसलिए सभी कर्मी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

नागपुरी फिल्म सेरेंग ने रचा इतिहास : गैलेक्सिया मॉल के पॉपकॉर्न सिनेमाज में उमड़ी रिकॉर्ड भीड़, कलाकारों संग दर्शकों ने जमकर किया डांस

बिभा संवाददाता

रांची। नागपुरी सिनेमा के इतिहास में फिल्म सेरेंग ने एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। गैलेक्सिया मॉल स्थित पॉपकॉर्न सिनेमाज में फिल्म को लेकर दर्शकों का ऐसा उत्साह देखने को मिला, जिसने यह साबित कर दिया कि नागपुरी सिनेमा अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है। फिल्म के शो के दौरान भारी भीड़ उमड़ी और कई शो हाउसफुल रहे। सिनेमा हॉल के बाहर टिकट के लिए लंबी कतारें लगी रहीं, वहीं अंदर दर्शकों का जोश देखते ही बन रहा था।

विशेष बात यह रही कि फिल्म की पूरी टीम भी इस मौके पर मौजूद रही। अभिनेता विवेक नाया, नीतेश कच्छप सहित फिल्म के अन्य कलाकार और निर्देशक एनपीके पुरुषोत्तम दर्शकों के बीच पहुंचे। जैसे ही कलाकार सिनेमाघर पहुंचे, दर्शकों ने तालियों और नारों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। पूरा माहौल उत्सव में बदल गया।

फिल्म के गानों और दृश्यों पर दर्शक अपनी सीटों से उठकर झूमने लगे। कलाकारों और दर्शकों ने एक साथ डांस किया, जिससे पॉपकॉर्न सिनेमाज किसी फिल्म थिएटर से ज्यादा एक सांस्कृतिक उत्सव का केंद्र नजर आने लगा। नागपुरी गीतों की धुन पर युवाओं, बच्चों और परिवारों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कई दर्शकों ने इसे नागपुरी सिनेमा के लिए ऐतिहासिक पल बताया।

दर्शकों का कहना था कि इतने बड़े स्तर पर किसी नागपुरी फिल्म के लिए ऐसा क्रेज पहले बहुत कम देखने को मिला है। फिल्म के प्रति लोगों की दीवानगी यह दिखाती है कि अब क्षेत्रीय भाषा और संस्कृति से जुड़ी फिल्मों को भी बड़े स्तर पर प्यार और समर्थन मिल रहा है।

फिल्म में विवेक नायक और नीतेश कच्छप के अभिनय की जमकर प्रशंसा हो रही है। वहीं निर्देशक एनपीके पुरुषोत्तम के निर्देशन को दर्शक नागपुरी सिनेमा के लिए एक नई सोच और नई ऊर्जा के रूप में देख रहे हैं। फिल्म की कहानी, संगीत, भावनात्मक दृश्य और स्थानीय संस्कृति की प्रस्तुति ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया है।

फिल्म की सफलता ने यह भी साबित कर दिया है कि यदि क्षेत्रीय फिल्मों को बेहतर प्रस्तुति और मंच मिले, तो दर्शक उन्हें भरपूर समर्थन देने के लिए तैयार हैं। सेरेंग ने सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर भीड़ नहीं जुटाई, बल्कि नागपुरी सिनेमा के प्रति लोगों के विश्वास और गर्व को भी नई पहचान दी है।

सिनेमा प्रेमियों का मानना है कि सेरेंग आने वाले समय में नागपुरी फिल्म इंडस्ट्री के लिए प्रेरणा बनेगी और क्षेत्रीय कलाकारों को नई उड़ान देने का काम करेगी।

संक्षिप्त खबरें

हाजीपुर में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक सम्मेलन का आयोजन

हाजीपुर(बिभा) : पूर्व मध्य रेलवे के मुख्यालय, हाजीपुर स्थित नए सम्मेलन कक्ष में लेखा विभाग द्वारा वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, प्रधान वित्त सलाहकार नीरज वर्मा, प्रधान वित्त सलाहकार/निर्माण वंदना शर्मा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, विभिन्न मंडलों एवं इकाइयों से आए वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक तथा लेखा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि 1988 बैच के सेवानिवृत्त आईआरएएस अधिकारी संतोष कुमार पट्टनायक थे। सम्मेलन में पूर्व मध्य रेलवे की वित्तीय स्थिति एवं विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तृत परिचर्चा की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक/समस्तीपुर गणनाथ झा द्वारा स्ट्रीमलाइनिंग ऑफ रिलिज्ड मटेरियल इश्यू विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। वहीं मंडल वित्त प्रबंधक/धनबाद हर्षवर्द्धन सिंह ने कोल पायलट पॉलिसी तथा मंडल वित्त प्रबंधक/सोनपुर मनीष कुमार ने मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया। मुख्य अतिथि पट्टनायक ने ग्रीन फाइनेंसिंग विषय पर व्याख्यान देते हुए पारंपरिक वित्तपोषण एवं ग्रीन फाइनेंसिंग के बीच अंतर स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए भविष्य ग्रीन फाइनेंसिंग का है तथा भारतीय रेल इस दिशा में निरंतर अग्रसर है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित वर्ष 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने हेतु रेलवे को सक्रिय रूप से कार्य करना होगा। साथ ही उन्होंने वित्त अधिकारियों को रेल परियोजनाओं में ग्रीन फाइनेंसिंग की व्यापक संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रीन फाइनेंसिंग एक नई एवं उभरती कार्यप्रणाली है। मुख्य अतिथि का व्याख्यान अत्यंत सारगर्भित एवं भविष्य की परियोजनाओं के लिए मार्गदर्शक है, जिसका अनुपालन रेलवे तथा देशहित दोनों के लिए महत्वपूर्ण होगा।

अधिक मूल्य वसूली पर धनबाद स्टेशन के स्टॉल पर रेल प्रशासन ने की कार्रवाई

धनबाद(बिभा): यात्रियों के हितों की सुरक्षा एवं रेलवे परिसर में पारदर्शीता सुनिश्चित करने की दिशा में धनबाद रेल प्रशासन द्वारा लगातार सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में धनबाद रेलवे स्टेशन पर एक स्टॉल वेंडर द्वारा एक रेल यात्री से कोल्ड ड्रिंक के निर्धारित मूल्य से अधिक राशि प्राप्त करने की शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत प्राप्त होते ही धनबाद रेल प्रशासन द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच कराई गई। जांच के दौरान शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित स्टॉल संचालक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए उक्त स्टॉल को एक दिन के लिए बंद कर दिया गया। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों से किसी भी प्रकार की अतिरिक्त वसूली, अनियमितता अथवा उपभोक्ता हितों की अनदेखी को किसी भी परिस्थिति में त्वरित संज्ञान में लेते हुए तत्काल कार्रवाई की जाती हैं यात्रियों को निर्धारित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

धनबाद रेल मंडल मेंआयोजित दस दिवसीय समर कैंप सफलतापूर्वक संपन्न

धनबाद(बिभा): रेलवे अधिकारी क्लब, धनबाद में आयोजित दस दिवसीय समर कैंप 2026 के समापन कार्यक्रम का शुभारम्भ पूर्व मध्य रेल मंडल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अध्यक्षा श्रीमती प्रिया मिश्र द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस समर कैंप में विभिन्न विद्यालयों के 4 वर्ष से 10 वर्ष आयु वर्ग के कुल 38 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों और कार्यशालाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस समर कैंप में बच्चों ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण, नृत्य एवं संगीत, ड्राइंग, कला एवं शिल्प तथा मिट्टी के बर्तन निर्माण जैसी विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लियो कैंप में प्रशिक्षित एवं अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिससे वे नई-नई कलाओं एवं कौशलों को सीख सकेे कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास में वृद्धि तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना रहा। साथ ही, पूर्व मध्य रेल मंडल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अध्यक्षा एवं मनोवैज्ञानिक/काउंसलर प्रिया मिश्र द्वारा पेरेंटिंग एवं जेंटल पेरेंटिंग : मिथक, तथ्य और सकारात्मक जुड़ाव विषय पर एक संवादात्मक एवं प्रेरणादायी चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में अभिभावकों को बच्चों के साथ सकारात्मक संवाद, भावनात्मक जुड़ाव एवं बेहतर पालन-पोषण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल मंडल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की उपाध्यक्षा अल्पना झा एवं मीनाक्षी, शैली सहित संगठन की अन्य सम्मानित सदस्याएं, मंडल के कर्मचारीगण तथा अन्य गणमान्य अतिथिगण उपस्थित थे।

केवीआईसी ने विश्व मधुमक्खी दिवस वर्चुअल माध्यम से मनाया

बिहान भारत

रांची/नई दिल्ली : खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार ने बुधवार को मुख्यालय, मुंबई के साथ-साथ अपने देशभर के राज्य एवं मंडलीय कार्यालयों तथा केंद्रीय मधुमक्खी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीबीआरटीआई), पुणे में विश्व मधुमक्खी दिवस-2026 के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन वर्चुअल माध्यम से किया। नई दिल्ली स्थित केवीआईसी के गांधी दर्शन कार्यालय से अध्यक्ष, केवीआईसी मनोज कुमार ने देशभर के केवीआईसी कार्यालयों, मधुमक्खी पालकों, लाभार्थियों, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इस अवसर पर सीबीआरटीआई, पुणे में आयोजित हनी प्रदर्शनी का शुभारंभ भी अध्यक्ष, केवीआईसी मनोज कुमार ने वर्चुअल माध्यम से किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष, केवीआईसी मनोज कुमार ने देशभर से वर्चुअल माध्यम से जुड़े प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष विश्व मधुमक्खी दिवस के कार्यक्रमों का आयोजन प्रधानमंत्री के ऊर्जा संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा कम संसाधनों में प्रभावी आयोजन के विजन के अनुरूप वर्चुअल माध्यम से किया गया है। इससे न केवल अनावश्यक यात्रा और ईंधन की खपत में कमी आई, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों की सहभागिता भी सुनिश्चित हुई। उन्होंने आगे कहा कि मधुमक्खियां प्रकृति और कृषि व्यवस्था की महत्वपूर्ण संरक्षक हैं तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्वेत क्रांति से स्वीट क्रांति के विजन ने गांवों में स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को नई गति दी है। आज मधुमक्खी पालन खेती, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का सशक्त माध्यम बन चुका है।

अध्यक्ष केवीआईसी ने आगे कहा कि आज जब पूरी दुनिया मधुमक्खियों के संरक्षण की चिंता कर रही है, तब भारत ने इस दिशा में सकारात्मक पहल की है। उन्होंने आगे बताया कि प्रधानमंत्री की इसी प्रेरणा को आगे बढ़ाते हुए केवीआईसी ने वर्ष 2017 में हनी मिशन शुरू किया, जो आज ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बन चुका है।

अध्यक्ष केवीआईसी ने बताया कि वर्ष 2017-18 से 2025-26 तक देशभर में 2,46,099 बी-बॉक्स एवं बी-कालोनियों का वितरण किया गया है, जिससे अनुमानित 24,269 मीट्रिक टन शहद उत्पादन को बढ़ावा मिला है। वर्ष 2025-26 में शहद उत्पादन का अनुमान 5,512 मीट्रिक टन तक पहुंचा है। साथ ही, केवीआईसी से जुड़े मधुमक्खी पालकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में लगभग 31 करोड़ रुपये मूल्य के शहद का निर्यात किया गया। शहद निर्यात के प्रमुख गंतव्यों में अमेरिका, कनाडा, यूएई, इजराइल, सऊदी अरब, ओमान, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, कतर और कोरिया रिपब्लिक सहित कई देश शामिल हैं, जो भारतीय शहद की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता को दर्शाता है।

उपायुक्त ऋतुराज ने किया पीवीयूएनएल का दौरा, परियोजना प्रगति एवं विभिन्न मुद्दों की समीक्षा

बिभा संवाददाता

पतरातू : विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) में रामगढ़ के उपायुक्त श्री ऋतुराज का दौरा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री ए.के. सहगल ने अरन्या गेस्ट हाउस में उपायुक्त को पौधा भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान पीवीयूएनएल के अन्य महाप्रबंधकगण भी उपस्थित रहे।

दौरे के क्रम में उपायुक्त ने परियोजना स्थल एवं यूनिट कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया तथा संयंत्र की प्रगति, संचालन एवं विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों द्वारा उन्हें परियोजना की वर्तमान स्थिति एवं आगामी योजनाओं की जानकारी दी गई।

बैठक के दौरान भूमि से संबंधित विषयों एवं अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। उपायुक्त ने सभी विषयों पर सकारात्मक सहयोग का आश्वासन देते हुए परियोजना से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने हेतु प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक सहयोग प्रदान करने की सहमति व्यक्त की।

पीवीयूएनएल प्रबंधन ने उपायुक्त के दौरे को परियोजना के सुचारू एवं तीव्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत पीवीयूएनएल में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन

बिभा संवाददाता

पतरातू : पीवीयूएनएल, पतरातु द्वारा ऐश माउंड क्षेत्र में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत एक विशाल वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ए.के. सहगल, सीईओ पीवीयूएनएल, अनुपम मुखर्जी, सीजीएम प्रोजेक्ट, मनीष खेतरपाल, जीएम (ओ एंड एम), विष्णु दत्ता दास, जीएम प्रोजेक्ट तथा जियाउल रहमान, हेड ऑफ एचआर सहित बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने सहभागिता की। वृक्षारोपण अभियान में आसपास के गांवों बलकुदरा, जयनगर एवं लबगा के मुखियाओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं स्वच्छता के महत्व पर बल दिया गया। पीवीयूएनएल द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु इस प्रकार के अभियान निरंतर चलाए जा रहे हैं।

देवघर में ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

देवघर। देवघर पुलिस ने नशा और ब्राउन शुगर के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मोहनपुर थाना क्षेत्र से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 8.43 ग्राम ब्राउन शुगर और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दहीजोर-लेटवावरण सड़क स्थित तिराहा मोड़ के पास ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान गौतम महथा उर्फ गौतम चौधरी को ब्राउन शुगर बेचते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 8.43 ग्राम ब्राउन शुगर और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया।

30 मिनट के भीतर सफाई की गारंटी के तहत आसनसोल मंडल द्वारा स्वच्छता जागरूकता अभियान आयोजित

बिहान भारत

आसनसोल: पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल द्वारा 16 मई से 30 मई 2026 तक अपने अधिकार क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर देखें, सूचित करें, हम तुरंत कार्रवाई करेंगे थीम के अंतर्गत स्वच्छता जागरूकता अभियान द्वितीय चरण चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य 30 मिनट के भीतर सफाई की गारंटी पहल के माध्यम से स्वच्छता संबंधी शिकायतों के त्वरित निवारण को सुनिश्चित करना तथा यात्रियों को रेलवे परिसरों को स्वच्छ एवं स्वच्छतापूर्ण बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है।

इसी क्रम में 20 मई 2026 को आसनसोल, जसीडीह एवं बराकर रेलवे स्टेशनों पर यात्री जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें मंडल के अधिकारियों, पर्यवेक्षकों तथा हाउसकीपिंग कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

आसनसोल स्टेशन पर यह कार्यक्रम जनसंपर्क अधिकारी, आसनसोल की उपस्थिति में स्टेशन प्रबंधक, पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन विभाग के पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों तथा वाणिज्य विभाग के पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों के साथ आयोजित किया गया।

जसीडीह स्टेशन पर यह जागरूकता कार्यक्रम वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन, आसनसोल के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्टेशन प्रबंधक, पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन विभाग के पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी, यांत्रिक कोचिंग एवं वैगन विभाग के पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी, वाणिज्य विभाग के कर्मचारी, रेलवे सुरक्षा बल तथा हाउसकीपिंग कर्मी उपस्थित थे।

बराकर स्टेशन पर यह कार्यक्रम सहायक परिचालन प्रबंधक (सुरक्षा), आसनसोल के पर्यवेक्षण में स्टेशन प्रबंधक, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, रेलवे सुरक्षा बल, बुकिंग सुपरवाइजर तथा हाउसकीपिंग कर्मियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

अभियान के दौरान उपर्युक्त अधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों ने मंडल के संबंधित स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय तथा परिसंचरण क्षेत्रों में यात्रियों से संवाद किया और उन्हें 30 मिनट के भीतर सफाई की गारंटी पहल की जानकारी दी। यात्रियों से स्टेशन परिसर में कूड़ा न फैलाने, थूकने से परहेज करने, डस्टबिन का समुचित उपयोग करने तथा किसी भी अस्वच्छ स्थान की सूचना रेल मदद ऐप के माध्यम से अथवा #ERChallenge हैशटैग के साथ @DrmAsansol को टैग कर-के देने का आग्रह किया गया।

इस पहल के अंतर्गत प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, शौचालय, फुट ओवर ब्रिज, परिसंचरण क्षेत्र तथा स्टेशन परिसर के अन्य भागों से संबंधित स्वच्छता शिकायतों पर, परिचालन परिस्थितियों के अनुरूप, 30 मिनट के भीतर कार्रवाई की जाती है।

इस अभियान को यात्रियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। यात्रियों ने स्वच्छता प्रबंधन के प्रति मंडल की त्वरित एवं यात्री-केंद्रित कार्यप्रणाली की सराहना की।

आसनसोल मंडल सभी यात्रियों एवं रेल उपयोगकताओं से इस पहल को सफल बनाने हेतु डस्टबिन का उपयोग करने, कूड़ा न फैलाने, थूकने से बचने तथा मंडल के अंतर्गत आने वाले रेलवे स्टेशनों को स्वच्छ एवं स्वच्छतापूर्ण बनाए रखने में सहयोग करने की अपील करता है। 30 मिनट के भीतर सफाई की गारंटी पहल के माध्यम से मंडल स्वच्छता संबंधी शिकायतों के त्वरित निवारण की व्यवस्था को और सुदृढ़ कर रहा है, जिससे यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार हो रहा है तथा यात्रियों को अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव उपलब्ध हो रहा है।

पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के साथ अपने बच्चे का भविष्य संवारें

बिहान भारत

कोलकाता: क्या आप अपने बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाने, उन्हें जीवन रक्षक कौशल सिखाने और सरकारी नौकरी के बेहतरीन अवसर दिलाने का एक जीवंत तरीका खोज रहे हैं? पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स युवा लड़कों और लड़कियों का रोमांच, अनुशासन और सामुदायिक सेवा की एक गौरवशाली परंपरा से जोड़ता है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करती है।

भारतीय रेलवे में स्काउटिंग की जड़ें बीसवीं शताब्दी के आरंभ से जुड़ी हैं, जिससे यह देश के सबसे पुराने और सबसे सम्मानित युवा संगठनों में से एक बन गया है। दशकों से, यह आंदोलन युवा विकास के एक शक्तिशाली केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। पूर्व रेलवे के प्रत्यक्ष प्रशासन के अंतर्गत संचालित यह संगठन पीढ़ियों से साधारण बच्चों को जिम्मेदार, साहसी नागरिकों में परिवर्तित करता आ रहा है जो राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

इस प्रेरणादायक यात्रा के द्वार सभी के लिए खुले हैं, जिनमें स्कूली छात्र, रेलवे कर्मचारियों के बच्चे तथा स्थानीय समुदाय के युवा शामिल हैं। अभिभावक अपने बच्चों का पंजीकरण हावड़ा, सियालदह, आसनसोल और मालदा जैसे प्रमुख मंडलों में स्थित निकटतम पूर्व रेलवे जिला मुख्यालय में आसानी से करा सकते हैं। पाँच से दस वर्ष तक के बच्चे कब्स और बुलबुल्स के रूप में शामिल हो सकते हैं, दस से सत्रह वर्ष की आयु में स्काउट्स और गाइड्स के रूप में आगे बढ़ सकते हैं और अंततः पच्चीस वर्ष की आयु तक रोवर्स और रेंजर्स बन सकते हैं।

स्काउटिंग केवल कक्षा तक सीमित शिक्षा नहीं है, बल्कि यह बाहरी रोमांच के माध्यम से सीखने पर विशेष बल देती है। नियमित सप्ताहांत शिविरों और गतिविधियों के जरिए युवा सदस्य प्राथमिक उपचार, गाँठ बाँधना, नक्शा पढ़ना और आपातकालीन बचाव तकनीकों जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल सीखते हैं। इन व्यावहारिक कौशलों के अलावा बच्चे ट्रैकिंग, रात्रि शिविर, तारों का अवलोकन, खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसी ऊजार्वान गतिविधियों में भाग लेते हैं, जो उन्हें टीमवर्क, आपदा प्रबंधन और सामुदायिक सेवा का महत्व सिखाती हैं।

इस संगठन से जुड़ना बच्चे के भविष्य और रोजगार संभावनाओं में एक महत्वपूर्ण निवेश भी है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सदस्य प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त कर सकते हैं, जिस पर भारत के राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होते हैं और जो किसी भी बायोडाटा को विशेष आकर्षण प्रदान करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय रेल अपनी भर्ती प्रक्रियाओं में स्काउट्स एंड गाइड्स कोटा आरक्षित रखती है, जिसके अंतर्गत प्रमाणित सदस्यों को सुरक्षित सरकारी नौकरियों के लिए विशेष प्राथमिकता और निर्धारित रिक्तियाँ प्रदान की जाती हैं।

इस आंदोलन के व्यापक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए, पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राज्य सचिव तथा पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी के चरित्र का निर्माण करना है, ताकि उनमें आत्मनिर्भरता और दूसरों की सहायता करने का सच्चा आनंद विकसित हो सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन युवा सदस्यों का समर्पण वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने यह भी बताया कि व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ यह अनूठा मंच भारतीय रेल के सुरक्षित नेटवर्क में प्रत्यक्ष रोजगार अवसरों सहित शानदार करियर संभावनाओं के द्वार खोलता है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com